THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

वर्ष–29 अंक : 206 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.1 2081 शुक्रवार, 18 अक्टूबर–2024

‘युद्ध नहीं, बुद्ध में है समाधान’

मोदी : गुलाम मानसिकता वालों ने भारत की पहचान मिटाने की कोशिश की

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस और पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देने के समारोह में भाग लिया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया युद्ध में नहीं बल्कि बुद्ध में समाधान ढूंढ सकती है। दुनिया को शांति के रास्ते पर चलने के लिए बुद्ध की शिक्षाओं से सीखना चाहिए।

मोदी ने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया अस्थिरता से ग्रस्त है, बुद्ध न केवल प्रासंगिक हैं बल्कि एक जरूरत भी हैं। पीएम ने कहा कि हर देश अपनी विरासत को अपनी पहचान से जोड़ता है, लेकिन भारत इस मामले में बहुत पीछे रह गया है। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले आक्रमणकारियों ने भारत की पहचान को मिटाने की कोशिश की। बाद में गुलाम मानसिकता से पीड़ित लोगों ने ऐसा किया। एक ग्रुप ने देश पर कब्जा कर लिया जो इसे अपनी विरासत के विपरीत दिशा में ले गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देना भगवान बुद्ध की महान विरासत का सम्मान है। भाषा सभ्यता और संस्कृति की आत्मा है। पाली भाषा को जिंदा रखना, भगवान बुद्ध के शब्दों को जिंदा रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

पीएम ने शरद पूर्णिमा और वाल्मिकी जयंती की बधाई दी : मोदी ने अभिधम्म दिवस पर भगवान बुद्ध के सभी अनुयायियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज शरद पूर्णिमा और वाल्मिकी जयंती भी है। मैं सभी देशवासियों को शरद पूर्णिमा और वाल्मिकी जयंती की भी बधाई देता हूं। पीएम ने कहा कि इसी महीने भारत सरकार ने पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। मुझे खुशी है कि हमारी सरकार ने अपने मूल मूल्यों के साथ इस जिम्मेदारी को निभाया है।प्रधानमंत्री ने कहा, यह मेरा सौभाग्य है कि मेरे जन्म के समय भगवान बुद्ध से जुड़ने की जो यात्रा शुरू हुई वह आज भी जारी है। मेरा जन्म गुजरात के वडनगर में हुआ, जो कभी बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र था।

जस्टिस संजीव खन्ना होंगे 51वें सीजेआई

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। जस्टिस संजीव खन्ना सुप्रीम कोर्ट के 51वें चीफ जस्टिस होंगे। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने सरकार से उनके नाम की सिफारिश की है। दरअसल, सीजेआई चंद्रचूड़ 10 नवंबर 2024 को रिटायर हो जाएंगे।

परंपरा है कि मौजूदा सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने का आग्रह किया जाता है। सीजेआई चंद्रचूड़ के बाद वरिष्ठता सूची में जस्टिस संजीव खन्ना का नाम है। इसलिए जस्टिस खन्ना का नाम आगे बढ़ाया है। हालांकि, उनका कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का होगा। 64 साल के जस्टिस खन्ना 13 मई 2025 को रिटायर होंगे। सुप्रीम कोर्ट जज के तौर पर जस्टिस खन्ना ने 65 फैसले लिखे हैं।

नायब सैनी दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बने

पंचकूला, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में नायब सैनी ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। सैनी राज्य के 19वें मुख्यमंत्री बने। हालांकि मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने वाले वे 11वें नेता हैं। शपथ ग्रहण समारोह पंचकूला के दशहरा ग्राउंड में हुआ। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पीएम नरेंद्र मोदी शामिल हुए। शपथ ग्रहण में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी और राजनाथ सिंह के साथ 18 राज्यों के मुख्यमंत्री व डिप्टी मुख्यमंत्री भी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री सैनी के साथ 13 मंत्रियों ने शपथ ली। जिनमें सबसे ज्यादा 5 चेहरे ओबीसी वर्ग से हैं। जाट, ब्राह्मण और एससी वर्ग से 2-2 मंत्री बनाए गए हैं।

असम में अप्रवासियों को नागरिकता देने वाला कानून वैध

5 जजों की बेंच का फैसला 4 की सहमति, एक असहमत

असम समझौता बढ़ते प्रवास के मुद्दे का राजनीतिक समाधान था। इसमें जोड़ी गई धारा 6ए कानूनी समाधान था।
CJI डीवाई चंद्रचूड़

6ए कानून मनमानी से नहीं बनाया गया। इसके तहत आने वाले अप्रवासियों केलिए परिभाषित शर्तें हैं।
जस्टिस सूर्यकांत

धारा 6A समय बीतने के साथ असंवैधानिक हो गई है। इसे लागू करने वालों की मंशा क्या थी। यह देखना होगा।
जस्टिस पारदीवाला

सीजेआई बोले- यह राजनीतिक समाधान था, जो कानून बना; जस्टिस सूर्यकांत बोले- जियो और जीने दो

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सिटिजनशिप एक्ट की धारा 6A की वैधता को बरकरार रखा है। CJI डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली 5 जजों की कॉन्स्टीट्यूशन बेंच ने इस पर गुरुवार को फैसला सुनाया। बेंच में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल थे। फैसला पर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ सहित चार जजों ने सहमति जताई है। वहीं जस्टिस जेबी पारदीवाला ने असहमति जताई।

दरअसल सिटिजनशिप एक्ट की धारा 6A को 1985 में असम समझौते के दौरान जोड़ा गया था। इस कानून के तहत जो बांग्लादेशी अप्रवासी 1 जनवरी 1966 से 25 मार्च 1971 तक असम आए हैं वो भारतीय नागरिक के तौर पर खुद को रजिस्टर करा सकते हैं। हालांकि, 25 मार्च 1971 के बाद असम आने वाले विदेशी भारतीय नागरिकता के लायक नहीं हैं।

इस कानून पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- हम धारा 6A की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है। हम किसी को अपने पड़ोसी चुनने की अनुमति नहीं दे सकते और यह उनके भाईचारे के सिद्धांत के खिलाफ है। हमारा सिद्धांत है जियो और जीने दो।

धारा 6ए के पक्ष में केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, एडवोकेट स्नेहा कलिता और असम सरकार की ओर से एडवोकेट शुवोदीप रॉय उपस्थित हुए। मालविका त्रिवेदी अखिल असम छात्र संघ की ओर से उपस्थित हुईं। संजय आर हेगड़े और अदील अहमद असम सांख्य लघु संग्राम परिषद की ओर से पेश हुए।

असम जमीयत उलेमा की ओर से सलमान खुर्शीद उपस्थित हुए। सी.यू. सिंह सिटीजंस फॉर जस्टिस एंड पीस की ओर से उपस्थित हुए। शादान फरासत, नताशा माहेश्वरी, प्रणव धवन, ऋषिका जैन, अमन नकवी, अभिषेक बब्बर, मृगांका कुकरेजा, हर्षित आनंद और शादाब अजहर के साथ सामाजिक न्याय मंच के लिए उपस्थित हुए।

कपिल सिब्बल जमीयत उलेमा-ए-हिंद की ओर से पेश हुए। इंदिरा जयसिंह और पारस नाथ सिंह अखिल असम अल्पसंख्यक छात्र संघ की ओर से पेश हुए। चुनाव आयोग की ओर से साहिल टैगोत्रा उपस्थित हुए।

फ्रेंकफर्ट-मुंबई विस्तारा फ्लाइट में बम की धमकी

पाकिस्तान के एयर स्पेस में मिला इमरजेंसी सिग्नल 4 दिन में विमानों में बम की 20वीं धमकी

मुंबई, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। विस्तारा की फ्रैंकफर्ट-मुंबई फ्लाइट UK 028 में गुरुवार को बम होने की धमकी मिली। इसके बाद फ्लाइट की मुंबई में आपात लैंडिंग कराई गई। यह धमकी सोशल मीडिया के जरिए दी गई। जब अधिकारियों ने बम की धमकी की सूचना क्रू मेंबर्स को दी, विमान पाकिस्तान के एयर स्पेस में उड़ान भर रहा था। फ्लाइट में 147 यात्री सवार थे।

इससे पहले बुधवार को 7 और फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। इसमें इंडिगो की चार, स्पाइसजेट की 2 और अकासा की एक फ्लाइट शामिल है।

पिछले 4 दिन में कुल 20 विमानों को बम की धमकी मिल चुकी है। मंगलवार (15 अक्टूबर) को 8 और सोमवार को 3 फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। इन फ्लाइट्स में एअर इंडिया एक्सप्रेस का दिल्ली से शिकागो जाने वाला विमान भी शामिल था। उसे कनाडा डायवर्ट कर इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया था।

जांच में इन फ्लाइट्स में बम की खबर झूठी निकली थीं। हालांकि, सभी एयरपोर्ट्स पर सिक्योरिटी बढ़ाई गई है। लगातार मिल रही धमकियों के बीच केंद्र ने बुधवार को फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या को दोगुना करने का फैसला किया है। ये विमान में सादे कपड़े में रहेंगे। इसके अलावा गृह मंत्रालय ने एविएशन मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी है।

एयरलाइंस को धमकी भरे मैसेज भेजने के मामले में बुधवार को एविएशन मिनिस्ट्री ने संसदीय समिति को जवाब दिया। मिनिस्ट्री ने कहा कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और एक्शन लिया जा रहा है। साथ ही कहा कि और ज्यादा जानकारी इकट्ठा की जा रही है और ऐसे कई मामलों पर कदम उठाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सभी साइबर यूनिट्स को धमकी देने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स को ट्रैक करने का निर्देश दिया गया है। इनमें से ज्यादातर अकाउंट विदेश से चल रहे हैं।

मंगलवार को 7 फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। धमकी मिलने वाली फ्लाइट्स में एअर इंडिया की दिल्ली से शिकागो जाने वाला विमान भी शामिल था। इसके बाद उसे कनाडा डायवर्ट कर दिया गया।

प्लेन को कनाडा के इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया। यहां यात्रियों और उसमें मौजूद सामान की जांच की गई थी। दिनभर में 7 फ्लाइट्स को धमकी मिलने की वजह से सिक्योरिटी एजेंसियों ने कई एयरपोर्ट्स पर काउंटर टेररिस्ट ड्रिल किए थे।

जांच में पता चला है कि सभी धमकियां एक ही शख्स की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भेजी गई थीं। हालांकि, बाद में ये धमकियां झूठी निकलीं।

सलमान के घर फायरिंग मामले में शूटर गिरफ्तार

लॉरेंस गैंग का गुर्गा, होटल में छिपा था पहचान छुपाने के लिए दाढ़ी-बाल बढ़ाए

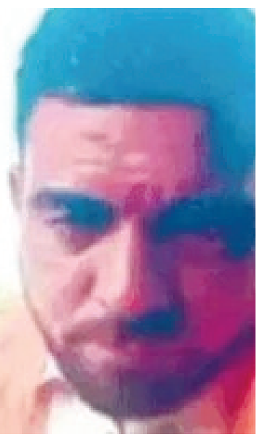

पानीपत, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत से लॉरेंस गैंग का शूटर सुक्खा पकड़ा गया। उसे पकड़ने के लिए नवी मुंबई की पनवेल सिटी पुलिस और पानीपत पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन चलाया। वह होटल में छिपा हुआ था। उसने अपनी पहचान छुपाने के लिए दाढ़ी के साथ बाल बढ़ाए हुए थे।

पुलिस की शुरुआती पूछताछ में शूटर ने बताया कि वह लॉरेंस गैंग से काफी समय से जुड़ा हुआ है। जांच में यह भी सामने आया कि कई गांव में यह नेटवर्क फैला हुआ है, जिसमें कई लड़के शामिल हैं।

पानीपत के सेक्टर 29 थाना के प्रभारी सुभाष चंद ने बताया कि करीब 10:30 बजे मुंबई पुलिस थाने में पहुंची थी। जहां पुलिस ने बताया कि लॉरेंस गैंग का शूटर जो मुंबई पुलिस का वांटेड है, थाना एरिया के एक होटल में छिपा हुआ है। शूटर को पकड़ने के लिए लोकल पुलिस की मदद चाहिए। इसके बाद मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाया गया।

अधिकारियों के दिशा निर्देश पर पानीपत पुलिस और मुंबई पुलिस की जॉइंट टीम ने नई अनाज मंडी कट के पास स्थित एक निजी होटल में दबिश दी। जहां रिसेप्शन पर पूछताछ की तो उसने शूटर के शाम से होटल में ठहरने के बारे में पुष्टि की।

पुलिस जब होटल के कमरे में पहुंची तो शूटर पूरी तरह नशे में धुत था। पहली बार देखने पर पुलिस रिकॉर्ड में फोटो से शूटर का मिलान नहीं हुआ था, लेकिन दस्तावेजों की जांच में उसकी पहचान की गई।

मैरिटल रेप पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

सीजेआई बोले- कानून के मुताबिक पत्नी के साथ एनल सेक्स रेप नहीं, याचिकाकर्ता ने कहा- इसी को चुनौती

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने से जुड़ी याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई कर रहा है। याचिकाओं में कहा गया है कि क्या किसी व्यक्ति को अपनी पत्नी को संबंध बनाने के लिए मजबूर करने के लिए कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। मामले की सुनवाई सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच कर रही है। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा- अपवाद 2 कहता है कि पत्नी के साथ एनल सेक्स रेप नहीं है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, हम इसी को चुनौती दे रहे हैं।

मैरिटल रेप का मामला सुप्रीम कोर्ट कैसे पहुंचा

मैरिटल रेप को लेकर नए कानून बनाने की मांग काफी समय से हो रही थी। पिछले दो सालों में दिल्ली हाईकोर्ट और कर्नाटक हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद इसकी मांग और तेज हो गई। सुप्रीम कोर्ट में दो मुख्य याचिकाएं हैं, जिन पर सुनवाई हो रही है। एक याचिका पति की तरफ से लगाई गई, तो दूसरी अन्य मामले में एक महिला ने याचिका दायर की थी।

दिल्ली हाईकोर्ट का मामला: साल 2022 में एक महिला ने पति द्वारा जबरन शारीरिक संबंध बनाने पर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई। 11 मई 2022 को दिल्ली हाईकोर्ट के 2 जजों ने अलग-अलग फैसला दिया था। जस्टिस राजीव शकधर ने वैवाहिक बलात्कार के अपवाद को रद्द करने का समर्थन किया था। वहीं, जस्टिस सी हरि शंकर ने कहा कि पति को मिली छूट असंवैधानिक नहीं है और एक समझदार अंतर पर आधारित है।

कर्नाटक हाईकोर्ट का मामला: कर्नाटक हाईकोर्ट में एक पति ने पत्नी की तरफ से लगाए रेप के आरोपों पर हाईकोर्ट का रुख किया था। 23 मार्च 2023 को कर्नाटक हाईकोर्ट ने पति पर लगाए गए रेप के आरोपों को समाप्त करने से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट ने इस मामले में अपवाद को मानने से इनकार कर दिया। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस एम नागप्रसन्ना की सिंगल बेंच ने इस मामले में कहा था कि तथ्यों के आधार पर इस तरह के यौन हमले/दुष्कर्म के लिए पति को पूरी छूट नहीं दी जा सकती है।

पाकिस्तान से फाजिल्का भेजा गया लोडेड आईडी बम

ड्रोन के जरिए डिलीवरी, बैटरियां और टाइमर भी बरामद; स्टेट स्पेशल सेल की जांच जारी

फाजिल्का, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। फाजिल्का के भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र में ड्रोन के जरिए भेजा गया आईईडी बम बरामद हुआ है। RDX से भरी इस खेप में बम के साथ बैटरियां और टाइमर भी हैं। बम जब बीएसएफ को मिला तो उसे बरामद करने के बाद स्टेट स्पेशल सेल को सौंप दिया गया है।

इसके बाद वे मामले की जांच कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार फाजिल्का के अबोहर सेक्टर के भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र बहादुर के पास ड्रोन की मूवमेंट देखी गई। इसकी जानकारी बीएसएफ को मिली तो बीएसएफ ने जब इलाके की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान इलाके से एक आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) बम बरामद हुआ है। दरअसल एक टिन का डिब्बा मिला है जिसमें करीब एक किलो आरडीएक्स भरा हुआ है। जिसके साथ बैटरियां और टाइमर भी हैं। बीएसएफ द्वारा इसकी बरामदगी के बाद इसे फाजिल्का के स्टेट स्पेशल सेल थाने को सौंप दिया गया है। वे मामले की आगे की जांच कर रहे हैं कि आखिर यह बम पाकिस्तान से भारत क्यों भेजा गया था।

हरियाणा की कंपनी ने दिवाली गिफ्ट में बांटी कारें

15 कर्मचारियों को मिली गाड़ियां; कंपनी के मालिक बोले- अच्छा काम करने को मोटिवेट होंगे

पंचूकला, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में पंचकूला की एक फार्मा कंपनी ने अपने कर्मचारियों को दिवाली का बड़ा गिफ्ट दिया है। कंपनी ने 15 कर्मचारियों को कारें गिफ्ट की हैं। ये कर्मचारी कंपनी के स्टार परफॉर्मर ऑफ द ईयर की लिस्ट में शामिल थे। इस फार्मा कंपनी ने पिछले साल भी अपने इम्प्लॉइज को दिवाली पर कारें गिफ्ट की थी। कंपनी के मालिक एनके भाटिया का कहना है कि अच्छा परफॉर्म करने वाले कर्मचारियों को बड़े तोहफे देते हैं। इससे सभी को मोटिवेशन मिलता है। गिफ्ट पाने वाले इम्प्लॉइज और अच्छे से काम करेंगे तो उन्हें देखकर दूसरे कर्मचारियों को भी बेहतर काम करने की प्रेरणा मिलती है।

फार्मा कंपनी के मालिक एनके भाटिया ने बताया कि उन्होंने 14 अक्टूबर को अपने 15 इम्प्लॉइज को कार गिफ्ट की हैं। इनमें टाटा पंच और मारुति की ग्रेंड विटारा गाड़ियां शामिल हैं। इन गाड़ियों की ऑनरशिप तो कंपनी के पास ही रहेगी लेकिन इन्हें चलाएंगे कर्मचारी।

भाटिया का कहना है कि गाड़ियों के साथ कंपनी अपने कर्मचारियों को फ्यूल देती है। ऑफिशियल काम में इस्तेमाल हुए पूरे फ्यूल का खर्चा कंपनी ही उठाती है। पर्सनल यूज के लिए इस्तेमाल करने पर तेल का खर्चा खुद कर्मचारी को उठाना होगा। कर्मचारी अपनी मर्जी से गाड़ी कहीं भी लेकर जा सकता है।

एनके भाटिया ने बताया कि कंपनी ने पिछले साल से ही अपने टॉप इम्प्लॉइज को कार गिफ्ट करना शुरू किया। पिछले साल दिवाली के मौके पर 12 कर्मचारियों को गाड़ियां दी गई थीं। पिछले साल गाड़ियां पाने वाले इम्प्लॉइज यदि इस साल भी अच्छा काम करते हैं तो उनकी गाड़ियां अपग्रेड करने की योजना है।

देवभूमि में 'थूक जिहाद' पर सीएम धामी सख्त

उत्तराखंड पुलिस के बाद अब एफडीए ने भी कसा शिकंजा

देहरादून, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। देहरादून व मसूरी में एक के बाद एक प्रकाश में आई 'थूक जिहाद' की घटनाओं को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बेहद गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री के सख्ती के स्पष्ट निर्देशों के क्रम में उत्तराखंड पुलिस के बाद एफडीए की ओर से भी इस संबंध में विस्तृत गाइड लाइन जारी कर दी गई है। मुख्यमंत्री का स्पष्ट संदेश है कि देवभूमि में इस तरह के कृत्य करने वालों को बक्शा नहीं जाएगा।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले देहरादून में इनामुल्ला बिल्डिंग स्थित एक रेस्टॉरेंट का वीडियो तेजी से वायरल हुआ था जिसमें होटल में खाना बनाने वाला व्यक्ति खाने में थूकता हुआ स्पष्ट रूप से नजर आ रहा था। इसके अगले ही दिन इस तरह की एक और घटना पहाड़ों की रानी मसूरी से प्रकाश में आई जहां मुख्य मार्केट में एक व्यक्ति चाय में थूक रहा था। इन दोनों ही मामलों में पुलिस ने कार्रवाई की थी। इन दोनों ही घटनाओं को प्रदेश के मुखिया ने बेहद गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री का स्पष्ट संदेश रहा है कि इस तरह के कुकृत्य कर लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला चाहे वह किसी भी धर्म व जाति से हो उसे किसी भी सूरत में बक्शा नहीं जाए। मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों के क्रम में उत्तराखंड पुलिस के महानिदेशक ने समस्त एसएसपी और जनपदों को निर्देश दिए कि वे होटल ढाबों एवं अन्य व्यावसायिक स्थानों में कार्यरत कर्मचारियों का शत प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करने के साथ ही ऐसे स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने सुनिश्चित करें। इन गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए उत्तराखंड पुलिस एक्ट की धारा 274 बीएनएस और धारा 81 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया जाए। इसके अलावा, यदि इस प्रकार की घटनाओं से धार्मिक, मूलवंशीय या भाषायी भावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है तो धारा 196(1) के अंतर्गत भी सख्त कार्रवाई की जाए। इधर, उत्तराखंड पुलिस के एक्शन के बाद इस मामले में एफडीए ने भी सख्ती शुरू करते हुए बकायदा खाद्य पदार्थों में थूक या गंदगी मिलाने की घटना करने वालों को लेकर गाइड लाइन जारी कर दी है। जिसके तहत दोषियों पर 25 हजार से 1 लाख रूपए तक का जुर्माना की कार्रवाई के साथ ही खाद्य कारोबारियों को अपने कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से पहनाना होगा फोटोयुक्त पहचान पत्र, कैमरे इत्यादि लगाने होंगे।

बिना ओटीपी के ही अकाउंट से निकाल लेते थे पैसा

डिजिटल अरेस्ट की ट्रेनिंग के लिए पीपीटी बना रखी थी, ताइवान से ऑपरेट हो रहा था रैकेट

अहमदाबाद, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश भर में 'डिजिटल अरेस्ट' रैकेट चलाने वाले नेटवर्क का पर्दाफाश कर अहमदाबाद पुलिस ने सोमवार को 17 लोगों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों में 14 भारतीय और 4 ताइवानी नागरिक शामिल हैं। इनसे पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं। गैंग ने ठगी के करीब 5 हजार करोड़ रुपए चीन व ताइवान भेजे हैं।

गैंग ठगी के लिए गेमिंग ऐप, शेयर बाजार इन्वेस्टमेंट और डिजिटल अरेस्ट जैसी तरकीबें अपनाता है। आरोपियों में 4 ताइवानी नागरिक हैं, बाकी 13 अहमदाबाद-वडोदरा सहित गुजरात के हैं। देश में इस गैंग के पर करीब 450 केस दर्ज हैं।

क्राइम ब्रांच की जांच में खुलासा हुआ है कि पूरे कांड के मास्टरमाइंड 4 ताइवानी नागरिक हैं। ये आरोपी ताइवान में बैठकर बिना ओटीपी के ही बैंक खातों से पैसे निकाल लेते थे।

आरोपियों के पास से एक पीपीटी भी बरामद हुई है, जिसमें बताया गया है कि काम कैसे करना है। जांच में यह भी पता चला है कि दक्षिण एशियाई देश में ऐसे 50 से ज्यादा गिरोह सक्रिय हैं, जो अलग-अलग साइबर क्राइम को अंजाम दे रहे हैं।

ताइवानी नागरिकों को इस तरह किया गिरफ्तार

हाल ही में अहमदाबाद के एक वरिष्ठ नागरिक से डिजिटल गिरफ्तारी के नाम पर 80 लाख की ठगी की गई थी। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच में मामला दर्ज किया गया था। इस अपराध में साइबर क्राइम ने सबसे पहले तकनीकी विश्लेषण के आधार पर गुजरात समेत देश के अलग-अलग राज्यों से कुल 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पाकिस्तान जिंदाबाद कहने वाले को हाईकोर्ट ने जमानत दी

शर्त रखी- तिरंगे को सलामी और भारत माता की जय कहना होगा

जबलपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान जिंदाबाद कहकर भारत के खिलाफ नारे लगाने के आरोपी को हाईकोर्ट की जबलपुर बेंच ने सशर्त जमानत दे दी है। कोर्ट ने आरोपी फैसल खान उर्फ फैजान (28) को इस शर्त पर जमानत दी है कि उसे केस खत्म होने तक हर महीने के पहले और चौथे मंगलवार को भोपाल के मिसरोद थाने में हाजिरी लगानी होगी। वहां लगे तिरंगे के सामने खड़े होकर 21 बार सलामी देनी होगी। भारत माता की जय का नारा भी लगाना होगा। हाईकोर्ट के जस्टिस दिनेश कुमार पालीवाल ने फैसल को 50 हजार रुपए के बॉन्ड के साथ जमानत दी है। ये भी शर्त रखी है कि उसे सुबह 10 से 12 बजे के बीच ही थाने पहुंचना होगा।

कच्छ की कंपनी में दम घुटने से 5 की मौत

ड्रेनेज सिस्टम चेक करते समय सुपरवाइजर वाटर टैंक में गिरा, बचाने चार कूदे

कंपनी में दम घुटने शिवपुरी के आशीष की मौत

कच्छ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। कच्छ के कांडला स्थित इमामी एग्रो टेक कंपनी में सफाई के दौरान दम घुटने से सुपरवाइजर समेत चार मजदूरों की मौत हो गई। पांचों मृतक अन्य राज्यों के हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर पांचों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए रामबाग सरकारी अस्पताल भेज दिया है। कंपनी से मिली जानकारी के मुताबिक, मंगलवार की आधी रात सुपरवाइजर सिद्धार्थ तिवारी पानी की टंकी का ड्रेनेज सिस्टम चेक कर रहे थे। इसी दौरान पैर फिसलने से वे टैंक में जा गिरे। उनकी चीख-पुकार सुनकर चार मजदूर टैंक में उतरे, लेकिन बाहर नहीं निकल सके। दम घुटने से पांचों की टैंक में ही मौत हो गई। कंपनी के एचआर सुनील यादव ने भास्कर से हुई बातचीत में कहा कि मौके पर मौजूद अन्य कर्मचारियों ने इन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन वे नाकाम रहे।

रोहतक में नवीन जयहिंद नजरबंद

हरियाणा सीएम के शपथ ग्रहण से पहले पहुंची पुलिस, उठाया था युवाओं को नौकरी का मुद्दा

रोहतक, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के शपथ ग्रहण समारोह से पहले ही रोहतक के सेक्टर-6 स्थित तंबू में जयहिंद सेना के प्रमुख नवीन जयहिंद को पुलिस ने नजरबंद कर दिया। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर स्थानीय पुलिस नवीन जयहिंद के तंबू में पहुंची, क्योंकि नवीन जयहिंद ने कहा था कि शपथ से पहले 25 हजार युवाओं को नौकरी (ज्वाइनिंग लेटर) दें, अन्यथा शपथ नहीं लेने दी जाएगी।

सुविचार
यह आँखें प्रभु का विशेष उपहार हैं, इनके द्वारा दूसरों को प्रेम, शान्ति व खुशी का दान करो

ग्रुप-1 की मुख्य परीक्षा की व्यवस्थाएं पूरी : शांति कुमारी

मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि इस महीने की 21 से 27 तारीख तक आयोजित होने वाली ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं। मुख्य सचिव ने ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा के आयोजन पर जिला कलेक्टरों, पुलिस आयुक्तों और संबंधित अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की।

तेलंगाना लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र रेड्डी और अन्य सदस्यों ने अपने कार्यालय से भाग लिया, जबकि डीजीपी जितेंद्र, टीजीपीएससी सचिव नवीन निकोलस, एसपीडीसीएल के एमडी मुशर्रफ अली, परिवार कल्याण विभाग के आयुक्त कर्णन, हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेडचल मलकाजीगिरी के जिला कलेक्टर अनुदीप, शशांक, गौतम और अन्य अधिकारी मौजूद थे। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल मलकाजीगिरी जिलों के 46 परीक्षा केंद्रों में 31,383 उम्मीदवार ग्रुप-1 मुख्य परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी केंद्रों पर किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा प्रदान की गई है। जिला कलेक्टर इन परीक्षाओं के संचालन की सीधे निगरानी करेंगे और संबंधित पुलिस आयुक्त भी उचित व्यवस्था करेंगे।

टीजीपीएससी के अध्यक्ष डॉ. एम महेंद्र रेड्डी ने कहा कि ग्रुप-1 मुख्य परीक्षाएं 13 वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित की जा रही हैं, पिछली बार मुख्य परीक्षाएं 2011 में आयोजित की गई थीं। उन्होंने अधिकारियों को इन परीक्षाओं के संचालन में हर पहलू में अपने कर्तव्यों का बहुत सावधानी से पालन करने की सलाह दी। महेंद्र रेड्डी ने कहा कि मौजूदा स्थिति में जहां सोशल मीडिया सक्रिय है, परीक्षाओं का संचालन भी चुनौतीपूर्ण है और इस संदर्भ में किसी भी गलत धारणा और अफवाहों से बचने के लिए उचित सावधानी बरती जानी चाहिए। डीजीपी जितेंद्र ने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर व्यापक व्यवस्था की गई है जहां ग्रुप-1 आयोजित किया जाएगा और परीक्षाओं के शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय किए गए हैं। टीजीपीएससी सचिव नवीन निकोलस ने कहा कि हर परीक्षा हॉल, मुख्य अधीक्षक के कमरे और आसपास के इलाकों में सीसीटीवी लगाए गए हैं और टीजीपीएससी कार्यालय में स्थापित नियंत्रण कक्ष के माध्यम से उनकी निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की बायोमेट्रिक उपस्थिति लेने के लिए विशेष कर्मचारी तैनात किए गए हैं और उम्मीदवारों को दोपहर डेढ़ बजे के बाद परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा।

अब तक 85 प्रतिशत उम्मीदवारों ने अपने हॉल टिकट डाउनलोड कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि विकलांगों के लिए विशेष रूप से एक अतिरिक्त घंटा आवंटित किया गया है। जिन उम्मीदवारों को परीक्षा लिखने के लिए सहायकों (लेखक) की आवश्यकता है, उन्हें विशेष रूप से उन उम्मीदवारों के हॉल टिकट पर उल्लेख करने के लिए कहा गया है और उनके लिए 4 केंद्र बनाए गए हैं।

परिवार कल्याण विभाग के आयुक्त कर्णन ने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर विशेष चिकित्सा शिविर की व्यवस्था की गई है। एसपीडीसीएल के एमडी मुशर्रफ अली ने कहा कि निरंतर बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए कदम उठाए गए हैं और तीन सीई इसकी निगरानी करेंगे। आरटीसी अधिकारियों ने कहा कि विशेष आरटीसी बसों की व्यवस्था की गई है।

अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग एमएसपी क्यों?

एक ही फसल के लिए हरीश ने केंद्र से पूछे सवाल

कपास किसानों को नहीं मिल रहा उचित मूल्य

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अलग-अलग राज्यों में एक ही फसल के लिए अलग-अलग एमएसपी तय करने के पीछे के औचित्य पर सवाल उठाते हुए बीआरएस नेता टी हरीश राव ने कपास के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मामले में केंद्र सरकार के असंगत रवैये पर चिंता जताई। खास तौर पर अलग-अलग राज्यों में उगाए जाने वाले कपास के लिए एमएसपी में असमानता को उजागर करते हुए उन्होंने बताया कि तेलंगाना में कपास किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल रहा है।

राव ने केंद्र से जानना चाहा कि गुजरात में कपास के लिए एमएसपी देश के बाकी हिस्सों से अलग क्यों है? उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा 'एक राष्ट्र, एक कर', 'एक राष्ट्र, एक चुनाव', 'एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड' और 'एक राष्ट्र, एक बाजार' जैसी समान नीतियों के लिए जोर दिए जाने पर जोर दिया और पूछा कि कपास के लिए एमएसपी पर समान सिद्धांत क्यों लागू नहीं किया जाता है? उन्होंने बताया कि गुजरात में कपास के लिए 8,257 रुपये प्रति क्विंटल का एमएसपी दिया गया, जबकि तेलंगाना में यह केवल 7,521 रुपये प्रति क्विंटल है। उन्होंने पूरे देश में कपास के लिए एक समान एमएसपी की मांग की और एक सुसंगत और निष्पक्ष एमएसपी नीति पर जोर दिया जो सभी राज्यों के किसानों के लिए समान व्यवहार सुनिश्चित करती है।

सीपी ने महर्षि वाल्मिकी का पुण्य स्मरण किया

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। संपूर्ण मानवता को भगवान राम का दिव्य इतिहास देने वाले महापुरुष महर्षि वाल्मिकी की जयंती पर स्मरण करते हुए राचकोंडा कमिश्नर सुधीर बाबू ने सभी लोगों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कमिश्नर ने महर्षि वाल्मिकी के चित्र पर फूल-मालाओं से अलंकरण किया और उन्हें भगवान राम के दिव्य इतिहास को रामायण महाकाव्य में बदल कर राष्ट्र को सही मार्ग दिखाने वाला महापुरुष बता कर उनकी सराहना की। इस कार्यक्रम में एडमिन डीसीपी इंदिरा और अन्य स्टाफ ने हिस्सा लिया।

कृष्णा मदिगा ने अनुसूचित जाति वर्गीकरण में देरी के लिए सीएम रेवंत पर निशाना साधा

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एमआरपीएस के संस्थापक अध्यक्ष मंदा कृष्ण मदिगा ने आज अनुसूचित जाति वर्गीकरण के कार्यान्वियन में देरी के लिए सीएम रेवंत रेड्डी पर निशाना साधा। आज यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि वर्गीकरण के मामले में समितियों और आयोगों के नाम पर अनुसूचित जाति वर्गीकरण को पूरा करने में देरी की जा रही है और कहा कि आगामी दिसंबर तक बिना वर्गीकरण के नौकरी देने का काम पूरा करने के लिए देरी की जा रही है। उन्होंने याद दिलाया कि सीएम ने कहा था कि वह वर्गीकरण प्रक्रिया को पूरा करेंगे और राज्य को इस मुद्दे पर देश में नंबर एक बना देंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि मदीगाओं के प्रति रेवंत के शब्दों में मिठास भरी बातें थीं। उन्होंने मदिगा और उपजातियों से एक और आंदोलन के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने चेतावनी दी, सीएम रेवंत रेड्डी को मदिगा के विरोध का सामना करना चाहिए था। उन्होंने कहा, मदिगा लोग राज्य भर में गांव स्तर से लेकर राज्य स्तर तक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। 4 से 14 नवंबर तक मदिगा धर्म युद्ध दीक्षा आयोजित की जाएगी। 16 नवंबर से 20 दिसंबर तक कोडडा में मदिगाला धर्मयुद्ध रथ यात्रा शुरू होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि सीएम के पद से इस्तीफे की मांग को लेकर बड़े पैमाने पर आंदोलन होंगे।

ग्रामीण लड़कियों को दान में मिला लैपटॉप

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रिटेन स्थित कंपनी की भारतीय शाखा, हैदराबाद स्थित प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी क्लारानेट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (जो माय होम ट्विटजा रायदुर्ग में स्थित है) ने पीयूआरई (पीपुल फॉर अर्बन एंड रूरल एजुकेशन) एनजीओ को 32 लाख रुपये मूल्य के 25 उच्च-स्तरीय कम इस्तेमाल किए गए लैपटॉप दान किए। 25 लैपटॉप में 10 आई-5 डेल लैटीट्यूड 3420, तीन आई-7 डेल लैटीट्यूड 3420 और छह लेनोवो थिंकपैड शामिल हैं। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये लैपटॉप लगभग नए हैं।

रेलवे टिकट की एडवांस बुकिंग अब 2 महीने पहले होगी

> अभी यात्रा से 4 महीने पहले शुरू होती है > नए नियम 1 नवंबर से लागू होंग

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे ने एडवांस टिकट बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। पहले टिकट बुकिंग यात्रा से 120 दिन पहले शुरू होती थी, अब इसे घटाकर 60 दिन कर दिया है। नया फैसला 1 नवंबर 2024 से लागू होगा।

हालांकि, एडवांस ट्रेन टिकट बुकिंग के नए नियमों का पहले से बुक किए गए टिकटों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अभी टिकट बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट, ऐप और रेलवे के बुकिंग काउंटर्स से होती है। आईआरसीटीसी से हर दिन 12.38 लाख टिकट बुक होते हैं।

2015 में रेलवे ने एडवांस रिजर्वेशन पीरियड बढ़ाया था :

1 अप्रैल, 2015 तक एडवांस रिजर्वेशन पीरियड 60 दिन था। सरकार ने तब बुकिंग अवधि को 120 दिन करने पर तर्क दिया था कि अवधि आगे बढ़ाने से दलाल हतोत्साहित होंगे, क्योंकि इसमें ज्यादा कैंसिलेशन चार्ज देना होगा। हालांकि, तब कई लोगों ने तर्क दिया था कि रिजर्वेशन पीरियड को आगे बढ़ाने का रेलवे का उद्देश्य अतिरिक्त 60 दिनों के लिए ब्याज के साथ-साथ कैंसिलेशन की ज्यादा संख्या के माध्यम से एडिशनल रेवेन्यू कमाना है।

आईआरसीटीसी की ब्याज और कैंसिलेशन से कमाई कम होगी

एडवांस रिजर्वेशन पीरियड कम होने से आईआरसीटीसी की ब्याज और कैंसिलेशन से कमाई कम होगी। इसका असर उसके शेयर पर भी दिख रहा है। कंपनी का शेयर करीब 2.5 प्रतिशत नीचे 870 रुपये पर बंद हुआ है। एक महीने में शेयर 6 प्रतिशत टूटा है। कंपनी का मार्केट कैप करीब 70 हजार करोड़ रुपये है।

रेलवे की वेटिंग लिस्ट को खत्म करने की भी योजना :

आईआरसीटीसी ने हाल ही में कई बदलाव किए हैं, जिसमें ट्रेनों में अगले पांच से छह वर्षों के भीतर वेटिंग लिस्ट की लंबे समय से चली आ रही समस्या को खत्म करने की योजना भी शामिल है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर यात्री को एक कन्फर्म बर्थ मिले।

एक रेलवे सुपर ऐप लॉन्च करने की भी योजना है, जिसमें यात्री टिकट बुकिंग से लेकर यात्रा की योजना बनाने जैसी सर्विसेज होंगी। रेलवे की योजना एआई इनेबल्ड कैमरा लगाने भी है। इससे फूड क्वालिटी की मॉनिटरिंग के साथ ट्रेन ऑक्यूपेंसी पर भी नजर रखी जाएगी।

1999 में भारतीय रेलवे में शामिल हुई थी आईआरसीटीसी

इंडियन रेलवे कैटरिंग एवं टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) भारत सरकार के रेल मंत्रालय के अंतर्गत एक 'मिनी रत्न (श्रेणी-I)' सेंट्रल पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज है। आईआरसीटीसी को 27 सितंबर 1999 को भारतीय रेलवे की एक शाखा के रूप में शामिल किया गया था। इसका उद्देश्य स्टेशनों, ट्रेनों और अन्य स्थानों पर कैटरिंग और हॉस्पिटैलिटी को मैनेज करना है। इसके साथ ही बजट होटल्स, स्पेशल टूर पैकेज, इन्फॉर्मेशन एंड कॉमर्शियल पब्लिसिटी और ग्लोबल रिजर्वेशन सिस्टम के डेवलपमेंट के माध्यम से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देना है।

जन जागरूकता अभियान के साथ स्वच्छता पखवाड़ा का समापन

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद मंडल ने 1 अक्टूबर 2024 से 15 अक्टूबर 2024 तक रेलवे परिसर और ट्रेनों की सफाई पर बड़े पैमाने पर जन जागरूकता अभियान 'स्वच्छता पखवाड़ा-2024' चलाया है।

कार्यक्रम के हिस्से के रूप में सिकंदराबाद मंडल ने दिनवार कई गतिविधियां आयोजित कीं, जैसे 1 अक्टूबर 2024 को सामूहिक स्वच्छता शपथ और स्वच्छ जागरूकता, 2 अक्टूबर 2024 को महात्मा गांधी जयंती और स्वच्छ भारत दिवस का उत्सव, 3 अक्टूबर 2024 को प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छ स्टेशन (स्वच्छ स्टेशन), 4 अक्टूबर 2024 और 5 अक्टूबर 2024 को रेलगाड़ी (स्वच्छ ट्रेनें), 7 अक्टूबर 2024 को स्वच्छ पत्री (स्वच्छ पटरियां), 8 अक्टूबर 2024 को स्वच्छ परिसर (स्वच्छ कार्यस्थल और स्वच्छ आवासीय परिसर), 9 अक्टूबर 2024 और 10 अक्टूबर 2024 को स्वच्छ आहार (स्वच्छ भोजन), 11 अक्टूबर 2024 को स्वच्छ नीर (स्वच्छ जल), 12 अक्टूबर 2024 को स्वच्छ पोषण और स्वच्छ पर्यावरण, 13 अक्टूबर 2024 को स्वच्छ प्रतियोगिता, 14 अक्टूबर 2024 को सिंगल यूज प्लास्टिक का निषेध और 15 अक्टूबर 2024 को सामाजिक सेवा संगठनों, रेल यात्रियों और रेलवे अधिकारियों के समन्वय और भागीदारी में रेलवे परिसर में समीक्षा/ब्रीफिंग और स्वच्छ जागरूकता रैली के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इससे पहले, मंडल ने 17 सितंबर, 2024 से 2 अक्टूबर, 2024 तक स्वच्छता ही सेवा 2024 कार्यक्रम का आयोजन किया है।

सभी शाखा अधिकारी और कर्मचारी 687 स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों को पूरा करके इस कार्यक्रम में शामिल हुए, स्वच्छता में जनभागीदारी के 496 कार्यक्रम जिनमें श्रमदान, स्वच्छता शपथ, एक पेड़ माँ के नाम, मानव श्रृंखला, स्वच्छ फूड स्ट्रीट, स्वच्छता चौपाल, डोर टू डोर जागरूकता, वॉकथॉन, सार्वजनिक कार्यशालाएं, यूथ कनेक्ट, वेस्ट टू आर्ट, सेल्फी पॉइंट और नुक्कड़ नाटक शामिल हैं और 2 अक्टूबर 2024 को सफाई मित्र सुरक्षा शिविर के 23 कार्यक्रम आयोजित किए गए और सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया। पखवाड़े के दौरान सभी रेलवे परिसरों में सफाई में दृश्यमान और ठोस सुधार सुनिश्चित करने के प्रयास किए गए। रेलवे परिसर में 'कूड़ा-कचरा फैलाने पर जुर्माना' के बारे में रेल उपयोगकर्ताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए गए तथा रेलवे परिसर को साफ-सुथरा और स्वच्छ बनाए रखने के लिए रेलवे द्वारा अथक प्रयास किए गए। भरतेश कुमार जैन, डीआरएम ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों की सराहना की तथा स्वस्थ और बेहतर भारत के लिए पूरे वर्ष स्वच्छ और हरित वातावरण बनाए रखने में इसी गति को जारी रखने की सलाह दी।

केटीआर ने ग्रुप-I उम्मीदवारों से की मुलाकात

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने ग्रुप-I मुख्य परीक्षा के उम्मीदवारों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी पार्टी उनके साथ खड़ी है। गुरुवार को राज्य सरकार से उनकी परीक्षाओं को पुनर्निर्धारित करने के उनके अनुरोध पर सकारात्मक रूप से विचार करने का आह्वान किया। उन्होंने सवाल उठाया कि अभ्यर्थियों द्वारा परीक्षाएं पुनर्निर्धारित करने के अनुरोध के बावजूद सरकार क्यों अड़ियल रवैया अपना रही है?

उन्होंने अशोक नगर में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों की गिरफ्तारी की निंदा की और उनकी तत्काल रिहाई तथा उनके खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने की मांग की। रामा राव ने ग्रुप-1 मेन्स के उम्मीदवारों से तेलंगाना भवन में मुलाकात की, उनके समर्थन की अपील के बाद उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि बीआरएस पार्टी उनके साथ खड़ी रहेगी और उन्हें आवश्यक कानूनी सहायता प्रदान करेगी।

अपर कलेक्टर ने महर्षि वाल्मिकी को श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी एकीकृत जिला कार्यालय परिसर में गुरुवार को जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अंतर्गत वाल्मिकी जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर कलेक्टर प्रतिमा सिंह एवं ज्योति प्रज्वलना थीं। इस अवसर पर महर्षि वाल्मिकी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर जिला अपर समाहर्ता ने कहा कि जब तक रामायण है, तब तक वाल्मिकी का इतिहास रहेगा। महाकाव्यों में पहला है रामायण, ऐसी रामायण बोया जाति द्वारा लिखी गई थी। उन्होंने कहा कि महाकाव्य के अंशों को बच्चों को इस तरह से बताया जाना चाहिए कि वे समझ सकें। ऐसे ही महान लोगों का इतिहास जिसके बारे में जानना आज की पीढ़ी के लिए बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में जिला राजस्व अधिकारी संगीता, ए.ओ सुनील नैथानी, बीसी कल्याण उप निदेशक डी. केसुराम, तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष बोया लक्ष्मण, समुदाय के नेता, कर्मचारी और अन्य भाग लिया।

फीस प्रतिपूर्ति बकाया को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजी डिग्री और पीजी कॉलेजों के बाद, निजी फार्मेसी कॉलेजों ने भी कांग्रेस सरकार से फीस प्रतिपूर्ति बकाया के मुद्दे पर सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान किया है। तेलंगाना निजी फार्मेसी कॉलेज प्रबंधन संघ ने अपने अध्यक्ष टी जयपाल रेड्डी और सचिव पुल्ला रमेश बाबू द्वारा यहां बुलाई गई बैठक के दौरान यह निर्णय लिया। फार्मेसी कॉलेज पहले ही फीस बकाया जारी करने में अत्यधिक देरी के विरोध में कक्षाओं का बहिष्कार कर चुके हैं। राज्य में 122 फार्मेसी कॉलेजों द्वारा संचालित फार्मेसी कार्यक्रमों के लिए सरकार हर साल 150 करोड़ रुपये फीस प्रतिपूर्ति के रूप में आवंटित करती है।

हालांकि, एसोसिएशन ने कहा कि कॉलेजों को पिछले तीन शैक्षणिक वर्षों से 500 करोड़ रुपये की फीस प्रतिपूर्ति बकाया राशि नहीं दी गई है। एसोसिएशन के मानद अध्यक्ष राम दास ने कहा कि सरकार द्वारा बकाया फीस जारी न किए जाने के कारण कॉलेज पिछले पांच महीनों से कर्मचारियों को वेतन नहीं दे पा रहे हैं। हमने कई मौकों पर मुख्यमंत्री और मंत्रियों को ज्ञापन सौंपे हैं, लेकिन हर बार यही कहा गया है कि इस मुद्दे पर ध्यान दिया जाएगा, लेकिन अब हमें सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। हम चाहते हैं कि सरकार तुरंत बकाया फीस जारी करे। इस बीच, चार दिनों के विरोध प्रदर्शन के बाद तेलंगाना प्राइवेट डिग्री और पीजी कॉलेज प्रबंधन एसोसिएशन (टीपीडीएमए) ने गुरुवार को सरकार से बकाया शुल्क जारी करने का आश्वासन मिलने के बाद हड़ताल वापस ले ली।

तेलंगाना पुलिस ड्यूटी मीट के पहले दिन हुए कई कार्यक्रम

सिटी पुलिस शीर्ष प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरी

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस ड्यूटी मीट 2024 में पहले दिन का दिन रोमांचकारी और एक्शन से भरपूर रहा, जहां राज्य की विभिन्न पुलिस इकाइयों के अधिकारियों ने विभिन्न कानून प्रवर्तन क्षेत्रों जैसे कि जांच में वैज्ञानिक सहायता, तोड़फोड़ विरोधी जांच, कंप्यूटर जागरूकता, डॉग स्क्वाड और पुलिस वीडियोग्राफी में अपनी तत्परता का परीक्षण करने के उद्देश्य से कई प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों में असाधारण कौशल और व्यावसायिकता का प्रदर्शन किया। दिन की शुरूआत 154 प्रतिभागियों ने उपरोक्त विषयों के तहत 6 अलग-अलग कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेकर अपनी सहनशक्ति और चपलता का प्रदर्शन किया। इन कार्यक्रमों में लिखित, वस्तुनिष्ठ और व्यावहारिक परीक्षण शामिल थे। व्यावहारिक परीक्षणों के दौरान, अधिकारियों को उच्च दबाव वाली स्थितियों को संभालने, कुशलता से समन्वय करने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की उनकी क्षमता का परीक्षण करते हुए, महत्वपूर्ण स्थिति प्रतिक्रिया परिदृश्यों का अनुकरण करने में लगाया गया था। पहले दिन की प्रतियोगिताओं के बाद, विभिन्न श्रेणियों के तहत कार्यक्रमों के परिणाम घोषित किए गए। हैदराबाद सिटी पुलिस दिन के लिए शीर्ष प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरी, जिसमें छह प्रतिभागियों ने कई आयोजनों में शीर्ष तीन स्थानों पर स्थान प्राप्त किया, इसके बाद साइबराबाद आयुक्तालय ने पांच प्रतिभागियों के साथ, साइबर सुरक्षा ब्यूरो और खुफिया विभाग ने दो-दो प्रतिभागियों के साथ, जबकि सीआईडी, आईटी एंड सी और जोन VII (जोगुलम्बा गडवाल) ने 1 प्रतिभागी के साथ शीर्ष 3 स्थान प्राप्त किए। आयोजक पहले दिन की सफलता से प्रसन्न हैं और अधिकारियों की कड़ी मेहनत, समर्पण और व्यावसायिकता की सराहना करते हैं। जैसे-जैसे हम दूसरे दिन की ओर बढ़ रहे हैं, उम्मीदें बहुत अधिक हैं, और शेष आयोजनों में भी उतने ही प्रभावशाली परिणाम मिलने की संभावना है। प्रतियोगिता आगे भी जारी रहेगी, और आगे भी आयोजन होंगे।

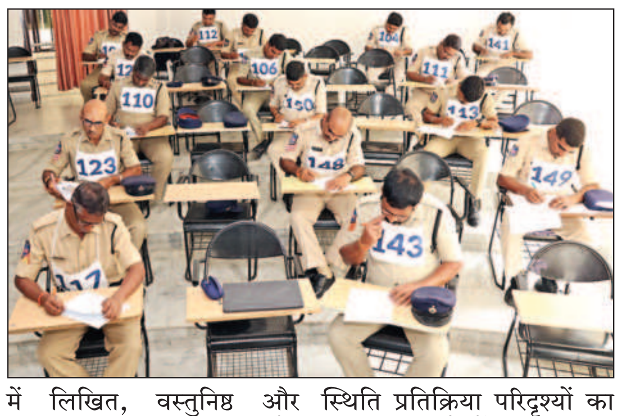

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

प्रपत्र 10-1

सार्वजनिक अधिसूचना

PUB/1047

इसके द्वारा निम्न विवरित खंड के तहत पूर्ण खंड पर स्थित परिसरों तथा सभी रेलवे लाइनों के उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि :

विद्युतीकरण किये जानेवाला सेक्शन : लोकेशन डीएसएल/4001(सीएच./637.50) से नये ट्रैक्शन स्ट्रक्चर नं. लोकेशन डीएसएल/4031(सीएच./955.50) छह लाइनें, (टीकेएम:1.163किमी) से जुडा केजेडजे स्टेशन के डीएसएल/केजेडजे पर नये छह लाइनों का तत्संबंधित कार्य।

विद्युतीकरण किये जानेवाला सेक्शनः लोकेशन डीएसएल/4001(सीएच./637.50) से नये ट्रैक्शन स्ट्रक्चर नं. लोकेशन डीएसएल/4031(सीएच./955.50) छह लाइनें, (टीकेएम:1.163किमी) से जुडा केजेडजे स्टेशन के डीएसएल/केजेडजे पर नये छह लाइनों का तत्संबंधित कार्य। दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन के उपरोक्त सेक्शन के 25केवी, 50एचजेड,ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन के वायर्स (तारों) को दि. 25-10-2024 को या इसके पश्चात् उर्जावान (एनर्जाइज) किया जायेगा। अतः तत्संबंधित निर्दिष्ट तिथि को एवं उक्त तिथि से सभी समय पर ओवरहेड ट्रैक्शन लाइनें सक्रिय अथवा लाइव रहेंगी। इसके मध्देनजर कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उपरोक्त ओवरहेड लाइन के परिसर में न जा सकेगा या न कोई कार्य ही कर सकेगा।

ए 1337 उप मुख्य बिजली अभियंता, गति शक्ति, सिकंदराबाद

बहराइच हिंसा, नेपाल बॉर्डर पर सरफराज और तालीम का एनकाउंटर

डॉक्टर ने कहा-दोनों को पैर में गोली लगी रामगोपाल की हत्या के 5 आरोपी गिरफ्तार

बहराइच, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहराइच में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हिंसा में राम गोपाल मिश्रा की हत्या के आरोपी रिंकू उर्फ सरफराज खान और मोहम्मद तालीम एनकाउंटर में बुरी तरह जख्मी हो गए। दोनों के पैर में गोली लगी है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी नेपाल भागने की फिराक में थे। दोनों का बहराइच मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। जब एनकाउंटर स्पॉट से पुलिसकर्मी सरफराज को ला रहे थे तो वह कह रहा था- सर गलती हो गई, माफ कर दीजिए।

एनकाउंटर नेपाल बॉर्डर से 20 किमी पहले नानपारा कोतवाली क्षेत्र में हांडा बसेहरी नहर के पास हुआ। एसटीएफ और बहराइच पुलिस सरफराज और तालीम को साथ लेकर डबल बैरल बंदूक और तमंचा बरामद कराने ले गई थी। एसपी वृंदा शुक्ला के मुताबिक, आरोपियों ने बंदूक और तमंचा लोडेड रखा था। उन लोगों ने पुलिस पर फायर कर दिया। पुलिस ने पहले उन्हें सरेंडर करने के लिए कहा। बाद में जवाबी कार्रवाई में सरफराज और तालीम को गोली लगी। बहराइच से करीब 40 किमी दूर महराजगंज बाजार में रविवार, 13 अक्टूबर की शाम 6 बजे दुर्गा प्रतिमा का जुलूस निकाला जा रहा था। जुलूस में शामिल लोग नाचते-गाते और जयकारा लगाते जा रहे थे। इसी दौरान कुछ युवकों ने डीजे बंद करने को कहा तो विवाद हो गया। थोड़ी देर में हिंसा भड़क गई।

राहुल गांधी के मानहानि मामले में टली सुनवाई

अवकाश पर रहे सुल्तानपुर एमपी/एमएलए कोर्ट के विशेष जज, 31 अक्टूबर को होगी सुनवाई

सुलतानपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायबरेली सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मानहानि मामले में गुरुवार को सुल्तानपुर की एमपी/एमएलए की विशेष कोर्ट में सुनवाई थी। विशेष कोर्ट के जज के अवकाश पर होने के चलते सुनवाई टल गई है। इस मामले में अब 31 अक्टूबर को कोर्ट से सुनवाई की तिथि नियत हुई है। विशेष कोर्ट में इस समय केस में जिरह शुरू हुई है।

कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी और भाजपा नेता विजय मिश्रा ने साल 2018 में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद एमपी/एमएलए कोर्ट में दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने अभद्र टिप्पणी की थी, इससे मैं आहत हुआ हूं। कोर्ट

में पांच साल लंबी प्रक्रिया चली, राहुल गांधी हाजिर नहीं हुए तो दिसंबर 2023 में तत्कालीन जज ने वारंट जारी कर उन्हें तलब किया था। तब फरवरी 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में सरेंडर किया।

विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 के दो मुचलके पर जमानत दे दी थी। इसके बाद राहुल गांधी को कोर्ट ने बयान दर्ज करने के लिए बुलाया। दर्जन भर तारीख पड़ने के बाद बीते 26 जुलाई को राहुल कोर्ट में पहुंचे और उन्होंने अपना बयान दर्ज कराया था।

राहुल ने स्वयं को बताया था निर्दोष

उन्होंने स्वयं को निर्दोष बताया, कहा था मेरे खिलाफ राजनीतिक साजिश हो रही है। इसके बाद कोर्ट में वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने के निर्देश हुए 12 अगस्त को सुनवाई की तिथि थी, जहां विशेष कोर्ट के जज अवकाश पर रहे और सुनवाई टल गई। इसके बाद 23 अगस्त को मामले में सुनवाई इस कारण टली कि वादी मुकदमा भाजपा नेता विजय मिश्रा के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने प्रार्थना पत्र दिया की उनका वादी अस्वथ है।

सितंबर माह में तीन बार हुई थी सुनवाई

कोर्ट ने इस पर 5 सितंबर को सुनवाई की डेट लगाई। 19 सितंबर को सुनवाई के दौरान वादी के अधिवक्ता ने मुकदमे में व्यस्तता के चलते समय मांगते हुए प्रार्थना पत्र दिया था। इस पर 21 सितंबर को सुनवाई हुई। कहा गया कि बार एसोसिएशन के मेडिकल कैम्प के चलते आज सुनवाई नहीं हो सकती जिस पर कोर्ट ने एक अक्टूबर की डेट लगाई। एक अक्टूबर को भी वादी भाजपा नेता के अस्वस्थ होने की अर्जी दी गई। तब कोर्ट ने नौ अक्टूबर की तिथि सुनवाई के लिए नियत की थी। नौ अक्टूबर को वादी से राहुल के अधिवक्ता ने तीखे सवाल किए थे। वादी ने यहां साक्ष्य भी पेश किए थे।

प्राइवेट स्कूल की बस में लगी आग

चीख-पुकार करने लगे बस पर सवार 27 बच्चे, सभी को सुरक्षित उतारा गया

सुलतानपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुल्तानपुर में गुरुवार को प्राइवेट स्कूल की एक बस में धुआं उठने से हड़कंप मच गया। बस पर लगभग 27 बच्चे सवार थे, फिलहाल सभी सुरक्षित हैं। बड़ा सवाल ये है कि विसर्जन को लेकर डीएम द्वारा अवकाश घोषित करने के आदेश के बाद स्कूल खुला किसके निर्देश पर था। इस पूरे मामले में स्कूल प्रशासन कुछ भी बोलने से बच रहा है। गुरुवार को बल्दीराय थानाक्षेत्र के हलियापुर-सुल्तानपुर मार्ग पर मौहरिया के पास बड़ा हादसा होने से टल गया। जानकारी के अनुसार अलीगंज के एसबीएस पब्लिक स्कूल ऊंचगांव के 27 बच्चों को स्कूली बस कुमारगंज की ओर ले जा रही थी। अभी बस मौहरिया गांव के पास पहुंची थी कि एकाएक बस के पिछले हिस्से से धुआं उठने लगा। स्थानीय लोगों की निगाह पड़ी तो उन्होंने बस चालक को तेज आवाज देकर इससे अवगत कराया। इस सूचना पर तत्काल बस ड्राइवर ने बस रोका, और सभी बच्चो को सुरक्षित बस से उतारा गया।

इस बीच स्कूली बच्चे चीखने चिल्लाने लगी जिस पर भीड़ जमा हो गई। लोगों ने पुलिस को भी घटना की सूचना दी है। थानाध्यक्ष बल्दीराय धीरज कुमार ने बताया अभी विसर्जन यात्रा हूं, सूचना मिली है जांच कराया जा रहा है।

देवरानी ने प्रेमी के साथ मिलकर जेठानी का गला काटा

मुरादाबाद में बोली- प्रेम प्रसंग में बाधा बन रही थी, उसे मारना ही एक रास्ता था

मुरादाबाद, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद में अपने प्रेमी से जेठानी गला कटवाने वाली महिला को पुलिस ने जेल भेज दिया। आरोपी महिला ने बताया कि जेठानी कहती थी कि तेरे पेट में मेरे देवर का नहीं, बल्कि तेरे यार का बच्चा पल रहा है। मेरी जिंदगी नरक कर दी थी। मेरे पास उसे रास्ते से हटाने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा था। घटना कांठ थाने क्षेत्र के गांव दरियापुर की है। पुलिस ने बताया कि आरोपी सुधा ने प्रेम प्रसंग में बाधा बन रही जेठानी सीमा को अपने प्रेमी लिटिल के साथ मिलकर हत्या की थी। पुलिस को उस पर शुरू से शक था। पुलिस ने सुधा के मोबाइल की डिटेल निकाली तो पता चला कि घटना वाले दिन उसने अपने प्रेमी लिटिल कुमार को 25 बार फोन किया था। पुलिस ने बताया कि गांव दरियापुर निवासी सौरभ की शादी 7 महीने पहले शेरपुर रैनी निवासी सुधा से हुई थी। सुधा अपने गांव के लिटिल से प्रेम करती थी दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन अलग-अलग बिरादरी और एक ही गांव होने की वजह से परिवार के

लोग नहीं माने। पुलिस पूछताछ में लिटिल और सुधा ने बताया- सुधा मायके जाती तो लिटिल से मिलती थी। इसके अलावा लिटिल भी किसी न किसी बहाने सुधा की ससुराल में जाकर चोरी-छिपे उससे मिलता रहता था। लिटिल गांव के बाहर जंगल में छिपकर वेट करता था, जब घर के लोग खेतों पर काम करने चले जाते थे और जेठानी सीमा किसी काम से गांव में इधर-उधर जाती थी। तब सुधा लिटिल को फोन करके घर बुला लेती थी। यहां भूसे की कोठरी में दोनों मिलते थे। करीब 2 महीने पहले इन दोनों की लव स्टोरी के बारे में सीमा को भनक लग गई थी। सीमा ने कई बार लिटिल को घर के आसपास चक्कर लगाते देखा था।

सुधा ने बताया- जेठानी सीमा ने उसका जीना मुश्किल कर दिया था। जेठानी मेरे और लिटिल के संबंधों को लेकर ताने देती थी। कहती थी कि तेरे पेट में मेरे देवर का नहीं, बल्कि तेरे यार का बच्चा पल रहा है। जेठानी के चढ़ाने पर मेरा पति सौरभ भी मुझे इसी बात के ताने देता था। सीमा ने मेरी जिंदगी नरक कर दी थी। मेरे पास उसे रास्ते से हटाने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा था।

सुधा ने बताया- जेठानी के तानों से परेशान होकर मैंने लिटिल से कहा कि या तो तुम मुझे अपने साथ लेकर चलो या जेठानी सीमा को रास्ते से हटा दो। सुधा के कहने पर लिटिल कुमार ने कहा कि वो सीमा के साथ ऐसा करेगा कि वो कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं रहेगी। लिटिल ने पहले सीमा के साथ गलत हरकत करके उसका मुंह बंद करने की कोशिश की, लेकिन सीमा के विरोध की वजह से वो इसमें कामयाब नहीं हो सका। लिटिल कुमार ने पुलिस पूछताछ में बताया- 14 अक्टूबर को सुधा से फोन पर उसकी बात हुई। लिटिल कुमार दरियापुर पहुंच गया। सुबह 9 बजे जब सुधा का पति, ससुर, जेठ और देवर खेतों पर काम करने चले गए तो सुधा ने उसे फोन कर बुला लिया। इस दौरान सुधा की जेठानी सीमा गांव की दुकान पर सामान खरीदने गई थी। लिटिल कुमार भूसे वाले कमरे में जाकर बैठ गया। लिटिल ने पुलिस पूछताछ में कहा- दुकान से लौटने के कुछ देर बाद सीमा भूसा लेने के लिए कमरे में आई, तभी मैंने उसे पीछे से पकड़ लिया। तुरंत ही सुधा भी आ गई।

लॉरेंस विश्नोई के शूटर का एनकाउंटर

बदमाश बोला- बाबा सिद्दीकी सही आदमी थोड़ी था, उस पर मकोका लगा है

मथुरा, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मथुरा में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर को पुलिस का पुलिस ने एनकाउंटर किया है। पैर में गोली लगने से वह घायल है। गुरुवार सुबह 5 बजे घेरकर सरेंडर करने के लिए कहा तो उसने पुलिस टीम पर फारिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

यह एक्शन दिल्ली और मथुरा पुलिस की जॉइंट टीम ने किया। घायल शूटर की पहचान बदायूं जिले के बहरामपुर थाने क्षेत्र के राज चौक निवासी योगेश कुमार उर्फ राजू (26) के रूप में हुई है। वह दिल्ली में जिम मालिक नादिर शाह हत्याकांड का आरोपी है।

शूटर योगेश से मथुरा के हॉस्पिटल में मीडिया ने बात की। योगेश बोला- बाबा सिद्दीकी कोई सही आदमी थोड़ी था। उस पर मकोका का केस लगा है। आम आदमी पर तो मकोका का केस लगेगा नहीं। बताया जाता है कि उसके दाऊद से भी कनेक्शन थे।

संपर्क लॉरेंस के साथ कैसे हुआ?

मैं आसिफ बाबा गैंग में हूं। वो गैंग भी लॉरेंस विश्नोई ही चलाते हैं। ऐसे लोगों के बारे में अपने पास सारी जानकारी होती है। गूगल और नेट से सारी रेकी कर लेते हैं। देखो, अब हम तो जेल जा रहे हैं। देखो कौन, क्या करेगा। एक गैंग में करीब 100 लोग हैं। अमेरिका में भी गैंग के मेंबर हैं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल नादिर शाह हत्याकांड के मामले में लॉरेंस गैंग के शूटर योगेश कुमार उर्फ राजू की तलाश कर रही थी। गुरुवार की सुबह मुखबिर की सूचना पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल मथुरा के थाना रिफाइनरी क्षेत्र पहुंची। यहां मथुरा पुलिस के सहयोग से दिल्ली पुलिस ने उसे घेर लिया। योगेश बाइक से फरार हो गया। पुलिस ने उसका पीछा करना शुरू किया, तो उसने गोलियां चलानी शुरू कर दी। रेलवे फाटक से 200 कदम पहले उसकी पुलिस से मुठभेड़ हो गई। दाएं पैर में गोली लगने पर योगेश गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ लिया। सुबह करीब 6 बजे आरोपी को जिला अस्पताल लाया गया। यहां दो घंटे तक इलाज चला। मथुरा पुलिस ने आरोपी को दिल्ली पुलिस की कस्टडी में दे दिया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि हत्याकांड के बाद से शूटर योगेश लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। योगेश उर्फ राजू बदायूं जिले के बहरामपुर थाने क्षेत्र के राज चौक का रहने वाला है। योगेश ने खुद का नाम राजू बदमाश रखा था। जिस बाइक से वह भाग रहा था, उस पर भी उसने बदमाश लिखवाया था। योगेश के पास से एक 32 बोर की पिस्टल,10 कारतूस और अपाचे बाइक बरामद की गई है। पुलिस से मुताबिक- वह 18 साल की उम्र में ही घर छोड़कर बाहर काम कर रहा था। दिल्ली के सबसे पॉश इलाकों में एक ग्रेटर कैलाश में गुरुवार (12 सितंबर) रात करीब 10:45 बजे नादिर शाह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसका सीसीटीवी भी सामने आया। इस हत्याकांड के खुलासे के लिए दिल्ली पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। शूटर ने जिम मालिक को करीब 6-8 गोलियां मारी। घायल को मैक्स हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन तब तक मौत हो चुकी थी। मामले में एक आरोपी की पहले ही गिरफ्तारी हो चुकी है।

महिला का सिर काटकर 50 मीटर दूर फेंका

सबूत जुटाने के दौरान 100 मीटर दूर बच्चे की लाश मिली, फोरेंसिक टीम बोली- जलाने की कोशिश हुई

मुरादाबाद, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद में महिला और बच्चे की डेडबॉडी मिली है। कातिल ने महिला का सिर काटकर करीब 50 मीटर दूर फेंका दिया। जब पुलिस टीम ने सबूत जुटाने के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया, तब महिला की बॉडी से 100 मीटर दूर रामगंगा नदी में एक बच्चे की लाश बहती मिली, जिसकी उम्र करीब 7 साल बताई जा रही है। महिला की बॉडी 8-10 दिन पुरानी बताई जा रही है। फोरेंसिक टीम का मानना है कि महिला की हत्या करने के बाद शव की पहचान मिटाने को चेहरा जलाने की कोशिश की गई है। इसके सबूत मिले हैं। यह पूरी घटना कटघर इलाके में कल्याणपुर के जंगल की है। यहां रामगंगा नदी के किनारे झाड़ियों में गुरुवार दोपहर बाद एक महिला का शव मिला। देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि महिला का सिर किसी भारी और धारदार हथियार से काटा गया है। पुलिस टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाया ताकि सबूत जुटाए जा सके, मगर क्राइम सीन से करीब 100 मीटर की दूरी पर रामगंगा नदी में 7 साल के बच्चे की लाश भी मिली है। क्या ये दोनों मां-बेटे थे? उन्हें एक साथ क्यों मारा गया? क्या ये डबल मर्डर जंगल में उन्हें लाकर किया गया? या मारने के बाद यहां फेंका गया? इन सवालों के जवाब के लिए पुलिस फोरेंसिक टीम की मदद ले रही है। सीओ कटघर आशीष सिंह ने कहा- महिला और बच्चे की लाश अलग- अलग मिली हैं। महिला की लाश कई दिन पुरानी है। फिलहाल दोनों डेड बॉडी में से किसी की भी पहचान नहीं हो सकी है।

बिहार में मौत के तांडव का पांचवां दिन

जहरीली शराब से 3 जिलों के 16 गांवों में 30 से ज्यादा की मौत, नीतीश सरकार पर तेजस्वी का सवाल

गोपालगंज/छपरा/सिवान, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के तीन जिलों में मौत के तांडव का पांचवां दिन है। जहरीली शराब से छपरा, सीवान और गोपालगंज में कोहराम मचा हुआ है। जहरीली शराब पीने से 30 से ज्यादा लोगों की मौत की सूचना है। कई लोग अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। पटना में सीएम नीतीश कुमार भी ऐक्टिव दिख रहे हैं। मीटिंग के बाद ऐक्शन के आदेश दिए गए। वहीं, कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। पुलिसवालों पर भी गाज गिरी है। तीन जिलों 16 गांवों में परिजनों की स्थिति अत्यंत दुखद है। दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। इन सबके बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार के ब्यूरोक्रेसी पर सवाल उठाया है।

बिहार में जहरीली शराब ने फिर कहर बरपाया है। गोपालगंज, सीवान और सारण जिलों के 16

गांव इससे प्रभावित हुए हैं। 30 से ज्यादा लोगों की मौत की सूचना है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर ये डेटा 24 है, जबकि कई मीडिया रिपोर्ट ये आंकड़ा 36 का है। मरने वालों में एक महिला भी शामिल है। बताया जा रहा है कि सीवान में 26 और सारण में 10 लोगों की जान गई है। कई लोगों का इलाज चल रहा है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

बिहार के डीजीपी आलोक राज ने कहा कि अभी तक दूषित शराब पीने से 24 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। सीवान जिले में 20 और सारण जिले में 4 मौतें हुई है। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाका सारण जिले का मशरक और भगवानपुर बाजार है। इस घटना को राज्य सरकार काफी गंभीरता से ले रही है और बिहार पुलिस कड़ी कार्रवाई के लिए मौके पर पहुंची है। घटना की सूचना के बाद एसपी और डीआइजी ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया और संदिग्ध लोगों से पूछताछ की।

जहीरील शराब कांड की शुरुआत 13 अक्टूबर को सीवान के भगवानपुर हाट से हुई। यहां से लोगों ने पाउच वाली शराब खरीदी और पी। इसके बाद सारण के मसरख थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव में भी जहरीली शराब पीने से लोगों की तबियत बिगड़ने लगी। सीवान में अब तक 26 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 44 लोगों का इलाज चल रहा है। सारण में मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। दोनों जिलों के अस्पतालों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

प्रभावित लोगों में 5 की आंखों की रोशनी भी चली गई है। गंभीर रूप से बीमार लोगों को पटना के पीएमसीएच रेफर किया गया है।

जेल से छूटे हत्या के आरोपी-परिजनों की पिटाई

बेगूसराय में सीसीटीवी फुटेज आया सामने एफआईआर दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

बेगूसराय, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेगूसराय में हत्या के आरोपी के घर में घुसकर पूरे परिवार के साथ जमकर मारपीट की गई है। घटना में 3 लोग घायल हुए है। मामला 14 अक्टूबर की देर शाम नीमा चांदपुरा थाना क्षेत्र के रामानंद नगर कुसमहौत का है, जिसका सीसीटीवी फुटेज अब सामने आया है। पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सीसीटीवी में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति को बाहर से घसीटते हुए उसके साथ पिटाई की जा रही है। परिवार के लोग उसे बचाने पहुंचे तो उनकी भी लाठी-डंडे से पिटाई की जा रही है। बचाव में परिवार के अन्य लोग जब लाठी-डंडा लेकर घर में घुसे और बदमाशों का मुकाबला किया। सभी बदमाश वहां से भाग गए। घायल कपिलदेव राय ने बताया कि वह अपने घर में परिवार के साथ बैठे हुए थे। इसी दौरान मूर्ति विसर्जन जुलूस में शामिल 20 से अधिक बदमाशों ने घर में घुस कर लाठी-डंडे से सभी की पिटाई की।

इस मारपीट में रामानंद नगर निवासी कपिलदेव राय, दीपक राय, अमन कुमार और सिमरन कुमारी घायल हो गए। पीड़ित का कहना है कि सात महीने पहले पड़ोसी गांव जगदीशपुर में एक युवक सुधीर राय की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी। उसमें मुझ पर झूठा आरोप लगा कर फंसा दिया गया था। छह महीने तक जेल में रहने के बाद 12 दिन पहले ही जमानत पर घर बाहर आये है। मृतक के परिजनों और सहयोगियों ने घर में घुसकर मारपीट किया।

मॉब लिंचिंग मामले में प्रोजेक्ट मैनेजर अरेस्ट

भागलपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भागलपुर के बाइपास थाना क्षेत्र के डीवीसी स्थित नमामि गंगे प्रोजेक्ट में 3 दिन पहले चोरी का आरोप लगाकर युवक के साथ मॉब लिंचिंग हुई। इस मामले में पुलिस ने आरोपित प्रोजेक्ट मैनेजर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार मैनेजर ने संजय शर्मा को पहले थप्पड़ मारने के बाद लकड़ी के तख्ते और लोहे के रॉड से हमला किया था। यह बात उन्होंने पुलिस को दिए बयान में बताया है।

पुलिस इस मामले में साइट इंजीनियर रविशंकर शर्मा और पेट्रोलियम कॉलेज के सिक्योरिटी गार्ड की तलाश कर रही है। मॉब लिंचिंग के शिकार हुए शकरुल्लाहचक निवासी संजय शर्मा की पिटाई के बाद बाइपास थाना में आवेदन दिया था। इसके आधार पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। इसके अलावा मृतक के पत्नी के फर्द बयान के आधार पर एक और एफआईआर दर्ज किया।

मामले में नमामी गंगे प्रोजेक्ट में पेटी कांट्रेक्टर के तौर पर काम कर रही एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर संजय कुमार मित्रा ने एफआईआर दर्ज कराई है। प्राथमिकी में उन्होंने बताया है कि पकड़े गये चोर की जब लोग पिटाई कर रहे थे, तब वह पहुंचे थे। डायल-112 की टीम को बुलाकर सुपुर्द कर दिया। मामले में हुई गिरफ्तारी के बाद प्रोजेक्टर मैनेजर ने पुलिस को दिये गये बयान में इस बात का खुलासा किया है कि उन्होंने ही चोरी करते हुए संजय शर्मा को पकड़ा था। पहले उन्होंने ही उसके साथ मारपीट की। उन्होंने अपने साइट इंजीनियर रविशंकर शर्मा को बुलाया। पास में ही मौजूद पेट्रोलियम कॉलेज का सिक्यूरिटी गार्ड वहां पहुंच गया। उसने वीडियो दिखाते हुए बताया कि चोर और उसके अन्य भाई प्रोजेक्ट पर आकर लोहे की चोरी करते हैं। इसके बाद उन लोगों ने संजय शर्मा को पकड़ लिया।

संजय शर्मा के हाथ-पैर को नारियल की रस्सी से बांध दिया। सिक्योरिटी गार्ड ने लकड़ी के तख्ते से और लोहे के रॉड से बेरहमी से उसकी पिटाई कर दी। वह अपने साइट इंजीनियर को यह बोल कर चाय पीने चले गए कि पुलिस को बुलाकर उसे सौंप दें। चाय पीने के बाद जब वह मौके पर पहुंचे, तो मौके पर दर्जनों लोगों की भीड़ जमा हो गयी थी। मौके पर पहुंची डायल-112 की टीम ने घायल संजय शर्मा को लेकर अस्पताल लेकर गई थी।

बहन के प्रेमी की ईंट से कूचकर हत्या

दरभंगा में आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ाए थे प्रेमी-प्रेमिका, एक साल से चल रहा था अफेयर

दरभंगा, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। दरभंगा में 14 अक्टूबर को हुई मनीष हत्याकांड का पुलिस ने गुरुवार को खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मनीष की हत्या के आरोप में उसकी गर्लफ्रेंड के भाई को गिरफ्तार किया है। इस हत्याकांड में लड़की का एक और भाई फरार है।

पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि दोनों भाइयों ने अपनी बहन को मनीष के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया था। जिसके बाद दोनों भाई मिलकर मनीष की ईंट से कूचकर हत्या कर दी थी। इसके बाद शव को घटना के पास स्थित तालाब में फेंक दिया था। घटना सिंहवाड़ा ब्लॉक क्षेत्र की है। मनीष का शव 15 अक्टूबर को उसकी गर्लफ्रेंड के घर से महज 400 मीटर की दूरी पर स्थित तालाब से बरामद किया गया था। इसके बाद पुलिस ने जांच के दौरान मनीष के मोबाइल का कॉल डिटेल निकाला और आरोपी तक जा पहुंची।

पुलिस को कॉल डिटेल में मनीष और उसकी गर्लफ्रेंड से देर रात बात होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने गर्लफ्रेंड के परिजनों से पूछताछ की तो गर्लफ्रेंड के एक भाई आनंद कुमार मंडल अपना गुनाह कबूल कर लिया। एसडीपीओ सदर 2 ज्योति कुमारी ने बताया कि मनीष हत्याकांड के आरोपी आनंद कुमार मंडल को गिरफ्तार किया है। वहीं आनंद का भाई अभी फरार है।

गिरिराज सिंह ने अपनी यात्रा को बताया गैर राजनीतिक

केंद्रीय मंत्री बोले-हिन्दू बन कर जा रहा हूं, भाजपा-जेडीयू से लेना देना नहीं

बेगूसराय, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह शुक्रवार को भागलपुर से हिंदू स्वाभिमान यात्रा शुरू करेंगे। इसका समापन किशनगंज में होगा। यात्रा को लेकर विभिन्न राजनीतिक दल के नेता सवाल उठा रहे हैं। बेगूसराय में केंद्रीय मंत्री ने पलटवार किया है। साथ ही यात्रा को पूरी तरह से गैर राजनीतिक बताया है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि यात्रा पूरी तरह से गैर राजनीतिक है। मैं स्वामी दीपंकर के नेतृत्व में हिंदू बनकर जा रहा हूं। इसका न बीजेपी से कोई लेना-देना है, न इसका जदयू-एनडीए से कोई लेना देना है। हिंदुओं को जगाने के लिए हम स्वामी दीपंकर महाराज के नेतृत्व में यात्रा कर रहे है। हिंदुओं को जगाना जरूरी है, क्योंकि हमको भुलाया नहीं है। कश्मीर में जिस तरीके से हिंदू ने पलायन किया। बांग्लादेश और पाकिस्तान की दुर्दशा हमने देखा है। वहां हमारी बेटियां शादी के मंडप से उठ गई। विभत्स दृश्य अभी बहराइच में देखा कि अब देश के अंदर दुर्गा मूर्ति के विसर्जन में क्या हुआ। क्या देश में बंटवारा इसी दिन के लिए हुआ था कि हमें दुर्गा की मूर्ति के विसर्जन के लिए भी यात्रा का परमिशन लेना पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज मुझे लग रहा है कि देश का माहौल वोट के ठेकेदारों ने ऐसा बना दिया है कि हिंदुओं को जातियों में बांट दिया। अगर हम एकत्रित नहीं हुए तो फिर कश्मीर की तरह भागना पड़ेगा। पाकिस्तान और बांग्लादेश की तरह भागना पड़ेगा, कटना पड़ेगा। इसीलिए यह यात्रा है कि बंटोगे तो कटोगे। हम हिंदुओं को जगाने के लिए यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं। बाबा साहब अंबेडकर के मूलभूत भावनाओं के साथ जुड़ी हुई हमारी यह यात्रा है। जो लोग पूछते हैं और कहते हैं कि इनको इतनी ही पीड़ा है तो क्यों नहीं बांग्लादेश चले गए, जिसमें वहां हिंदुओं के साथ दुर्दशा हुई थी। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जब फिलिस्तीन और इजराइल की लड़ाई चल रही थी तो बेगूसराय से लेकर देश के हर शहर में फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शनकारी सड़क पर उतरे हुए थे, उनको क्यों नहीं कहते। कांग्रेस और राजद के लोग लेबनान के नसरुल्लाह की मौत के बाद छाती पीटने वाले को क्यों नहीं कहते हैं।

दिग्विजय बोले-शिवराज के मंत्रालय पर नजर रखें मोदी जी

चौहान के कार्यकाल में कृषि विभाग का सत्यानाश हुआ, पूर्व सीएम ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

भोपाल, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में खाद संकट को लेकर किसान परेशान हैं। सहकारी समितियों के बाहर किसानों की कतारों और कालाबाजारी को लेकर गुरुवार को पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिग्विजय सिंह ने कहा कि मप्र में खाद संकट को लेकर केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मप्र के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जिम्मेदार हैं।

कांग्रेस की सरकार में एक बोरी की कालाबाजारी नहीं हुई

दिग्विजय सिंह ने कहा कि 1993 से लेकर 2003 तक कांग्रेस पार्टी की सरकार थी। उस दौरान खाद के लिए किसान को परेशान नहीं होना पड़ा और एक भी बोरी खाद की कालाबाजारी नहीं हुई। आज खाद की ब्लैक मार्केटिंग और नकली खाद के मामले में बीजेपी के लोग सामने आ रहे हैं। दिग्विजय ने कहा 2004 के बाद जैसे ही शिवराज सिंह चौहान, जो किसान पुत्र कहलाते हैं, कृषि विभाग का सबसे ज्यादा सत्यानाश उनके कार्यकाल में हुआ है। अब वे केन्द्र सरकार में कृषि मंत्री हैं तो मैं मोदी जी से अनुरोध करूंगा कि वे जैसा कहते हैं कि न खाऊंगा न खाने दूंगा। तो शिवराज सिंह चौहान के कृषि मंत्रालय पर थोड़ा नजर रखें।

पटवारी बोले- शिवराज और मोहन सरकार किसान विरोधी

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा- बार-बार यह बात स्थापित होती जा रही है कि भारतीय जनता पार्टी और उनकी सरकार शिवराज सिंह चौहान और मोहन यादव किसान विरोधी हैं। कमलनाथ सरकार ने जो किसानों की ऋण माफी योजना जिसमें किसानों का कर्ज माफ हो रहा था। यह सरकार किसानों का ऋण खा गई। 2900 गेहूं और 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान के दाम का वादा करके सरकार में आ गए और किसानों को बाद में धोखा दे दिया।

सबसे बड़ा किसान विरोधी अगर कोई है तो वो शिवराज सिंह चौहान हैं। जितना किसानों से पिछले 20 सालों में झूठ बोले और अब पूरे देश में मप्र की दुहाई देकर किसानों से झूठ बोल रहे हैं। मतलब देश में किसानों को सबसे ज्यादा धोखा किसी ने दिया तो वह केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान हैं।

बीजेपी के नेता खाद की कालाबाजारी में लिप्त

पटवारी ने मप्र के अलग-अलग जिलों में खाद संकट को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स का जिक्र किया। पटवारी ने शिवपुरी, खुरई, आष्टा, इटारसी में खाद को लेकर किसानों के प्रदर्शन और परेशानी की मीडिया रिपोर्ट्स दिखाई।

पटवारी ने पूछा आखिर ये खाद जाती कहां हैं? उन्होंने अखबार की खबर दिखाते हुए कहा– कि ये खाद बीजेपी के नेता द्वारा नकली कारोबार किया जा रहा। 229 बोरी नकली खाद मिलने के बाद मानपुर में नायब तहसीलदार ने दुकान सील की। फिर बीजेपी के नेता ने वह सील तोड़ दी और अधिकारी को डराया धमकाया। बीजेपी के लोग नकली खाद बेचेंगे, कालाबाजारी करेंगे।

शिवराज चार हफ्ते से मिलने का टाइम नहीं दे रहे

पटवारी ने कहा– मैं हर मंगलवार को शिवराज सिंह चौहान से समय मांगता हूं कि किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्टी का एक प्रतिमंडल आपसे मिलना चाहता हैं। अगर उनमें कलेजा है और वह जो बोलते हैं, उसमें सच्चाई है तो हमें समय दें। यह चौथा मंगलवार है, मैं समय मांग रहा हूं वो समय नहीं दे रहे हैं। वे जब तक समय नहीं देंगे उनसे हम समय मांगते

कर्नाटक के आवासीय स्कूलों का नाम बदलेगा : महर्षि वाल्मीकि नया नाम होगा

सिद्धारमैया बोले- बीजेपी समानता की बात करती है, लेकिन उसका पालन नहीं करती

बेंगलुरु, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार ने गुरूवार को राज्य के सभी आवासीय स्कूलों के नाम बदल दिए हैं। अब ये सभी स्कूल महर्षि वाल्मिकी के नाम से जाने जाएंगे।17 अक्टूबर को महर्षि वाल्मिकी की जयंती पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने ये ऐलान किया है। इसके अलावा उन्होंने रायचूर यूनिवर्सिटी का नाम भी बदलकर महर्षि वाल्मिकी विश्वविद्यालय करने का ऐलान किया। यह व्यवस्था आज से ही लागू हो जाएगी। सिद्धारमैया ने भाजपा पर आरोप लगाया कि उसने अल्पसंख्यक समुदायों की मदद के लिए कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि बीजेपी सिर्फ समानता की बात करती है, लेकिन उसे लागू नहीं करती। डॉ. अंबेडकर ने कहा था कि असमानता खत्म किए बिना समानता नहीं आ सकती। हमने गरीबों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए योजनाएं बनाई हैं, लेकिन बीजेपी इसका विरोध करती है।

यह सही समय है कि हम महर्षि वाल्मिकी के आदर्शों को अपने जीवन में उतारे। इतना ही नहीं, उनके संदेशों को जन जन तक पहुंचा कर उसे सार्थक करने की कोशिश करें।महर्षि वाल्मिकी के आदर्शों को अपनाकर ही देश न केवल ताकतवर राष्ट्र बनेगा, बल्कि इतिहास, विज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर एक बार फिर से विश्वगुरु का दर्जा हासिल कर पाएगा।

सभी 31 जिले में हैं आवासीय विद्यालय

कर्नाटक के सभी 31 जिले में आवासीय विद्यालय चल रहे हैं। इनमें कमजोर आयवर्ग के अलावा दलितों के बच्चों को मेरिट के आधार पर चयनित कर रखा जाता है। इन स्कूलों में रहने खाने के लिए छात्रों से कोई शुल्क वसूल नहीं किया जाता। अभी तक इन सभी स्कूलों को सरकारी आवासीय विद्यालय के नाम से जाना जाता था, लेकिन मुख्यमंत्री की इस घोषणा के बाद यह सभी स्कूल महर्षि वाल्मिकी अवासीय विद्यालय के नाम से जाने जांएगे।

महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की थी

17 अक्टूबर को देशभर में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। पुराणों के मुताबिक, इन्होंने कठिन तपस्या कर के महर्षि पद प्राप्त किया था। ब्रह्माजी के कहने पर इन्होंने भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित रामायण नाम का महाकाव्य लिखा। ग्रंथों में इन्हें आदिकवि कहा गया है। इनके लिखे आदिकाव्य श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण संसार का सबसे पहला काव्य माना गया है।

बाप-बेटे ने किया सूरत में 100 करोड़ का हवालाकांड

कई देशों से जुड़े हैं तार, चीन और दुबई की बैंकों में भी खोल रखे थे बैंक अकाउंट्स

सूरत , 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सूरत में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने हवाला और यूएसडीटी के अंतरराष्ट्रीय रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए एक बड़े अपराधी गिरोह को बेनकाब किया है। यह रैकेट अफगानिस्तान, बांग्लादेश और चीन से संचालित हो रहा था। जिसमें हवाला के माध्यम से करोड़ों रुपए का लेन-देन किया जा रहा था।

इस रैकेट से जुड़े मुख्य आरोपी, मकबूल डॉक्टर और उसके बेटे कासिफ डॉक्टर को अठवालाइंस क्षेत्र के घर से गिरफ्तार किया है। आरोपी ट्रैवल एजेंसी चलाते हैं। दुबई में महेश नाम का व्यक्ति इस पूरे नेटवर्क का संचालन कर रहा था। पुलिस ने जांच पता चला पिछले दो वर्षों में करीब 100 करोड़ रुपए का हवाला ट्रांजेक्शन इस गिरोह ने किया है।

गिरफ्तार आरोपियों ने गरीब और जरूरतमंद लोगों के नाम से बैंक खाते खुलवाए, जिनमें ठगी और जुए के पैसे जमा किए जाते थे। ये पैसे बाद में यूएसडीटी में परिवर्तित कर अंतरराष्ट्रीय लेनदेन के लिए इस्तेमाल किए जाते थे। पुलिस ने उनके पास से 497 सिम

कार्ड, कई चेकबुक, डेबिट कार्ड, नकदी और विदेशी मुद्रा बरामद की है। इस रैकेट का पैसा आतंकवादी गतिविधियों में इस्तेमाल हो रहा था या नहीं, इसकी जांच जारी है। यह मामला साइबर अपराध और अंतरराष्ट्रीय हवाला नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। जिसका दायरा कई देशों तक फैला हुआ है।

सूरत में गरीब लोगों के नाम से बैंक में खाते खोले, ठगी का पैसा जमा करते थे

सूरत में गरीब और जरूरतमंद लोगों के नाम पर बैंक खाते खोले गए। जिनमें जुआ और ठगी के पैसे जमा किए जाते थे। इन पैसों का उपयोग यूएसडीटी खरीदने और उन्हें ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था। मकबूल डॉक्टर और उनके बेटे कासिफ और माज नाडा ने इस गोरखधंधे को संचालित किया। वे ऑनलाइन ट्रैवल टिकट बुकिंग के नाम पर इस हवाला रैकेट को चला रहे थे। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने सूरत के सिंधीवाड़ इलाके में सफिया मंजिल में छापा मारा, जहां से बाप-बेटे को गिरफ्तार किया गया। उनके घर और ऑफिस से पुलिस ने 29 चेकबुक, 8 पासबुक, 38 डेबिट कार्ड, 497 सिम कार्ड, 7 मोबाइल फोन और 17 लाख रुपए नकद बरामद किए हैं। साथ ही पैसे गिनने की मशीन और अलग-अलग देशों की मुद्रा भी बरामद हुई है।

देशभर में 28 साइबर फ्रॉड किए

पुलिस आयुक्त ने बताया कि इतने सिम कार्ड कहां से आए, इसकी जांच की जा रही है। इन सिम कार्ड्स का उपयोग कर देशभर में 28 साइबर फ्रॉड किए गए हैं। आरोपियों ने एक कंपनी के सिम कार्ड हासिल कर उन्हें दुबई भेजा था और महीने में 7-8 लाख रुपए कमाए थे। पुलिस अब इस मामले की जांच केंद्रीय एजेंसियों के साथ साझा कर रही है ताकि और गहराई से इसकी जांच हो सके।

मकबूल के चीन की बैंक और दुबई की बैंकों में खाते

पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने बताया कि महेश दुबई में बैठकर मकबूल को रुपए और USDT भेजता था। जिनकी अदला-बदली करने के लिए मकबूल 10% कमीशन लेता था। अब तक की जांच में यह पाया गया है कि पिछले दो वर्षों में 100 करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन किया है। मकबूल का चीन एग्रीकल्चर बैंक और दुबई के बैंकों में खाता है। दुबई में उसके पास एक फ्लैट और एक मोबाइल स्पेयर पार्ट्स की दुकान भी है। हाल ही में उसने नवसारी में अपनी पत्नी के नाम से एक फार्महाउस भी खरीदा है।

पुलिस को जांच के दौरान यह पता चला कि मकबूल और कासिफ यूएसडीटी का एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय रैकेट चला रहे थे। मकबूल ने कबूल किया कि वह दुबई से हवाला के जरिए नकदी प्राप्त करता था। जिसे महेश देसाई द्वारा भेजा जाता था। ऑनलाइन फ्रॉड, सट्टा और गेमिंग के जरिए साइबर अपराधी करोड़ों रुपए डमी खातों के जरिए प्राप्त करते

जम्मू-कश्मीर स्टेटहुड का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

याचिकाकर्ता ने 2 महीने में पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग की; सीजेआई सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर को दो महीने में पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार हो गया है। एडवोकेट गोपाल शंकर नारायण ने जहूर अहमद भट और खुर्शीद अहमद मलिक की ओर से यह याचिका लगाई है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि वे इस पर सुनवाई करेंगे।

याचिका में कहा गया है कि अनुच्छेद 370 पर सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जम्मू-कश्मीर को जल्द ही पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का आश्वासन दिया था। हालांकि, मामले में फैसला आने के 10 महीने बाद भी केंद्र सरकार ने अब तक इस पर कोई कदम नहीं उठाया। अनुच्छेद 370 हटाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला 11

अगस्त, 2023 को आया था।

याचिका में कहा गया है कि यह संघवाद की मूल विशेषता का उल्लंघन है। यह जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकारों को प्रभावित करता है। इसलिए कोर्ट केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के निर्देश दें।

केंद्र सरकार ने 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के साथ ही प्रदेश का पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म करते हुए दो यूनियन टेरिटरी (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में बांट दिया था।

पिछले साल केंद्र ने कहा था- UT बनाने का कदम अस्थायी है

29 अगस्त, 2023 को आर्टिकल 370 खत्म करने के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि राज्य को दो अलग यूनियन टेरिटरी में बांटने का कदम अस्थायी है। लद्दाख यूनियन टेरिटरी ही रहेगा, लेकिन जम्मू-कश्मीर को जल्द ही फिर से राज्य बना दिया जाएगा। इस पर कोर्ट ने कहा कि वह राष्ट्रीय हित में जम्मू-कश्मीर को दो अलग यूनियन टेरिटरी में बांटने के केंद्र के फैसले को स्वीकृति देने की इच्छुक है। कोर्ट ने केंद्र से सवाल किया कि जम्मू-कश्मीर को यूनियन टेरिटरी बनाने का कदम कितना अस्थायी है और उसे वापस फिर से राज्य का दर्जा कब तक मिलेगा, इसकी जानकारी दें।

लेफ्टिनेंट पति का सुसाइड, कैप्टन पत्नी ने भी जान दी

दोनों आगरा में तैनात थे, 2 साल पहले लव मैरिज की; लिखा-एक चिता पर संस्कार करना

आगरा, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगरा में एयरफोर्स के फ्लाइट लेफ्टिनेंट दीनदयाल (32) के सुसाइड के बाद उनकी आर्मी में कैप्टन पत्नी रेनू तंवर (28) ने भी जान दे दी। पति का शव एयरफोर्स कैंपस में सरकारी आवास पर फंदे से लटका मिला था, जबकि पत्नी ने दिल्ली में आर्मी के गेस्ट हाउस में फांसी लगाई। दोनों ने 2 साल पहले लव मैरिज की थी और आगरा में तैनात थे।

पत्नी के कमरे से एक सुसाइड नोट मिला। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, इसमें लिखा है-उनके साथ अंतिम संस्कार करना, मेरा हाथ उनके हाथ में रखना। लेकिन, ऐसा हुआ नहीं। लेफ्टिनेंट दीनदयाल का आगरा में अंतिम संस्कार हुआ, जबकि कैप्टन रेनू तंवर का राजस्थान में।पुलिस का कहना है कि पति की मौत की खबर सुनकर पत्नी ने सुसाइड किया है। रेनू आगरा में आर्मी के अस्पताल में तैनात थीं। वह 14 अक्टूबर को अपनी मां का इलाज कराने दिल्ली गई थीं। पत्नी का शव पोस्टमॉर्टम के बाद राजस्थान भेजा गया।

आगरा में फ्लाइट लेफ्टिनेंट का अंतिम संस्कार हुआ

गुरुवार को आगरा श्मशान घाट पर वायु सेना के अधिकारी लेफ्टिनेंट दीनदयाल का शव लेकर पहुंचे। श्मशान घाट के कर्मी ने बताया- हमसे अधिकारियों ने एक चिता सजाने को कहा था।

दुबई से सोना स्मगलिंग की अनोखी तकनीक : मेटल डिटेक्टर भी नहीं पकड़ पाता था

सूरत, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सूरत के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने जहांगीरपुरा से पकड़े गए 65 लाख रुपए के सोने के मामले में मुख्य आरोपी फैजल अब्दुल सत्तार मेमन को गिरफ्तार कर लिया है। सोना तस्करी के मुख्य सरगना ने कबूल किया कि अब तक 15 बार इस तरह से सोने की स्मगलिंग करवा चुका है।

करीब तीन महीने पहले एक दंपती को दुबई से सोना लाते सूरत एयरपोर्ट पर पकड़ा गया था। उन्होंने अपने ट्रॉली बैग में रेजिन और रबर की शीट के बीच सोने का पाउडर छिपाकर रखा था। दोनों के पास से 64.89 लाख रुपए का सोना बरामद किया गया था। पूछताछ में दंपती ने बताया था कि उन्हें सोना तस्करी के बदले प्रति यात्रा के 10 हजार रुपए मिलते थे। तस्करी का पूरा प्लान फैयाज अब्दुल सत्तार मेमन ही बनाता था।

मेटल डिटेक्टर में डिक्टेट ही नहीं हो पाता था सोना

927 ग्राम सोना दंपती दुबई से जिस तरह लेकर आए थे। उनकी अनोखी तकनीक से सभी लोग हैरान है। जानकारी के मुताबिक एक्वा रेजिया नाम के केमिकल के साथ पेस्ट बनाने के बाद उसे स्प्रे के जरिए बैग के पिछले हिस्से

में रैक्जिन और रबड़ की शीट के बीच में एक नई लेयर बनाकर लाया गया था।

अब तक 15 बार इसी तरह से सोना लाया

पकड़े गए मुख्य आरोपी अब्दुल ने पुलिस को बताया कि उसने अब तक 15 बार इस तरह से ट्रिप लगवाई है। पुलिस की माने तो 15 बहुत ही काम आंकड़ा बताया गया है। इससे ज्यादा बार आरोपी सोना दुबई से भारत लाया है। आकलन किया जाए तो करीब करीब 10 किलो सोना इस तरह से अब्दुल दुबई से मंगवा चुका है।

पुलिस ने बताया कि इस अनोखी तकनीक के चलते मेटल डिटेक्टर में गोल्ड डिटेक्ट नहीं कर पाया। ऐसे में ये आरोपी एयरपोर्ट से बचकर निकलने में कामयाब हो गए। अब्दुल ने सोना बड़ौदा के सोनारों को बेचा है। उसे प्रति किलो 10 लाख रुपए का मुनाफा मिला था। पुलिस इस मामले में दुबई के इस पूरे रैकेट का ऑपरेट करने वाले तथा सोने की डिलीवरी लेने वालों को ढूंढ रही है।सूरत एयरपोर्ट पर अब तक 35 करोड़ के करीब सोने के स्मगलिंग के मामले सामने आए हैं। इससे पहले भी कस्टम का एक अधिकारी प्रीति आर्य को भी स्मगलिंग के रैकेट में ही लापरवाही दिखाने के मामले में सस्पेंड किया गया था।

कांग्रेस विधायक ने भगवान शिव को कहे अपशब्द

बाबू जंडेल का नशे में वीडियो; बीजेपी ने पुतला फूंका

श्योपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्योपुर विधायक बाबू जंडेल का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वे भगवान शिव का नाम लेते हुए अपशब्द कहते सुनाई दे रहे हैं। करीब एक साल पुराना बताया जा रहा ये वीडियो भाजपा नेता नरेंद्र सलूजा ने गुरुवार को अपने X अकाउंट पर शेयर किया है। सलूजा ने लिखा- कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल का भगवान भोलेनाथ का नाम लेकर गाली बकते हुए वीडियो वायरल। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, एक दिन पहले आप भी नशे की हालत में भाषण दे रहे थे। अब देख लो अपनी पार्टी के नेताओं के चरित्र। मामले पर सफाई देते हुए विधायक बाबू जंडेल ने कहा- भोलेनाथ मेरे भी आराध्य हैं। मैं भगवान भोलेनाथ को पूजता हूं। इस तरह की बात कहना तो दूर, मैं सोच भी नहीं सकता। मैंने तो सिर्फ यह कहा था कि सिर्फ भोलेनाथ ऐसे भगवान हैं, जिनका लिंग पूजा जाता है।

वीडियो काट-छांट करके रामनिवास रावत के लोगों ने मुझे बदनाम करने के लिए वायरल किया है। वह वीडियो रक्षाबंधन के टाइम का है। मेरी कलाई पर राखी बंधी हुई है। इंदौर में बीजेपी अनुसूचित जाति मोर्चा ने जंडेल का पुतला जलाकर विरोध जताया। कार्यकर्ताओं ने 'देवी-देवताओं का अपमान नहीं सहेंगे' 'जूते मारो ऐसे विधायक को' और 'कांग्रेस पार्टी मुर्दाबाद' के नारे लगाए। इंदौर 3 सीट से बीजेपी विधायक गोलू शुक्ला ने कहा- यह कांग्रेसी मानसिकता के लोग हैं। जंडेल ने भगवान शंकर के प्रति जो बात बोली है, मैं उसकी निंदा करता हूं। इस तरह का कृत्य आगे से किया जाएगा तो उसका जवाब दिया जाएगा। शुक्ला ने कहा, 'वह इंदौर आएगा तो हम उसका मुंह काला करेंगे। यह मुद्दा विधानसभा में भी उठाया जाएगा। इस तरह भगवान के प्रति कोई अपशब्द कहेगा तो उसको छोड़ेंगे नहीं, जूते मारेंगे।'

महाकाल मंदिर के पुजारी बोले- कार्रवाई हो

अखिल भारतीय पुजारी महासंघ के अध्यक्ष और महाकाल मंदिर के पुजारी महेश शर्मा ने जंडेल की निंदा करते हुए कहा- कांग्रेस विधायक नशे में भगवान शिव को गाली देते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

हम मध्यप्रदेश सरकार से कानूनी कार्रवाई की मांग करते हैं। कई महीने तक जमानत न हो, ऐसी धाराओं में केस दर्ज किया जाए। सनातन धर्म का अपमान करने को लेकर एक कानून बने और उसमें सख्त सजा का प्रावधान हो।

हिंदू महासभा ने कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल के बयान पर आपत्ति जताई है। महासभा के ग्वालियर जिला अध्यक्ष लोकेश शर्मा ने कहा- बाबू जंडेल माफी मांगें। जिस विधायक ने करोड़ों हिंदुओं की आस्था के प्रतीक भगवान भोलेनाथ का अपमान किया, उसे कांग्रेस तुरंत पार्टी से निष्कासित करे। हिंदू महासभा ने कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल के पुतले को जूते-चप्पल से पीटा और फिर पुतला दहन किया। हिंदू महासभा ने कहा- माफी नहीं मांगी तो प्रदर्शन जारी रखेंगे

इंदौर के उद्योगपतियों की लड़ाई इंडिया से रूस पहुंची

कन्फेक्शनरी कारोबारी ने बताया- वहां की नागरिकता लेकर ठगे करोड़ों

इंदौर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंदौर में इन दिनों दो कन्फेक्शनरी कारोबारियों के बीच चल रही पैसों के लेनदेन की जंग रूस तक पहुंच गई है। इनमें से एक बिजनेसमैन गौरव अहलावत ने रूस की नागरिकता ले रखी है। इसके चलते पहले उन्होंने फिर उनकी रूसी पत्नी काजिया अलावा ने इंदौर के कन्फेक्शनरी कारोबारी संजय जैसवानी पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए रूस की सरकार से न्याय मांगा। लेकिन अब जैसवानी ने भी रूस की सरकार को पत्र लिखकर अपने साथ हुई करोड़ों की धोखाधड़ी के बारे में शिकायत की है। बता दें, इस कंपनी में प्रदेश के एक मंत्री का भी पैसा लगा है।

दोनों के बीच एक माह पहले पैसों के गड़बड़ी को लेकर विवाद शुरू हुआ था। इसके चलते इंदौर के कन्फेक्शनरी कारोबारी संजय जैसवानी ने एक सीए निशीथ नाहर को घर बुलाकर दो दिन तक पूछताछ की। जैसवानी का आरोप है कि करोड़ों के घपले के पीछे नाहर के साथ बिजनेसमैन गौरव अहलावत और अकाउंटेंट विजय पांचाल का हाथ है।

जैसवानी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से की गई शिकायत में बताया है कि, मैंने कभी अहलावत के साथ काम नहीं किया। मैंने अहलावत को इंदौर में फैक्ट्री सेटअप करने में मदद की थी। इसके बाद उसे जॉब वर्क के रूप में काम दिया। यहीं उसने मेरे साथ धोखाधड़ी की। वह रूसी नागरिकता का हवाला देकर मुझे ब्लैकमेल कर रहा है। मेरा या मेरी किसी कंपनी का अहलावत से कोई लेना देना नहीं है। इस संबंध में जैसवानी ने गुरुवार को जाहिर सूचना भी प्रकाशित की है।

कारोबारी संजय जैसवानी के बेटे तरुण जैसवानी ने गुरुवार को भारत में रूस के राजदूत डेनिस अल्पॉव और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिकायत की है। तीन पेज की शिकायत में तरुण ने बताया कि धोखाधड़ी के कारण उनकी कंपनी के 10 हजार कर्मचारियों पर रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

संजय जैसवानी के बेटे तरुण जैसवानी ने बताया कि अहलावत ने इंदौर में जीआरवी बिस्किट के नाम से कंपनी शुरू की थी। यह कंपनी पहले दिल्ली और हरियाणा में काम कर रही थी। इसके बाद 2016-17 में इंदौर में भी जीआरवी बिस्किट्स प्रा.लि. सेटअप किया। इसे हमारी कंपनी कैम्को ने बिस्किट और कन्फेक्शनरी बनाने के लिए जॉब वर्क दिया। कंपनी में अहलावत ने केवल 3 करोड़ रुपए निवेश किए थे।

तरुण ने आरोप लगाया कि जीआरवी बिस्किट्स में निशीथ नाहर सीए और विजय पांचाल अकाउंटेंट थे। गौरव ने इन दोनों के साथ मिलकर हमारी कंपनी को करोंड़ों रुपए का भुगतान नहीं किया और उस पैसे को धोखाधड़ी करते हुए दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दिया।

इन तीनों द्वारा जो भी वित्तीय गड़बड़ियां की गई हैं, हमने फॉरेन्सिक ऑडिट करवाया है, उसकी जो रिपोर्ट आएगी, वह हम पुलिस को सौंपेंगे।

फॉरेंसिक ऑडिट में बताया कैसे किया भ्रष्टाचार

जैसवानी ने फॉरेंसिक ऑडिट के लिए 14 पॉइंट की एक रिपोर्ट तैयार की है। उसके मुताबिक अहलावत के भाई मानवेसिंह ग्रेवाल की कंपनी हॉक आई इन्वेस्टिगेशन को 40.59 लाख रुपए का पेमेंट किया गया। गौरव ने 2021 से 24 तक चार साल में नॉन फिक्स्ड सैलरी के रूप में 66 लाख 90 हजार रुपए सैलेरी के रूप में निकाले। मां कृष्णावंती के नाम 88 लाख रुपए का लोन दिया पर वसूलने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। रूस की कंपनी एलएलसी

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 18 अक्टूबर- 2024

उम्मीदें ज्यादा, शक्ति कम

उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस तरह की शपथ वे एक बार पहले भी ले चुके हैं। उनकी चुनावी वादे के अनुसार लोगों को उमर से बहुत उम्मीदें हैं। जम्मू कश्मीर में दस साल बाद चुनाव हुए हैं। इन दस सालों में बहुत कुछ बदल चुका है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद राज्य का दर्जा भी छिन चुका है। इसलिए वे अपने मन की कर पाएंगे, इसमें संदेह है। इसके बाद भी लोगों को नई सरकार से बहुत उम्मीदें बंधी हैं। वे इससे कैसे निपटते हैं, यह तो भविष्य ही बताएगा। बहरहाल, उमर की ताजा पारी हर तरह से बहुत ही महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पांच साल बात निर्वाचित सरकार मिलने से जम्मू-कश्मीर के लोग बहुत उत्साहित हैं। अनुच्छेद 370 के तहत हासिल विशेष दर्जा समाप्त होने से जम्मू कश्मीर की अब वह हैसियत भी नहीं रही। ऐसे में नई सरकार के मुखिया के तौर पर उमर अब्दुल्ला आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतर पाएंगे, अभी कुछ कहना जल्दबादी होगी। सकून की बात है कि आम लोगों को भी उनकी कठिनाइयों का अंदाजा है, तो खुद उमर ने भी व्यावहारिक नजरिया अपनाने का संकेत दिया है। चुनाव के दौरान अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग पर कड़ा रुख अपनाने वाले उमर ने नतीजे आने के बाद इस मसले पर अपने रुख में नरमी लाई है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात ऐसे नहीं हैं, जिनमें इस मुद्दे पर जोर देने का किसी को कुछ फायदा होगा। उम्मीद बढ़ाने वाली बात यह भी है कि सभी दलों ने चुनावी कड़वाहट को पीछे छोड़ते हुए विकास के मुद्दे पर सहयोगात्मक रुख अपनाने का संकेत दिया है। न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नई सरकार के साथ मिलकर काम करने का संकेत दिया है बल्कि खुद उमर ने भी पिछले दिनों एक इंटरव्यू में कहा कि उपराज्यपाल से टकराव मोल लेकर मैं जम्मू-कश्मीर की जनता का क्या भला कर पाऊंगा। उपमुख्यमंत्री पद जम्मू संभाग से चुने गए विधायक को दे दिया है तो कांग्रेस के लिए कैबिनेट में स्थान खाली रखने की गुंजाइस रख कर उमर अब्दुल्ला यह संकेत दे रहे हैं कि वह सबको साथ लेकर चलने की मंशा रखते हैं। कांग्रेस ने फिलहाल सरकार को बाहर से समर्थन देने की बात कही है, लेकिन इसका कारण राज्य का दर्जा न मिलने को बताया है। इसमें इस सावधानी की झलक देखी जा सकती है कि मुद्दा मंत्री पदों की संख्या का या इंडिया ब्लॉक के घटक दलों में मतभेद का न बन जाए। फिर भी इस बात की हवा दी जा रही है कि मंत्री पद की संख्या को लेकर कांग्रेस में नाराजगी है। फिसलन भरी राह में तमाम शुरुआती पॉजिटिव संकेत दिखाई देने लगे हैं। इसके बावजूद अभी से यह नहीं कहा जा सकता कि नई सरकार का यह कार्यकाल कितना फलप्रद साबित होने वाला है। राज्य का दर्जा वापस करने की मांग तो अपनी जगह है ही, एक-एक फैसले पर कैबिनेट और उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र का मसला सामने आ सकता है। ऐसे में देखना होगा कि इन सबके बीच जम्मू-कश्मीर की नई सरकार को बहुत ही सधे कदमों से आगे बढ़ना होगा।

यूपी के उप चुनाव में बीजेपी-सपा फ्रंट पर तो कांग्रेस को अखिलेश का सहारा

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की रिक्त दस में से नौ विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को उपचुनाव कराने का फैसला लेकर चुनाव आयोग ने चुनाव की तारीखों को लेकर चल रहे सभी कयासों पर विराम लगा दिया है। बीजेपी, समाजवादी पार्टी ने अपनी-अपनी बिसात बिछा दी है। दिग्गजों के हाथ में चुनाव की कमान सौंपने के दोनों ही दल प्रत्याशियों के चयन में भी सतर्कता बरत रहे है। सपा ने राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव सहित कई दिग्गजों को अगस्त में ही छह सीटों का चुनाव प्रभारी बनाकर चुनावी बिगुल फूंक दिया है। इन छह सीटों पर ही अब तक सपा ने अपने प्रत्याशी भी घोषित किए हैं।

अब शेष चार सीटों में से सपा दो और पर अपने उम्मीदवार उतार सकती है। सपा गठबंधन में गाजियाबाद सदर सीट कांग्रेस को दे सकती है। सूत्रों के मुताबिक अलीगढ़ की खैर सीट के लिए भी सपा व कांग्रेस में बात चल रही है। उत्तर प्रदेश की जिन नौ सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की गई, उनमें वर्ष 2022 के चुनाव में चार सीटें करहल, कटेहरी, कुंदरकी व सीसामऊ सपा ने जीती थीं। मीरापुर सीट पर आरएलडी ने सपा के साथ गठबंधन में जीत दर्ज की थी। सपा ने शिवपाल सिंह यादव को कटेहरी सीट की कमान सौंपी है। फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव को मिल्कीपुर सीट का प्रभारी बनाया है। हालांकि, इस सीट पर अभी उपचुनाव घोषित नहीं हुआ है। चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह को मझवां, पूर्व मंत्री चंद्रदेव यादव को करहल, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज को फूलपुर और विधायक राजेंद्र कुमार को सीसामऊ सीट का प्रभारी बनाया गया है। सपा ने अब तक गाजियाबाद, खैर, मीरापुर और कुंदरकी सीट पर अपने प्रभारी घोषित नहीं किए हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने करहल सीट जीती थी। अखिलेश यादव ने भतीजे तेज प्रताप यादव को करहल से उतारा है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की बेटी राजलक्ष्मी यादव के पति तेज प्रताप यादव वर्ष 2014 में मैनपुरी सीट से सांसद चुने गए थे।इस बार लोकसभा चुनाव में उनको कन्नौज से प्रत्याशी घोषित किया गया था, हालांकि अंतिम समय में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के चुनाव मैदान में उतर आए थे। कानपुर की सीसामऊ सीट से सपा के इरफान सोलंकी पिछली बार विजयी हुए थे। कोर्ट से मिली सजा के चलते विधायकी गंवाने वाले इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी इस सीट से उपचुनाव लड़ेंगी। तीन बार के विधायक रह चुके मुज्तबा सिद्दीकी को फूलपुर, अंबेडकर नगर से सांसद बनने के बाद लालजी वर्मा की सीट कटेहरी पर उनकी पत्नी शोभावती वर्मा और मिर्जापुर की मझवां सीट से डॉ. ज्योति बिंद सपा प्रत्याशी होंगी। डॉ. ज्योति बसपा से तीन बार विधायक और भदोही से भाजपा के सांसद रहे डॉ. रमेश बिंद की बेटी हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सभी सीटों पर अपनी यूथ विंग को जुटने के निर्देश दिए हैं। वह खुद भी उप चुनाव की कमान संभालेंगे। अखिलेश उपचुनावों में प्रचार से दूरी बनाकर रखते हैं। उधर,लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन से झटका खा चुकी भाजपा के लिए उपचुनाव अग्निपरीक्षा माना जा रहा है। पार्टी इस चुनाव में बेहतर प्रदर्शन कर लोकसभा चुनाव का हिसाब चुकता करने के साथ ही विधानसभा चुनाव के लिए बड़ा संदेश देना चाहती है। उपचुनाव की तारीखों के एलान से पहले ही सत्ताधारी दल ने जमीनी मोर्चे पर अपने सभी मंत्रियों की तैनाती कर दी थी। रालोद का साथ भाजपा की उम्मीदों को और परवान चढ़ा रहा है।

अरुणाचल प्रदेश के तवांग पर क्यों टिकी हैं चीन की नजरें ?

अशोक भाटिया

1950 के दशक के आखिर में तिब्बत को अपने में मिलाने के बाद चीन ने अक्साई चिन के 38000 वर्ग किलोमीटर इलाके पर कब्जा कर लिया था, यह इलाका लद्दाख से जुड़ा थे। यहां पर चीन ने नेशनल हाईवेज 219 बनाया, जो उसके पूर्वी प्रांत शिनजियांग को जोड़ता है और भारत इसे चीन का अवैध कब्जा मानता है। वैसे तो चीन पूरे अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा ठोकने की कोशिश करता है, लेकिन उसकी खास दिलचस्पी तिब्बत और भूटान की सीमा से लगे हुए तवांग में सबसे ज्यादा है।कुछ समय पूर्व तवांग में चीनी सैनिक घुसने की कोशिश कर रहे थे जिसे भारतीय सैनिकों ने नाकाम कर दिया और खदेड़ दिया। लेकिन चीन की तवांग में क्या दिलचस्पी है? 1914 में ब्रिटेन, चीन और तिब्बत के बीच शिमला में एक कॉन्फ्रेंस हुआ। इसमें बॉर्डर से जुड़े अहम फैसले लिए गए। ब्रिटिश इंडिया और तिब्बत के बीच 890 किलोमीटर की सीमा खींची गई। इसके तहत तवांग (अरुणाचल प्रदेश) को भारत का हिस्सा माना गया। लेकिन इस कॉन्फ्रेंस का कोई लिखित रिकॉर्ड नहीं रखा गया। चीन के प्रतिनिधियों ने तत्काल वाले मैप पर तो साइन किए लेकिन बाद में डिटेल्ड मैप पर साइन नहीं किए।चीन इसके बाद से कहता है कि उसे धोखे और अंधेरे में रखते हुए मैकमहोन रेखा खींची गई। यही कारण है कि चीन मैकमहोन लाइन को मानने से इनकार करता रहता है। चीन का कहना है कि भारत और चीन के बीच आधिकारिक तौर पर बॉर्डर कभी तय ही नहीं हुआ। चीन का मानना है कि तिब्बत कोई संप्रभु देश नहीं है जो बॉर्डर को लेकर किसी भी एग्रीमेंट पर साइन करे। चीन पूरे अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा जताता है और उसे दक्षिणी तिब्बत बताता है।तवांग का सामरिक तौर पर बहुत अहम स्थान है। राजधानी ईटानगर से करीब 450 किलोमीटर दूर तवांग अरुणाचल प्रदेश का सबसे पश्चिमी जिला है। तवांग चीन के साथ ही भूटान के साथ भी बॉर्डर साझा करता है। हिमालय के फुटहिल्स में स्थित भारत के इस क्षेत्र को पहले नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी कहते थे। यह ब्रिटिश इंडिया के राजनैतिक विभाजन में से एक थी और 1972 तक इसे इसी नाम से जाना जाता था। इसके बाद 20 जनवरी 1972 को इसे भारतीय गणराज्य का एक केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा प्राप्त हुआ और इसका नाम बदलकर अरुणाचल प्रदेश कर दिया गया। अरुणाचल प्रदेश को अंततः 20 फरवरी 1987 को भारत का 24वां राज्य घोषित किया गया। यह उत्तर में बर्फ से ढके पहाड़ों से लेकर दक्षिण में ब्रह्मपुत्र घाटी के मैदानी इलाकों तक फैला हुआ है। अगर एरिया वाइज देखें तो 8374 स्क्वायर किलोमीटर के एरिया के साथ अरुणाचल प्रदेश पूरे नॉर्थ-ईस्ट रीजन में सबसे बड़ा राज्य है। इसके साथ ही भौगोलिक क्षेत्र का अधिकांश भाग भूमि है, जो 98 प्रतिशत जंगल और 2 प्रतिशत पानी से घिरा हुआ है। यह राज्य भूटान, तिब्बत और म्यांमार के साथ सीमा साझा करता है। 1914 के शिमला समझौते ने ईस्टर्न सेक्टर में एलएसी के साथ अलाइन करते हुए मैकमोहन लाइन को ब्रिटिश इंडिया और तिब्बत के बीच नई सीमा के रूप में परिभाषित कर दिया था। यह नाम ब्रिटिश इंडिया के फॉरेन सेक्रेटरी सर हेनरी मैकमोहन के नाम पर रखा गया था। सर हेनरी मैकमोहन ने 1914 में ग्रेट ब्रिटेन, चाइना और तिब्बत के बीच हुए शिमला कन्वेंशन के तहत ब्रिटिश इंडिया और तिब्बत के बीच सीमा के रूप में 890 किलोमीटर की एक रेखा खींच दी थी। हालांकि अंत में चाइना ने इस लाइन को स्वीकार नहीं किया और यह समझौता ब्रिटिश इंडिया और तिब्बत के बीच साइन किया गया था। चूंकि तिब्बत तब चाइना से अलग हुआ करता था, इस संधि के लिए चाइना के रिप्रेजेंटेशन की तब कोई जरूरत नहीं थी और इस संधि के द्वारा तिब्बत ने तवांग सहित अपने दक्षिण के कुछ क्षेत्रों को ब्रिटिशर्स को सौंप दिया था।भारत के लिए यह एक महत्त्वपूर्ण रणनीतिक क्षेत्र बन जाता है। जोकि दूसरी तरफ चाइना के लिए एक अनुकूल स्थिति नहीं है। यदि चाइना भविष्य में तवांग पर आक्रमण करने में सफल होता है तो यह रास्ता चाइना को भारत के सिलीगुड़ी कॉरिडोर या चिकनस नेक तक पहुंचने में एक आसान रास्ता भी प्रदान करेगा। सिल्लीगुड़ी कॉरिडोर भूमि का एक नैरो स्ट्रेच है, जो भारत को अपने ईस्टर्न राज्यों से जोड़ता है और इस वजह से यह भी एक रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण केंद्र बन जाता है। यदि हम भौगोलिक निकटता से देखें तो तवांग एक लैंड लॉक्ड रीजन भी है। इसके नॉर्थ में तिब्बत ऑटोनोमस रीजन, साउथ वेस्ट में भूटान और ईस्ट में अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट कमिंग जिला से अलग हुई सेला पास है और इस प्रकार यहां एक ट्राई जंक्शन बनता है। तवांग पर कब्जा करने के लिए चाइनीज सोल्जर्स को सेला पास तक पहुंचना होगा। सेला पास आने के लिए उन्हें तवांग में स्थित येंगजी क्षेत्र से होकर आगे आना होगा। इसके अलावा येंगजी में 17000 फीट ऊंची एक चोटी है, यह शिखर वर्तमान में भारत के नियंत्रण में आता है, जो बॉर्डर के दोनों तरफ एक शानदार दृश्य प्रदान करता है और इसीलिए भारत फायदे की स्थिति में रहा है। तवांग में दुनिया का दूसरा सबसे तिब्बती बौद्ध मठ है। तिब्बत की राजधानी ल्हासा के बाद सबसे बड़ा। इसे मठ को बेहद पवित्र माना जाता है। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि यह मठ चीनी शासन से दूर रहने के कारण अब तक अपने शुद्ध रूप में है। तवांग तिब्बती संस्कृति के अंतिम बचे केंद्रों में से एक है। जब चीनी सैनिक तिब्बत को तबाह कर रहे थे तो इस मठ ने कई अमूल्य पांडुलिप और पुराने शास्त्रों को बचाया है। तवांग मठ देवता पालदेन ल्हामो या देवी द्री देवी को समर्पित है, जिन्हें तिब्बत का प्रमुख संरक्षक माना जाता है। मान्यता है कि यदि यह मठ गिर जाता है तो तिब्बत और तिब्बती बौद्ध धर्म हमेशा के लिए समाप्त हो जाएंगे। तवांग तिब्बती बौद्ध केंद्र का आख़िरी सबसे बड़ा गढ़ है जिसे चीन सालों से नष्ट करना चाहता है। इस मठ की विरासत बीजिंग और नई दिल्ली के बीच टकराव का केंद्र रही है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि चीन जानबूझकर तवांग सेक्टर में झड़पों को अंजाम देकर भारत की सैन्य तैयारियों की जांच करता है। गौरतलब है कि लद्दाख और अरुणाचल में चीन आज भी लगातार भारत को उकसाने वाली हरकतें करने से बाज नहीं आ रहा क्योंकि वह चाहता है कि उकसाने में आकर भारत कोई ऐसी कार्रवाई करे, जिसका फायदा वो उठा सके। चीन का अरुणाचल के बड़े हिस्सों पर अपना दावा जताना कोई नई बात नहीं। वह पहले भी हमारे कई नेताओं तक की अरुणाचल यात्रा पर कई बार विरोध कर चुका है। यद्यपि अरुणाचल प्रदेश एक अलग राज्य के रूप में वर्ष 1987 में ही अस्तित्व में आया। उससे पहले 1972 तक इसे नार्थ ईस्ट फ्रंटियर के नाम से जाना जाता था लेकिन 20 जनवरी, 1972 को इसे केन्द्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया गया और इसका नाम अरुणाचल प्रदेश कर दिया गया। उसके बाद पिछले तीन दशक में पूर्व में स्थित अनजान से लेकर राज्य के पश्चिम में स्थित तवांग तक 'लाइन ऑफ एकचुअल कंट्रोल' के आसपास 1126 किलोमीटर के इलाके के पास चीन की गतिविधियों के निरंतर बढ़ते रहने की बात सामने आने लगी। 1986 में भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश के तवांग के पास चीनी सेना की बनाई स्थाई इमारतें देखीं तब पहली बार इस क्षेत्र में भारतीय सेना सक्रिय हुई और उसने हाथुंगला पर अपनी तैनाती को मजबूत कर लिया। तब चीन इस कदर बौखला गया और दोनों देशों में युद्ध की स्थिति पैदा हो गई थी। मामला तब शांत हुआ था जब तत्कालीन विदेश मंत्री नारायण दत्त तिवारी बीजिंग पहुंचे। लेकिन बाद के सालों में चीन ने बहुत आक्रामकता दिखाई। उसने दिवगंत घाटी में पोस्टर लगाकर उस पूरे इलाके को ही चीन के अधीन बता दिया था। भारत-चीन सीमा विवाद पर बैठकों की लम्बी यात्रा के दौरान चीन ने अरुणाचल को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा करने की कोशिश की। उसने अरुणाचल के लोगों को भावनात्मक स्तर पर भारत से तोड़ना चाहा। उसने स्पष्ट संदेश दिया कि अरुणाचल के लोग चीन के ही नागिरक हैं। उसने अरुणाचल के युवाओं को बिना वीजा चीन में प्रवेश देकर यह संदेश दिया था की जब आप चीन के ही नागरिक हैं तो फिर वीजा की क्या जरूरत है। चीन की नजरें अरुणाचल के तवाऊं शहर में तवांग मठ पर हैं। 15वें दलाई लामा का जन्म यहीं हुआ था। तवांग मठ सबसे प्रमुख बौद्ध स्थल है। चीन तवांग को लेकर तिब्बत की तरह प्रमुख बौद्ध स्थलों पर मजबूत पकड़ बनाना चाहता है। 1962 के युद्ध में चीन ने तवांग मठ पर भी कब्जा कर लिया था लेकिन बाद में उसे यहां से वापिस लौटना पड़ा था।

क्या किसान आंदोलन राजनीति से प्रेरित है

राजेश कुमार पासी

जब 2020 में किसान आंदोलन शुरू हुआ था तो उस वक़्त ही उस आंदोलन पर सवाल खड़े होना शुरू हो गए थे । उस समय किसान आंदोलन का लक्ष्य सबको स्पष्ट दिखाई दे रहा था। मोदी सरकार कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए तीन कृषि कानून लेकर आई थी । उन तीनों कानूनों को लेकर किसान बहुत नाराज थे क्योंकि उन्हें यह समझा दिया गया था कि इस कानून के कारण मंडी व्यवस्था खत्म हो सकती है। पंजाब और हरियाणा के किसानों में यह अफवाह फैला दी गई थी कि इस कानून के कारण पूंजीपति उनकी जमीन छीन लेंगे । इसके अतिरिक्त भी कई किस्म की भ्रांतियां किसानों में फैल गयी थी। जब आंदोलन शुरू हुआ तो किसान उसके साथ जुड़ गए। किसान नेताओं ने किसानों में फैले हुए डर का फायदा उठाया और सरकार के सामने नाजायज मांगे रखनी शुरू कर दी । सरकार ने किसान नेताओं को कहा कि उन्हें कृषि कानून से जो भी परेशानियां हैं वो सरकार के सामने रखें ताकि सरकार कानून में सुधार कर सके । किसान नेताओं ने कृषि कानूनों को काले कानून घोषित कर दिया लेकिन कानूनों में कोई भी कमी नहीं बता पाए । वास्तव में किसान नेता सोचते थे कि सरकार कानूनों को वापिस नहीं लेगी और उनका आंदोलन चलता रहेगा । सरकार और किसानों के बीच कई दौर की बातचीत हुई लेकिन किसान कानूनों को वापिस लेने की जिद्द पर अड़े रहे । मोदी सरकार ने किसान आंदोलन के तेरह महीने बाद कानून वापस ले लिये । किसान नेता आंदोलन खत्म नहीं करना चाहते थे लेकिन जब कोई बहाना नहीं बचा तो मजबूरी में आंदोलन को खत्म करने की घोषणा कर दी गई । लेकिन ये आधा सच है कि किसान आंदोलन खत्म हो गया था जबकि पूरा सच यह है कि किसान आंदोलन कभी खत्म नहीं हुआ था. वो आज भी चल रहा है । वास्तव में किसान आंदोलन दिल्ली की सीमाओं से उठकर पंजाब में आ गया है । पंजाब में कहीं न कहीं किसानों का धरना प्रदर्शन चलता रहता है और अब पिछले 6 महीनों से हरियाणा-पंजाब की सीमा पर दो जगहों पर किसानों ने पक्का मोर्चा लगा रखा है । वो दिल्ली की सीमाओं पर फिर एक बार पक्के मोर्चे लगाना चाहते हैं लेकिन हरियाणा सरकार उन्हें दिल्ली नहीं जाने दे रही है । कांग्रेस ने चुनाव के दौरान घोषणा कर दी थी कि जब उसकी सरकार बनेगी तो हरियाणा के बॉर्डर खोल दिये जायेंगे और किसानों को दिल्ली जाने से नहीं रोका जायेगा । कांग्रेस की जीत की संभावना प्रबल होने के कारण किसानों ने दिल्ली जाने की पूरी तैयारी कर ली थी लेकिन भाजपा की जीत ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है । हरियाणा में भाजपा की जीत ने किसान आंदोलन की उस सच्चाई को सामने लाकर रख दिया है जिसे जानते तो सब थे लेकिन मानता कोई नहीं था । यह सच्चाई भी मीडिया या किसी नेता ने नहीं बताई है बल्कि किसान नेता ही बता रहे हैं । हरियाणा-पंजाब की सीमा पर चल रहा आंदोलन किसानों की मांगों के लिए नहीं बल्कि भाजपा को राजनीतिक नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा रहा है । यही कारण है कि एक राज्य का आंदोलन राज्य सरकार के खिलाफ नहीं बल्कि केन्द्र सरकार के खिलाफ चल रहा है । पूरे देश के किसानों के लिए एमएसपी की गारंटी, पूर्ण कर्जमाफी और दस हजार रुपये मासिक पेंशन की मांग पंजाब के किसानों द्वारा की जा रही है । पहली बात तो यह है कि इन मांगों को कोई भी सरकार पूरा नहीं कर सकती. दूसरी बात यह है कि इन मांगों पर पूरे देश का किसान पंजाब के किसान नेताओं के साथ नहीं है । वास्तव में देश का किसान जानता है कि यह मांगे पूरी नहीं की जा सकती, इसलिए वो इस आंदोलन के साथ नहीं है बल्कि पंजाब के भी सभी किसान संगठन इस आंदोलन के साथ नहीं है । सवाल उठता है कि जब इन मांगों से किसानों का भला हो सकता है तो पूरे देश का किसान साथ क्यों नहीं आ रहा है । देश की बात छोड़ो, पंजाब का किसान भी साथ क्यों नहीं आ रहा है । 2022 में किसान आंदोलन वाले किसान नेताओं ने पंजाब विधानसभा का चुनाव लड़ा था और सबने अपनी जमानत जब्त करवा ली थी । अब यही काम हरियाणा में हुआ है, किसान आंदोलन वाले कई नेताओं ने चुनाव लड़ा और अपनी जमानतें जब्त करवा ली । हरियाणा के सबसे बड़े किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी को किसान बहुल विधानसभा सीट से मात्र 1170 वोट मिले हैं जो ये बता रहे हैं कि इन किसान नेताओं को किसानों का कितना समर्थन प्राप्त है। अपनी हार से बोखलाए चढ़ूनी ने किसान आंदोलन का पूरा सच खुद ही बयान कर दिया है। चढ़ूनी ने भूपेंद्र सिंह हूड्डा को बुद्धिहीन बता दिया है और कहा है कि हमने हरियाणा में माहौल बनाया था लेकिन हम में से किसी को टिकट नहीं दी गई । अगर मुझे न देते तो दूसरे दो नेताओ को दे देते, इसलिए मैं खड़ा हुआ, रमेश दलाल और हर्ष छिकारा खड़ा हुआ । वो कहते हैं कि हरियाणा में कांग्रेस इसलिए हार गई क्योंकि हुड्डा ने किसी से समझौता नहीं किया और कांग्रेस ने सब कुछ हुड्डा पर छोड़ दिया था । वो कहते हैं कि कांग्रेस को अब हुड्डा को विपक्ष का नेता नहीं बनाना चाहिए क्योंकि उन्होंने विपक्ष की भूमिका नहीं निभाई । अगर कांग्रेस ने दोबारा हुड्डा को नेता बना दिया तो कांग्रेस फिर हार जायेगी । उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि कांग्रेस की जगह किसानों ने विपक्ष की भूमिका निभाई है। यूपी चुनाव के समय कुछ ऐसा ही बयान योगेन्द्र यादव ने दिया था । उन्होंने कहा था हमने तो विपक्ष के लिए पिच तैयार कर दी थी लेकिन बैटिंग और बोलिंग करना तो विपक्ष का काम था । अब अगर वो ठीक से नहीं खेल पाए तो हमारा क्या कसूर है। हम खिलाड़ी नहीं थे हमने तो सिर्फ पिच तैयार की थी। अगर अखिलेश यादव योगी को आउट नही कर पाए तो हमें कसूरवार न ठहराये। किसान आंदोलन से पहले तो वहां विपक्ष था ही नहीं, हमने विपक्ष को खड़ा किया। विपक्ष को खड़ा करने की जिम्मेदारी हमने निभाई लेकिन जीतना तो विपक्ष को चाहिए था, अगर वो नहीं जीता तो हम क्या कर सकते हैं। योगेंद्र यादव ऐसा आदमी है जो हर विरोध प्रदर्शन और आंदोलन में दिखाई देता है। राकेश टिकैत चढ़ूनी के इस बयान से चिढ़ गए और बोले जिसका जो मन आ रहा है, कह रहा है। उन्होंने हरियाणा चुनाव पर अजीब बयान दिया कि जनता तो भाजपा को वोट नहीं दे रही है, अब वोट कहाँ से आ रहे हैं, हमें नही पता। एक तरह से वो कांग्रेस की लाइन पर ईवीएम पर सवाल खड़े कर रहे हैं। यह साबित होता जा रहा है कि ये किसान नेता किसानों के लिए नहीं बल्कि राजनीतिक दलों के लिए काम कर रहे थे। इस आंदोलन का मकसद किसानों की समस्याओं का हल करना नहीं है बल्कि भाजपा को राजनीतिक नुकसान पहुंचाना है।

संसार की बिडंबना

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

हर सुबह की तरह, रामू चाय की दुकान पर बैठा अपने जीवन की गंभीरता पर विचार कर रहा था। चाय की चुस्की लेते हुए, उसने अपने साथी चायवाले से कहा, "यार, देखो इस जीवन की कितनी बिडंबना है। हम रोज़ काम करते हैं, फिर भी कुछ नहीं हासिल होता। जैसे जैसे समय गुजरता है, बस चाय का स्वाद ही बदलता है। चायवाले ने चुटकी लेते हुए कहा, "सही कहते हो रामू भैया, लेकिन तुम्हें पता है, सरकार ने कहा है कि हमारे जीवन में खुशियाँ लाने के लिए एक नया कानून बना दिया है। अब हर आदमी को अपनी नाकामियों के लिए सरकार को धन्यवाद देना होगा!" रामू हंसते हुए बोला, "वाह! ये तो कमाल है। अब हम अपनी हर नाकामी का जश्न मनाएंगे। जैसे, 'आज मैंने एक और नौकरी गंवा दी, धन्यवाद सरकार!'""और सोचो, अगर कोई लड़का अपनी प्रेमिका से धोखा खा जाए, तो वो भी कहेगा, 'धन्यवाद सरकार, आपने मुझे ये सच्चाई दिखाई!'" चायवाला बोला।"कितनी अजीब बात है," रामू ने सिर हिलाते हुए कहा। "जिंदगी में जो असफलता है, उसे लेकर उत्सव मनाने लगे हैं। शायद हमें अब हर दुखदायी घटना पर पटाखे फोड़ने चाहिए।" दोनों हंस पड़े। रामू ने आगे कहा, "अब तो किसी के पास टाइम ही नहीं है। सब अपने अपने 'धन्यवाद' के साथ व्यस्त हैं। नौकरी गंवाने का एक नया ट्रेंड चल रहा है। लोग कहते हैं, 'अरे, मैंने नौकरी खो दी, क्या नया धंधा शुरू करूँ?' जैसे कि ये एक खेल हो।"चायवाला गंभीर होकर बोला, "भाई, इससे तो बेहतर है कि हम सब मिलकर एक संघ बना लें। 'नाकामियों का संघ'! और हर महीने एक मीटिंग करें। हर कोई अपनी नाकामी बताए, और हम सब मिलकर ताली बजाएँ!"रामू ने जोर से हंसते हुए कहा, "क्या बात है! फिर तो हमारी सभा में हीरो की कमी नहीं होगी। हर कोई अपनी नाकामियों का महाकवि बन जाएगा!"अचानक, पास खड़े एक आदमी ने कहा, "भाई, तुम लोगों की बातें सुनकर तो मैं सोच रहा हूँ कि नाकामियों का भी अब एक उद्योग होना चाहिए। शायद कोई 'नाकामियों का मेला' लगाना पड़े। वहाँ सब अपनी नाकामियों का प्रदर्शन करें।"रामू और चायवाले ने फिर से हंसते हुए कहा, "सच में, ये जीवन अब नाकामियों का एक बड़ा मेला बन गया है। हर दिन हम नए नए तिरस्कार के साथ जीते हैं, और फिर भी एक-दूसरे से कहते हैं, 'कोई बात नहीं, अगले महीने फिर से कोशिश करेंगे!'"इस पर चायवाला बोला, "यही तो इस जीवन की बिडंबना है।

ऐसा देश है मेरा

रजनीश कपूर

मशहूर फ़िल्म निर्माता यश चोपड़ा द्वारा बनाई गई फ़िल्म 'वीर ज़ारा' में भारतीय वायु सेना के एक सैनिक और पाकिस्तानी महिला की प्रेम कथा को दर्शाया गया। इसी फ़िल्म के एक गाने में भारत का ये सैनिक अपनी प्रेमिका को भारत की खूबियाँ गिनाता है। परंतु आज हम जिस विषय को इस कॉलम में उठाएँगे वह हमारे देश की गंगा - जमुनी तहज़ीब की विशेषता पर आधारित है। बरसों से हमारा देश बिना किसी भेद-भाव के सभी धर्मों का सम्मान करते हुए एकजुटता से रहता आया है। परंतु सत्ता के लोभी, चाहे किसी भी दल के क्यों न हों, हमेशा से इस एकता के ख़िलाफ़ षड्यंत्र रचते आए हैं। बिना इस बात का अंदाज़ा लगाए कि चुनावी राजनीति तो अस्थाई है जबकि आपसी मेल-मिलाप हमेशा से ही स्थाई रहा है। पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एक ऐसी पोस्ट देखी जिसने इस लेख का विषय प्रेरित किया।

हमारे देश के गौरव माने जाने वाले उस्ताद बिस्मिल्ला ख़ान और उस्ताद विलायत ख़ान की एक जुगलबंदी यूट्यूब पर देखी। इस जुगलबंदी में उस्ताद विलायत ख़ान का सितार और उस्ताद बिस्मिल्ला ख़ान की शहनाई जिस लोक गीत को बजा रहे थे वह ब्रज में गोपियों द्वारा माँ यशोदा को नंदगोपाल की शिकायत को दर्शाता है। गीत के बोल कुछ इस प्रकार हैं, 'मोहे पनघट पे नंदलाल छेड़ गयो रे'। इस जुगलबंदी को देख कर इस बात का ज़रा भी एहसास नहीं होता कि मुस्लिम कलाकारों द्वारा गाए व बजाए गये इस लोक गीत में कोई भेदभाव है। ग़ौरतलब है कि यह लोक गीत बॉलीवुड की सुपर हिट फ़िल्म 'मुग़ल-ए-आज़म' से लिया गया है। उल्लेखनीय है कि इस गीत को बॉलीवुड के मशहूर गीतकार शकील बदायूनी ने लिखा है और इसका संगीत नौशाद द्वारा दिया गया है। यह फ़िल्म मुग़ल बादशाह अकबर के बेटे शहज़ादे सलीम और एक कनीज़ की प्रेम कहानी पर आधारित है। यदि आप यूट्यूब पर इस जुगलबंदी को खोजेंगे तो आप इस जुगलबंदी में दोनों कलाकारों द्वारा बजाए जाने वाले साज़ों की मधुर आवाज़ के साथ-साथ कलाकारों के चेहरे के भाव को अनदेखा नहीं कर सकते। ग़ौरतलब है कि मुग़ल-ए-आज़म फ़िल्म हो या कोई अन्य फ़िल्म, जब भी कभी किसी भी कलाकार को, बिना उसके धर्म के भेद-भाव किए जो भी किरदार दिया जाता है वह उसे बखूबी निभाता है। चूँकि फ़िल्में समाज का आईना मानी जाती हैं, वह अपनी अच्छी-बुरी कहानियों के द्वारा हमारे समाज में एक छाप छोड़ देती हैं। फिर वो चाहे सकारात्मक हो या नकारात्मक। आपको ऐसे अनेकों उदाहरण मिल जाएँगे जहां कलाकार बिना अपने धर्म की परवाह किए, दूसरे धर्म का किरदार बखूबी निभाते हुए नज़र आएँगे। ऐसे किरदारों को निभाते हुए वह उस किरदार में इस कदर घुल-मिल जाते हैं कि आप उन्हें वास्तव में उस किरदार के नाम से ही पहचानने लग जाते हैं। कलाकार किसी भी धर्म और जाति के क्यों न हों वह अपने किरदार और उससे संबंधित गीत-संगीत में कभी भी भेद-भाव नहीं करते। बल्कि अक्सर ऐसा देखा गया है कि एक धर्म के कलाकार ने दूसरे धर्म के किरदार को इतना बढ़िया निभाया है कि वह किरदार यदि उसी धर्म के किसी कलाकार द्वारा निभाया गया होता तो शायद इतना बेहतर ना होता। बॉलीवुड से जुड़े जितने भी लोगों से मेरा संपर्क हुआ है, उन सभी ने इस बात को स्पष्ट रूप से कहा है कि वे धर्म व जाति के आधार पर आपस में किसी भी तरह का भेद-भाव नहीं करते। यहाँ सवाल उठता है कि यदि फ़िल्म अभिनेता आपस में किसी धर्म या जाति विशेष को लेकर इतने संवेदनशील नहीं होते तो हमारा समाज किस आधार पर बट रहा है? क्या हमारे समाज में सदियों से चले आ रहे इस भेद-भाव के प्रति चेतना को केवल राजनैतिक मंशा से ही बढ़ावा दिया जा रहा है? और कुछ नहीं तो आप इस जुगलबंदी के वीडियो को देखें तो किस क़दर दोनों कलाकार जो कई अन्य धर्म के मानने वाले हैं वे भगवान श्री कृष्णा की बाललीलाओं का गायन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कर रहे हैं।

इतना ही नहीं जुगलबंदी के समय वे एक दूसरे को पूरा सम्मान देते हुए ख़ुशी-ख़ुशी तारीफ़ भी करते हैं। जबकि बीते कुछ वर्षों से यह देखा गया है कि यदि कोई भी नौजवान अपने धर्म से इतर होकर दूसरे धर्म के लोगों का साथ देता है तो उसे सामाजिक कुरीतिओं का हवाला देते हुए पंथ-निकाला दिया जाता है। इतना ही नहीं उसकी फ़िल्मों को न देखने का ऐलान तक बड़े आक्रामक तरीक़े से भी किया जाता है। ऐसे में उसे न चाहते हुए, मजबूरी में अपने ही धर्म का साथ देना पड़ता है। मुझे अच्छे से याद है कि शायद ही कोई ऐसा स्वतंत्रता दिवस या गणतंत्रता दिवस हुआ हो जब हमने सुबह सबसे पहले उस्ताद बिस्मिल्ला ख़ान की शहनाई न सुनी हो। लेकिन बीते कुछ वर्षों से जिस तरह एक विशेष धर्म और समाज को लेकर भेद-भाव फैलाया जा रहा है वह हमें सही दिशा में नहीं ले जा रहा। ऐसे में हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को क्या समझा कर जाएँगे? यह एक अहम मुद्दा है।

त्योहारों को महीना कार्तिक

करवा चौथ, दिवाली , छठ पूजा से लेकर कार्तिक पूर्णिमा तक

हिंदू कैलेंडर का आठवां महीना कार्तिक मास का प्रारंभ शरद पूर्णिमा या अश्विन पूर्णिमा के अगले दिन से होता है। इस साल कार्तिक मास का शुभारंभ 18 अक्टूबर दिन शुक्रवार से हो रहा है। कार्तिक मास भगवान विष्णु का प्रिय माह माना जाता है। इस माह में पवित्र नदियों में स्नान का बड़ा महत्व है। कार्तिक स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से लेकर कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि तक होता है। कार्तिक मास में करवा चौथ, धनतेरस, दिवाली, छठ पूजा, कार्तिक अमावस्या, कार्तिक पूर्णिमा, देव दीपावली जैसे महत्वपूर्ण व्रत और त्योहार आते हैं। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ। गणेश मिश्र से जानते हैं कार्तिक मास के प्रमुख व्रत और त्योहारों के बारे में।

कार्तिक मास का शुभारंभ 2024

दृक पंचांग के कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरूआत 17 अक्टूबर गुरुवार को शाम 4 बजकर 55 मिनट से हो रही है। यह तिथि 18 अक्टूबर शुक्रवार को दोपहर 1 बजकर 15 मिनट पर खत्म होगी। उदयातिथि के आधार पर कार्तिक मास का शुभारंभ 18 अक्टूबर से हो रहा है। कार्तिक मास के पहले दिन सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह में 06:24 बजे से दोपहर 01:26 बजे तक है।

कार्तिक मास का समापन 2024

पंचांग के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा तिथि का शुभारंभ 15 नवंबर को सुबह 6 बजकर 19 मिनट पर होगा और इसका समापन 16 नवंबर को 2 बजकर 58 एएम पर होगा। ऐसे में कार्तिक पूर्णिमा 15 नवंबर को है। 15 नवंबर को कार्तिक मास का समापन होगा।

कार्तिक मास 2024 व्रत-त्योहार

20 अक्टूबर, रविवारः करवा चौथ
21 अक्टूबर, सोमवारः रोहिणी व्रत
24 अक्टूबर, गुरुवारः अहोई अष्टमी
28 अक्टूबर, सोमवारः रमा एकादशी
29 अक्टूबर, मंगलवारः धनतेरस, भौम प्रदोष व्रत,धन्वंतरि जयंती
31 अक्टूबर, गुरुवारः दिवाली, लक्ष्मी पूजा
1 नवंबर, शुक्रवारः कार्तिक अमावस्या
2 नवंबर, शनिवारः गोवर्धन पूजा, अन्नकूट
3 नवंबर, रविवारः भाई दूज
7 नवंबर, गुरुवारः छठ पूजा
12 नवंबर, मंगलवारः देवउठनी एकादशी
13 नवंबर, बुधवारः तुलसी विवाह
14 नवंबर, गुरुवारः वैकुंठ चतुर्दशी

करवा चौथ के दिन करवे में क्या भरते हैं?

हर साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी के दिन करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाओं द्वारा रखा जाता है। यह व्रत पति की लंबी उम्र और उत्तम स्वास्थ्य के लिए रखा जाता है। वहीं इस बार यह व्रत 20 अक्टूबर 2024, रविवार को पड़ रहा है। इस व्रत की पूजा के लिए कई सारी सामग्री की जरूरत होती है। इनमें से एक है करवा, जिसके बिना यह पूजा अधूरी है। करवे में कई तरह की सामग्री भरी जाती है। बता दें, मिट्टी से बना एक मटके जैसी आकृति छोटा बर्तन करवा कहलाता है, जो कि अब बाजार में पीतल या तांबे का भी उपलब्ध होता है। इसमें किन चीजों को भरा जाता जाता है?

गेहूं भरना है शुभ

करवा में कई सारी सामग्री भरी जाती है, जो कि पूरी तरह से शुद्ध और पवित्र होना जरूरी है क्योंकि मान्यता के अनुसार, करवा को करवा माता का प्रतीक माना जाता है और इसमें भरी जाने वाली सभी चीजें करवा माता को अर्पित की जाती हैं। इसमें मुख्य रूप से गेहूं भरा जाता है और इसे बेहद शुभ माना गया है।

चीनी, दूध और गंगाजल

करवे के ढक्कन में चीनी भरी जाती है, जो कि पूजा में शामिल होने वाली चीजों मे से एक है। आप चाहें तो करवे में गंगाजल या दूध भरकर भी रख सकती हैं। हालांकि, इस बात का विशेष ख्याल रखें कि , ये अर्घ्य देने वाला कलश करवे से अलग होना चाहिए।

अक्षत और चांदी का सिक्का

इसके अलावा आप करवे में अक्षत यानी कि चावल भी भर सकती हैं। करवे में आप खील या फिर चांदी का सिक्का डाल कर रख सकते हैं। क्योंकि, करवा चौथ के दिन चंद्रमा की पूजा को विशेष माना गया है और खील, चावल और चांदी तीनों ही चंद्रमा को मजबूत करती हैं।

इन दिनों में बिल्कुल न खरीदें झाड़ू, यह हैं शुभ और अशुभ दिन

है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इन दिनों में झाड़ू खरीदने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ सकता है और परिवार के सदस्यों को आर्थिक और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

झाड़ू खरीदने के अशुभ दिन

सप्ताह के कुछ खास दिन ऐसे होते हैं, जब झाड़ू खरीदना अशुभ माना गया है। पण्डित तिवारी के अनुसार, शनिवार और मंगलवार को झाड़ू खरीदने से घर में धन की हानि हो सकती है और आर्थिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इस दिन झाड़ू खरीदने से घर की लक्ष्मी नाराज होकर चली जाती हैं, जिससे घर की समृद्धि में कमी आ जाती है।

यह मान्यता शनि और मंगल ग्रहों से जुड़ी हुई है, जो कर्म, संघर्ष और अशुभता का प्रतिनिधित्व करते हैं। शनिवार को शनि देव और मंगलवार को मंगल ग्रह का दिन होता है, जिनकी स्थिति को ध्यान में रखते हुए इन दिनों में झाड़ू खरीदने से बचने की सलाह दी जाती

झाड़ू खरीदने के शुभ दिन

वहीं, ज्योतिष के अनुसार, कुछ दिन ऐसे भी होते हैं जब झाड़ू खरीदने को बहुत शुभ माना जाता है। पण्डित कामता प्रसाद तिवारी के अनुसार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को झाड़ू खरीदना सबसे अच्छा माना जाता है। इन दिनों में झाड़ू खरीदने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और भाग्य लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

इन शुभ दिनों में झाड़ू खरीदने से घर में आर्थिक समृद्धि और सुख-शांति का वास होता है। यह न केवल आर्थिक स्थिति को सुधारता है, बल्कि परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और सामंजस्य को भी बढ़ाता है। सही तरीके से झाड़ू का उपयोग करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त हो जाती है और घर का वातावरण पवित्र और शुद्ध बना रहता है।

धन प्राप्ति का सबसे अचूक उपाय अगर नियम से कर लिए तो मां लक्ष्मी होंगी प्रसन्न

आर्थिक तंगी व्यक्ति की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। कई लोग तो अच्छा कमाने के बाद भी इसका दंश झेल रहे हैं। उनकी समस्या होती है कि कमाते तो खूब हैं, लेकिन हाथ में पैसा नहीं रुकता है। यदि आप भी ऐसी ही परेशानियों से गुजर रहे हैं तो दिवाली पर वास्तु के कुछ उपाय फॉलो कर सकते हैं। ऐसा करने से तरक्की होने लगती है। साथ ही, धन संकट भी दूर होने लगता है।

धन प्राप्ति के ज्योतिष उपाय

दालचीनी का उपायः यदि इच्छाओं की पूर्ति करना चाहते हैं तो दिवाली पर दालचीनी पाउडर लें। उसके ऊपर से 7 बार घड़ी की विपरीत दिशा में अगरबत्ती घूमाएं और धन की कामना करते हुए पर्स में रख लें। इस पाउडर को तिजोरी या पैसे रखने वाली जगह पर भी छिड़क दें। ऐसा करने से जल्द ही मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं।

झाड़ू दान करें: मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए दिवाली के दिन लक्ष्मी मंदिर में झाड़ू का दान दें। इसके अलावा, कनकधारा स्त्रोत का पाठ जरूर करें। वहीं, आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए अशोक के पेड़ की जड़ को भी गंगाजल से धोकर धन रखने वाले स्थान पर रख सकते हैं।

तुलसी को दूध चढ़ाएंः अगर आप मनोकामनाएं पूरी करना चाहते हैं तो सुबह उठकर सबसे पहले सीधा पैर जमीन पर रखें। फिर नहाने के बाद दूध मिश्रित जल श्यामा तुलसी को अर्पित करें। शाम के समय सुनसान जगह पर सरसों के तेल में साबुत लौंग जलाएं। इससे आपके इष्ट देवी-देवता प्रसन्न होंगे।

धनिया का उपायः दिवाली पर थोड़ी सी मिट्टी में धनिया के बीज मिलाएं। अब इसमें 1 रुपए का सिक्का मिलाकर एक पात्र में डाल दें। फिर इस मिट्टी में थोड़ा पानी डालकर उत्तर दिशा में रखें। जब धनिया उग जाए तो इसका इस्तेमाल खाने में करें। और सिक्के को लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी में रखें। इससे धन लाभ होगा।

घर में रंग करवाने से पहले जान लें जरूरी बातें

रंग एक ऐसी ऊर्जा है जिसको सही ढंग से यूज कर लिया जाए तो इंसान के जीवन में चमत्कार घटित कर देते हैं। गलत ढंग से चुनाव किये गए रंग बड़े नुकसान दे देते हैं। चाहे वह पहनने वाले कपड़े हो चाहे वह दीवारों पर किया जाने वाला रंग बहुत ही इंपॉर्टेंट चॉइस होती है। अगर आप अपने रंग अपने घर के वास्तु के अनुसार चूज करते हैं तो बहुत सी परेशानियों से निजात मिलता है।

आपके घर का नॉर्थ वाला एरिया नॉर्थ के थोड़ा दाएं-बाएं वाला एरिया भी जल का एरिया ही कहलाता है। नीले रंग के हल्के नीले रंग की शेड्स अगर हम नॉर्थ एरिया में दे दें तो यह उस नॉर्थ एरिया को प्रोपेगेटर हैं। यहां पर ध्यान रखिएगा नीले के नाम पर इंडिगो कलर या वॉयलेट कलर नहीं देना है क्योंकि इसमें और रंगों का मिश्रण होता है। जिनके बर्थ चार्ट में राहु थोड़े से खराब होते हैं। उन लोगों को नीला रंग घर के अंदर नहीं करवाना चाहिए। उस एरिया में अगर कर्टंस भी आ रहे हैं तो आप हल्का नीला रंग उस एरिया में दे सकते हैं। पंच तत्त्वों में अगर नॉर्थ एरिया जो जल की ही दिशा है। वहां पर जल का तत्व आएगा आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आप लोगों को

दिखना शुरू होंगे, आपको अपॉर्चुनिटी ज्यादा मिलनी शुरू होंगी।

पूर्व दिशा जीवन में आगे बढ़ने की दिशा है। पूर्व दिशा वायु का तत्व है। वायु का काम चीजों को धकेलना, आगे बढ़ाना है। यहां पर आप हरे रंग की कोई भी शेड वुडन कलर की शेड भी वहां दे सकते हो। लेकिन हरे रंग की हल्के हरे रंग की शेड इस एरिया को बहुत ज्यादा प्रोपेगेटर हैं। यानी अगर आप घर के पूर्व या इसके थोड़े दाएं बाएं एरिया में हरे रंग की हल्के हरे रंग की कोई शेड दे दो। यानी आपके घर के जो भी रूम्स घर के ईस्ट में आते हैं वहां पे हरे रंग की कोई भी शेड आप दे देंगे तो यहां पे आपका वायु तत्व एक्टिव होगा। वायु तत्व आपको समाज में पहचान दिलाएगा। आपका वायु तत्व कमजोर है मतलब आपके घर के पूर्व में कोई न कोई खराबी तो है तो यहां पे हरे रंग के हरियाली पौधे रखने से भी आपके घर का पूर्व है न वह पॉजिटिवली प्रोपेगेटर है। पूर्व दिशा उनके लिए बहुत ही जबरदस्त है क्योंकि उनको तो चाहिए ही लोगों का साथ।

साउथ ईस्ट से साउथ के बीच की दिशा में साउथ ईस्ट से लेके साउथ के बीच की जो दिशा है यहां का तत्व है अग्नि। अग्नि तत्व बहुत ही इंपॉर्टेंट तत्व है। अग्नि तत्व आपको बताता है कि अगर जीवन में समस्याएं आ जाएं तो उसका समाधान सबसे कम समय में सबसे सटीक समाधान कैसे हो सकता है। जब भी जीवन में आप चाहते हैं कि आप अपने ब्रांड के द्वारा जाने जाएं तो यहां आपको अपना अग्नि तत्व मजबूत करने की जरूरत है। साउथ ईस्ट से लेकर साउथ की तरफ यहां की खराब या आपका नाम खराब करेंगी। यहां की खराबी लोगों से आपके झगड़े करवाएंगे। घर की स्त्रियों के लिए भी जो साउथ से साउथ का एरिया बहुत इंपॉर्टेंट है। यहां की कोई भी खराबी घर की लेडीज को बीमार कर सकती है। **(जारी)**

महाभारत में केवल अर्जुन के पास थे ये 7 गुण, जो बनाते हैं उन्हें महान योद्धा

अर्जुन के गुण

महाभारत काल में अर्जुन भगवान श्रीकृष्ण के प्रिय सखा थे और हर मुश्किल समय में कृष्ण जी से सलाह लिया करते थे। अर्जुन केवल ताकतवर ही नहीं बल्कि बुद्धिमान भी थे। महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण ने ऐसे 7 गुणों का वर्णन किया है जो कि व्यक्ति को महान बनाते हैं। यह सभी गुण अर्जुन में भी थे।

बल-बुद्धि

महाभारत में कई ऐसे किस्से है जो कि अर्जुन के बल और बुद्धि का उदाहरण देते हैं। कई जगहों पर अर्जुन ने बल के साथसाथ अपनी बुद्धि का भी इस्तेमाल किया।

पराक्रम

महाभारत में अर्जुन एक ऐसे योद्धा थे जो कि अपने पराक्रम के दम पर किसी भी मुश्किल का परिस्थिति का सामना कर सकते थे।

तेज

अर्जुन के व्यक्तित्व में एक ऐसा तेज था जो कि हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता था।

शीघ्रकारिता

किसी भी काम को सही समय पर करना शीघ्रकारिता होती है और अर्जुन को इसकी बहुत अच्छी समझ थी।

स्फूर्ति

अर्जुन के पास धनुषबाण चलाने की जो स्फूर्ति थी वो किसी और के हाथों में नहीं थी। इसलिए तो उन्हें सर्वश्रेष्ठ धर्नुधारी कहा जाता है।

विषादहीनता

गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को मोहमाया त्यागकर अपने कर्म को महत्व देना सिखाया था। तभी अर्जुन के भीतर विषादहीनता का गुण आया। यानि किसी बात से दुखी न होना।

धैर्य

श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि धैर्य व्यक्ति का सबसे बड़ा गुण है और यह गुण अर्जुन में भी था। यह गुण अर्जुन को महान योद्धा बनाता है।

मिस इंडिया बनीं निकिता पोरवाल

फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 के विनर का ऐलान कर दिया गया है और इस बार इसका खिताब मध्यप्रदेश के उज्जैन की रहने वाली निकिता पोरवाल ने जीता है। 16 अक्टूबर को मुंबई में हुए इवेंट में पिछली साल की मिस इंडिया रहीं नंदिनी गुप्ता ने निकिता को ताज पहनाया गया। बता दें कि अब निकिता भारत की तरफ से मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। ऐसे में चलिए आपको बताते हैं कि ये ब्यूटी पेजेंट जीतने वाली निकिता आखिर हैं कौन।

मॉडल और आर्टिस्ट हैं निकिता

फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 का ताज पहनने वाली निकिता पेशे से एक मॉडल और आर्टिस्ट हैं। उनके पिता अशोक पोरवाल पेट्रोकेमिकल के बिजनेस में हैं। वहीं, निकिता के एजुकेशन की बात करें, तो उन्होंने कार्मेल कॉन्वेन्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल से अपनी पढ़ाई पूरी की। इसके बाद निकिता ने परफॉर्मिंग आर्ट्स में बैचलर डिग्री ली। 18 साल की उम्र में ही मिस इंडिया बनीं निकिता ने अपने फिल्मी करियर की शुरू कर दी थी। सिर्फ इतना ही नहीं, वह 60 से ज्यादा प्ले कर चुकी हैं और कई टीवी शो को भी उन्होंने होस्ट किया है। वहीं, उन्होंने खुद 250 पन्नों का 'कृष्ण लीला' नाम का नाटक भी लिखा है। बता दें कि फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 की विनर एक फीचर फिल्म का भी हिस्सा रह चुकी हैं। उनके फीचर फिल्म की स्क्रीनिंग इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुई है और अब जल्द ही उसे इंडिया में रिलीज किया जाएगा।

फाइनल के लिए ऐसे तैयार की सिल्वर हील्स

बता दें कि निकिता ने थिएटर से मिली सीख का इस्तेमाल फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 के फाइनल में भी किया। दरअसल, उनके पास सिल्वर हील्स नहीं थी। ऐसे में फिनाले से एक दिन पहले उन्होंने स्प्रे पेंट की मदद से जुगाड़ लगाकर अपनी हील्स को तैयार किया।

शिमरी गाउन में दिखीं निकिता

फिनाले के समय निकिता पोरवाल सिल्वर शिमरी गाउन में बेहद गॉर्जियस दिखाई दीं। उनके हाई थाई स्लिट गाउन का लोअर पार्ट नेट से डिजाइन किया गया। निकिता बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय को अपनी प्रेरणा मानती हैं। मिस इंडिया का ताज पहनाते हुए उनकी कई फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर की गईं। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गया कि नई क्वीन को देखिए।

लोग कहते थे बिग बी को एक्टिंग छोड़ देनी चाहिए ये सुन अमिताभ बच्चन मुंबई छोड़ना चाहते थे

बिग बी

अमिताभ बच्चन 1960 के दशक से फिल्मों में हैं। लेकिन 1990 के दशक में उनके करियर में डाउनफॉल आ गया था, जब उन्होंने फिल्म प्रोडक्शन में हाथ आजमाया था। उस दौरान उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चल रही थीं। इस कारण फैंस उनके नाराज हो गए थे। एक बार वो कहीं पेरेंट्स के साथ जा रहे थे, तब कुछ लोग उन्हें कहने लगे थे कि वे खराब एक्टर हैं और उन्हें एक्टिंग छोड़ देनी चाहिए। लोगों की बातें सुनकर बिग बी ने मुंबई छोड़ने का फैसला भी कर लिया था। लेकिन फिर उन्होंने केबीसी शो और फिल्म मोहब्बतें से वापसी की।

बिग बी बोले थे- लोग एक्टिंग की बुराई कर रहे थे

1999 में वीर सांघवी के साथ बातचीत में अमिताभ बच्चन ने बताया था कि एक बार वह अपने माता-पिता के साथ कार में ट्रैवल कर रहे थे। तभी राहगीरों ने उनकी कार के अंदर अपना सिर डाल दिया और उनकी एक्टिंग की बुराई करने लगे थे। यह उनके लिए बेहद खराब एक्सपीरियंस था। इस बारे में उन्होंने कहा था, 'लोग सड़कों पर थे। वे अपना सिर कार की खिड़की के अंदर डाल दे रहे थे। मेरी एक्टिंग की बुराई कर रहे थे।'

फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने वाले थे इस वक्त अमिताभ बच्चन एक स्ट्रगलिंग एक्टर थे। बड़ी हिट न मिलने पर उन्हें मुंबई छोड़ने के लिए भी कहा गया था। लोगों का मानना था कि वह अपना समय बर्बाद कर रहे। इस बारे में बिग बी ने कहा था- जब मुझे सड़कों पर रोका जाता था और शहर से बाहर जाने के लिए कहा जाता था। तब लोगों का यह रवैया देख कर मैंने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना लिया था।

केबीसी और फिल्म मोहब्बतें से बदली किस्मत

इस इंटरव्यू के कुछ ही साल बाद अमिताभ बच्चन की पूरी लाइफ तब बदल गई जब वे कौन बनेगा करोड़पति में दिखाई दिए। यह गेम शो वह आज तक होस्ट करते आ रहे हैं। केबीसी के अलावा यश चोपड़ा के डायरेक्शन में बनी फिल्म मोहब्बतें ने बिग भी को अपना खोया हुआ स्टारडम वापस पाने में मदद की।

90 करोड़ का कर्ज और फिर मोहब्बतें से कमबैक की कोशिश

बता दें, अमिताभ ने करियर की बुलंदियों पर प्रोडक्शन हाउस अमिताभ बच्चन कॉर्पोरेशन लिमिटेड शुरू किया। तेरे मेरे सपने, मृत्युदाता जैसी लगातार फिल्में फ्लॉप हुईं। मिस वर्ल्ड ब्यूटी पेजेंट (1996) जैसे बड़े इवेंट ने भी अमिताभ को कर्जदार बना दिया। लगातार नुकसान उठाते हुए अमिताभ 90 करोड़ के कर्ज में डूब गए। कंपनी बर्बादी की कगार पर थी और अमिताभ दिवालिया हो चुके थे। उन्होंने कंपनी के फंड के लिए अपना बंगला प्रतीक्षा भी गिरवी रख दिया। बॉम्बे हाईकोर्ट ने उन्हें सख्त आदेश दिए कि वो अपना बंगला और फ्लैट तब तक नहीं बेच सकते, जब तक वो कैनरा बैंक का लोन न चुका दें।

2013 में दिए एक इंटरव्यू में बिग बी ने बताया कि रोजाना कर्ज वापस लेने वाले उनके दरवाजे पर खड़े होते थे। गालियां देते और धमकियां देते। कर्ज चुकाने के लिए ना पैसे थे ना कोई जरिया। अमिताभ घंटों इस बुरे दौर से गुजरने का हल सोचते। एक दिन वो इस फैसले पर पहुंचे कि वो एक अभिनेता हैं और वो इसमें माहिर हैं। अमिताभ सीधे यश चोपड़ा के पास पहुंच गए और कहा- मुझे काम दे दो।

अमिताभ की बतौर हीरो मृत्युदाता, सूर्यवंशम, लाल बादशाह, हिंदुस्तान की कसम फ्लॉप रही थीं। वहीं यश उस समय मोहब्बतें फिल्म बनाने वाले थे। मौका और हीरो दोनों सामने थे। यश ने उन्हें नारायण शंकर का कैरेक्टर दिया। कर्ज में डूबे अमिताभ कैरेक्टर रोल के लिए भी राजी हो गए। फिल्म रिलीज हुई और उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी। बेहतरीन अभिनय के लिए तारीफें बटोर रहे अमिताभ ने मोहब्बतें से दूसरी पारी शुरू की।

शादी के 12 साल बाद मां बनने जा रही हैं राधिका आप्टे

दीपिका पादुकोण और मसाबा गुप्ता ने इसी साल अपने पहले बच्चे का दुनिया में स्वागत किया और उन्होंने यह खुशखबरी अपने फैंस के साथ भी शेयर की। अब बॉलीवुड की एक और एक्ट्रेस के घर जल्द ही किलकारियां गूंजने वाली हैं और यह अभिनेत्री कोई और नहीं, बल्कि राधिका आप्टे हैं। राधिका शादी के 12 साल बाद मां बनने वाली हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पर खास अंदाज में इसकी घोषणा की है।

बेबी बंप के साथ शेयर की तस्वीरें

दरअसल, 'पैडमैन' एक्ट्रेस ने कोई पोस्ट लिख कर इस बात की जानकारी नहीं दी है, बल्कि एक्ट्रेस ने स्टाइलिश अंदाज में बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल के रेड कारपेट पर अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए प्रेग्नेंसी का ऐलान किया है, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। बता दें कि लंदन फिल्म फेस्टिवल में एक्ट्रेस की फिल्म 'सिस्टर मिडनाइट' का प्रीमियर हुआ, वहीं उन्होंने फैंस के साथ यह सरप्राइज भी शेयर किया।

सेलेब्स ने दी एक्ट्रेस को बधाई

राधिका आप्टे ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह ऑफ शोल्डर ब्लैक गाउन पहने हुए नजर आ रही हैं। इस दौरान उनका बेबी बंप भी फैंस को देखने को मिला। एक्ट्रेस के चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो भी साफ देखने को मिल रहा था। एक्ट्रेस की पोस्ट पर सेलेब्स और फैंस कमेंट कर उन्हें बधाई दे रहे हैं। विजय वर्मा ने कमेंट करते हुए लिखा कि आप्टे और दो इमोजी भी शेयर किए। वहीं, रवि दुबे और मृणाल ठाकुर समेत कई सेलेब्स ने एक्ट्रेस को बधाई दी।

2012 में की म्यूजिक कंपोजर से शादी

बता दें कि राधिका ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड और ब्रिटिश म्यूजिक कंपोजर बेनेडिक्ट टेलर से साल 2012 में शादी की थी। वहीं, अब शादी के 12 साल बाद वह अपने पहले बच्चे का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। राधिका आप्टे ने सिर्फ बॉलीवुड में ही नहीं, बल्कि साउथ, मराठी, इंग्लिश और बंगाली फिल्मों में भी काम कर अपने अभिनय का जलवा दिखा चुकी हैं। उन्होंने बी टाउन के कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया है। फैंस ने एक्ट्रेस की 'पैडमैन', 'अंधाधुन', 'बदलापुर', 'लस्ट स्टोरीज' जैसी कई फिल्मों को काफी पसंद भी किया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने टेकओवर नहीं किया धर्मा प्रोडक्शन

करण जौहर ने अफवाहों के बीच बायो बदलकर बताया कौन है प्रोडक्शन का असली मालिक

बीते लंबे समय से खबरें हैं कि एशिया के सबसे अमीर बिजनेसमैन मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन को टेकओवर कर लिया है। अब कंपनी पर मालिकाना हक रिलायंस का होगा। हालांकि इन खबरों के बीच अब करण जौहर ने धर्मा प्रोडक्शन का बायो बदलकर अफवाहों पर विराम लगा दी है।

करण के धर्मा प्रोडक्शन के बायो में लिखा गया है, जिगरा ओ, अब की तेरी बारी ओ। मालिक करण जौहर और सीईओ अपूर्वा मेहता। धर्मा प्रोडक्शन के 90.7 पर्सेंट शेयर करण जौहर के नाम हैं, जबकि 9.24 पर्सेंट उनकी मां हीरू जौहर के पास हैं।

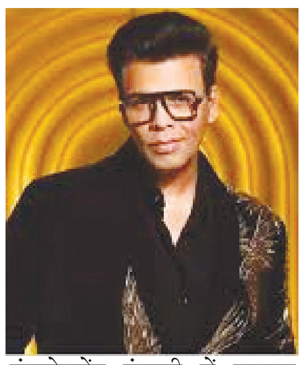

हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार, करण जौहर पिछली कुछ फिल्मों के खराब बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और ओटीटी के बढ़ते चलन को देखते हुए स्ट्रैटेजी पार्टनर्स की तलाश कर रहे हैं। रिपोर्ट्स ये भी रही हैं कि करण जौहर की दूसरी अन्य कंपनियों से भी डील चल रही थी, हालांकि वैल्यूशन इशू के चलते उनकी कहीं बात नहीं बन सकी है।

बताते चलें कि रिलायंस की एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में मजबूत पकड़ है। ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा और प्रोडक्शन हाउस जियो स्टूडियो, रिलायंस इंडस्ट्री का ही हिस्सा है। इसके अलावा रिलायंस के एकता कपूर के बालाजी टेलीफिल्म्स में भी स्टेक हैं। हाल ही ने जियो स्टूडियो के को-प्रोडक्शन में बनी फिल्म स्त्री 2 चर्चा में रही थी। 50-120 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 873 करोड़ रुपए का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है। वहीं धर्मा प्रोडक्शन की बात करें, तो इसकी हालिया रिलीज फिल्म जिगरा है। आलिया भट्ट और वेदांग रैना स्टारर ये फिल्म 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। 90 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 25 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है।

'पुष्पा 2' ने रिलीज से पहले ही तोड़ डाले सारे रिकॉड्र्स, बिना टिकट बेचे ही कमाए 900 करोड़

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'पुष्पा 2' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, फिल्म की रिलीज डेट, इसके गाने और कहानी को लेकर सबके मन में काफी एक्साइटमेंट है। पिछले हफ्ते ही मेकर्स ने फैंस के साथ खुशखबरी शेयर की थी कि फिल्म का फर्स्ट हाफ बनकर तैयार हो गया है और अब इससे भी बड़ी खबर सामने आ रही है। वो य है कि 'पुष्पा 2' ने रिलीज से पहले 900 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने राइट्स बिकने से अब तक कुल 900 करोड़ का बिजनेस हो गया है। 'पुष्पा 2' के सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स की बंपर डील हुई है। ये फिल्म रिलीज से पहले इतना कमा चुकी है, ऐसे में अंदाजा लगाया जा रहा है कि अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म रिलीज के बाद कई बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ देगी।

कब रिलीज होगी फिल्म?

इंस्टाग्राम पर फिल्म का नया पोस्टर करते हुए फिल्म की रिलीज डेट के बारे में जानकारी दी थी। मेकर्स ने बताया था कि फिल्म का पहला हाफ बनकर तैयारहै। कैप्शन में लिखा था, "फर्स्ट हाफ लॉक्ड, लोडेड और फायर से भरा है। इतिहास के गवाह बनने के लिए तैयार रहिए। क्योंकि भारतीय बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचने वाला है। ये भारतीय सिनेमा में नया चैप्टर लिखने के लिए तैयार है। इसे 6 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।"

फिल्म का पहला पार्ट 'पुष्पा' साल 2021 में रिलीज हुआ था। इसमें अल्लू अर्जुन के डांस स्टेप से लेकर उनके लुक और एक्टिंग तक के फैंस दीवाने हो गए थे। फिल्म ने 1000 करोड़ से अधिक का बिजनेस किया था, जैसे ही ये फिल्म हिट हुई, मेकर्स ने दूसरे पार्ट का ऐलान कर दिया था। जिसके बाद से ही ये फिल्म साउथ और हिंदी समेत अन्य बेल्ट के दर्शकों के लिए मोस्ट अवेटेड फिल्म बन गई। फिल्म के पहले पार्ट में अल्लू अर्जुन और फहाद फासिल के बीच जो बैर दिखाया गया था, उसी के आगे की कहानी दिखाई जाएगी। 'पुष्पा 2' में दोनों के बीच जबरदस्त भिड़ंत होने वाली है और ये ही देखने के लिए फैंस बेताब हैं।

'आपसे कुछ बातें करनी है', सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड सोमी अली का लॉरेंस बिश्नोई को डायरेक्ट मैसेज, बोलीं- 'अपना मोबाइल नंबर दे दीजिए'

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद बॉलीवुड में उथल-पुथल मच गई है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने उनकी हत्या की जिम्मेदारी ली है, जो सलमान खान की जान के पीछे भी पड़ा है। कुछ महीनों पहले गैंगस्टर ने अभिनेता के घर के बाहर फायरिंग करवाई और अब उनके करीबी बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी, जिसके बाद हर कोई खौफ में आ गया है। राम गोपाल वर्मा से लेकर बी-टाउन के कई जाने-माने लोग इसे लेकर पोस्ट कर रहे हैं। अब इस लिस्ट में सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड सोमी अली का नाम भी जुड़ गया है।

सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड सोमी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और वह कई बार दबंग खान से जुड़ी बातें शेयर करती रहती हैं। हालांकि, अब एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर लॉरेंस बिश्नोई के नाम एक पोस्ट कर हलचल बढ़ा दी है। सोमी ने अपनी पोस्ट में गैंगस्टर को भाई कहते हुए लॉरेंस से उनका नंबर मांगा है, ताकि वह उन्हें जूम कॉल कर बात कर सके।

लॉरेंस बिश्नोई के लिए डायरेक्ट मैसेज

सोमी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर गैंगस्टर की एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है कि यह लॉरेंस बिश्नोई के लिए एक सीधा मैसेज है। नमस्ते, लॉरेंस भाई, सुना भी है और देखा भी कि आप जेल से भी जूम कॉल कर रहे हो, तो मुझे आपसे कुछ बातें करनी हैं। कृपा करके मुझे बताएं कि ये कैसा हो सकता है?

इसके आगे एक्ट्रेस ने लिखा कि हमारी पूरी दुनिया सबसे पसंद की जगह राजस्थान है। हम आपके मंदिर आना चाहते हैं पूजा के लिए पर पहले आपसे जूम कॉल हो जाए और कुछ बातें हो जाएं पूजा के बाद।

फिर यकीन मानिए की ये आपके फायदे की बातें हैं। अपना मोबाइल नंबर दे दीजिए बड़ा एहसान होगा आप का। शुक्रिया।

बता दें कि यह पहली बार नहीं है, जब सोमी ने सलमान खान को लेकर बात की हो। इससे पहले भी वह कई बार एक्टर के बारे में और उनसे जुड़े मुद्दों पर अपनी बातें रखती रहती हैं।

अरबाज खान-मलाइका अरोड़ा के बेटे अरहान खान जल्द करेंगे बॉलीवुड में डेब्यू? अरबाज ने किया खुलासा

बॉलीवुड अभिनेता अरबाज खान ने अपने बेटे अरहान खान के बॉलीवुड इंडस्ट्री में भविष्य के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि अरहान अभी भी युवा है और अपने व्यक्तिगत विकास पर ध्यान दे रहे हैं। इसके साथ ही अरबाज ने इस बात से भी पर्दा उठाया कि कब उनके बेटे अहरान बॉलीवुड फिल्मों में नजर आ सकते हैं।

अरहान को लेकर अरबाज का नजरिया

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अरबाज ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि उनके बेटे अरहान को अभिनय में उतरने के लिए कम से कम एक या दो साल का समय और लगेगा। अरबाज ने कहा, "मुझे यकीन है कि वह किसी और क्षेत्र में कदम रखने से पहले एक अभिनेता के रूप में उभरेगा।

खुद को सख्त मां मानती हैं मलाइका

मलाइका अरोड़ा और उनके बेटे अरहान के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग है। मलाइका ने बेटे अरहान के साथ अपनी पेरेंटिंग को लेकर बताया था कि वह एक सख्त लेकिन दयालु मां हैं। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा था कि वह एक मां और एक दोस्त होने के बीच संतुलन बनाए रखने में विश्वास करती हैं।" आगे मलाइका ने खुद को मजेदार और शांत स्वभाव वाली महिला बताया, लेकिन यह भी साफ किया कि वह एक अभिभावक के रूप में अपनी भूमिका के बारे में गंभीर हैं।

अरबाज और अरहान में क्या है समानता

अरहान खान ने अपने टॉक शो दम बिरयानी के दौरान अपनी मां मलाइका से पूछा था कि वह अपने बेटे की अपने पिता अरबाज खान से समानता के बारे में क्या राय रखती हैं। दरअसल, अरहान ने मजाकिया अंदाज में पूछा कि उन्हें अपने पिता से कौन सी खूबियां विरासत में मिली हैं, जिनकी वह सराहना करती हैं या जिन्हें वह चुनौतीपूर्ण मानती हैं। इस पर मलाइका ने कहा कि अरहान के हाव-भाव अरबाज से मिलते-जुलते हैं, उन्होंने उनके व्यवहार में कई समानताओं की ओर इशारा किया, जैसे कि अपने कान और सिर खुजलाना। उन्होंने यह भी बताया कि अरहान में अपने पिता की तरह निष्पक्षता और निर्णय में स्पष्टता है, जो अरबाज के व्यक्तित्व को परिभाषित करते हैं। मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान 2017 में तलाक से पहले 19 साल तक शादीशुदा थे। अलग होने के बाद, अरबाज ने पिछले साल मेकअप आर्टिस्ट शूरा खान से शादी की, जबकि मलाइका अर्जुन कपूर के साथ रिलेशनशिप में थीं, जो अब खत्म हो गया।

'पर्दे में रख वरना', अब नेहा कक्कड़ और उनके पति को मिली धमकी, निहंग सिंह बोले- 'प्यार से समझ जाओ'

बॉलीवुड इंडस्ट्री के लोग इस समय सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई, जिससे बी-टाउन में हड़कंप मच गया। फिर कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी धमकी मिली और अब इस लिस्ट में सिंगर नेहा कक्कड़ और उनके पति रोहनप्रीत का नाम भी शामिल हो गया है। इस कपल को जान से मारने की धमकी मिली है और इस खबर ने अब हर किसी को चिंता में डाल दिया है। दरअसल, नेहा-रोहन को यह धमकी बाबा बुड्ढा दल के निहंग सिंह ने दी हैं। निहंग ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है और कहा है कि अगर सिंगर और उनके पति सार्वजनिक रूप से अभद्र व्यवहार करना बंद नहीं करेंगे, तो उन्हें सबक सिखाया जाएगा।

जानी-मानी सिंगर नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और दोनों ही वहां अपनी पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी चीजें फैंस के साथ करते रहते हैं। निहंग सिंह ने अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर कहा है कि नेहा अपने पति रोहनप्रीत के साथ लोगों के सामने अश्लील हरकतें करती रहती हैं।

निहंग ने कहा कि नेहा कक्कड़ अपने पति को पर्दे में रखें। दोनों लोगों के सामने आपत्तिजनक हरकतें कर क्या जताना चाहते हो। तुम लोगों ने पंजाब का बेड़ा गर्क कर रख दिया है। थोड़ी शर्म भी कर लो। इसके आगे उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर गलत कंटेंट डालने वालों को पहले प्यार से समझाएंगे और फिर सबक सिखाएंगे। चाहे इसके लिए जेल ही क्यों न जाना पड़े। अगर नेहा और रोहनप्रीत अच्छे सिंगर हैं, तो अच्छा काम भी करें। इस तरह का रवैया समाज में असामाजिक फैलाता है।

इसके आगे उन्होंने कहा कि पंजाब में नशा और अश्लीलता बढ़ गई है। ऐसे में समाज को जागरूक करने की जरूरत है। हम समाज में गंदगी फैलाने नहीं दे सकते हैं। सोशल मीडिया पर गलत कंटेंट फैलाकर गंदगी फैलाई जा रही है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर ये आचरण बदला नहीं गया, तो उन्हें सबक सिखाने के लिए हम तैयार हैं।

2020 में हुई थी दोनों की शादी

बता दें कि नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह ने लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद साल 2020 में शादी की थी। दोनों सोशल मीडिया पर रोमांटिक केमिस्ट्री वाली फोटो और वीडियो शेयर करते रहते हैं।

एक्ट्रेस श्रिया पिलगांवकर का छलका दर्द

शाहरुख के साथ काम करके फायदा नहीं मिला, फिल्म फ्लॉप, कम लोगों ने नोटिस किया

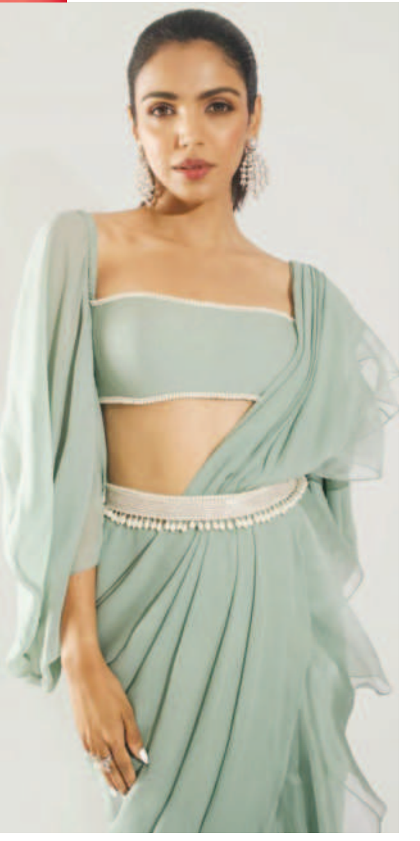

श्रिया पिलगांवकर को अपने करियर की शुरुआत में शाहरुख खान के साथ काम करने का मौका मिला। उनके अनुसार, यदि फिल्म 'फैन' सुपरहिट होती, तो लोगों की प्रतिक्रिया उनके लिए अलग होती। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बारे में खुलकर बात की।

असल में, जब ऑडिशन्स के बाद ये तय हुआ कि मुझे 'फैन' में रोल मिल रहा है, तो मैं जानती थी कि ये कोई टिपिकल हीरो-हीरोइन वाली फिल्म नहीं है। उस समय ये एक अलग तरह की फिल्म थी। मुझे पता था कि मेरा स्क्रीन टाइम ज्यादा नहीं होगा, लेकिन मैं शाहरुख सर के साथ काम करने को लेकर बहुत खुश थी। कुछ नए एक्सपेरिमेंट किए जा रहे थे, और मुझे ये मौका बहुत अच्छा लगा। अगर कोई और होता मेरी जगह, तो शायद वो सोचते कि उन्हें बड़ा लॉन्च चाहिए, जिसमें प्रमोशन में भी शामिल हों। मैं इसे समझती हूं। मुझे केवल इस फिल्म का हिस्सा बनना अच्छा लगा।

फिल्म के बाद कई जर्नलिस्ट्स ने मुझे फोन किया और कहा कि उन्हें मेरा किरदार पसंद आया। इससे मुझे अच्छा लगा कि मेरी मेहनत को सराहा गया। हालांकि, ये सच है कि अगर फिल्म सुपर हिट होती, तो लोगों की प्रतिक्रिया अलग होती। शायद मैं कहीं ना कहीं मानसिक रूप से तैयार थी, क्योंकि उस समय सोशल मीडिया का असर आज के मुकाबले कम था। मेरे पास उस समय कोई स्ट्रैटेजिक या टैलेंट एजेंसी नहीं थी, जो मुझे गाइड कर सके।

फिर मैंने ऑडिशन देना शुरू किया और लोगों से मिलने लगी। कुछ फिल्में आईं, लेकिन वो आगे नहीं बढ़ीं। फिर मैंने सुना कि मिर्जापुर नाम की एक नई सीरीज आ रही है, और मैंने उसके लिए ऑडिशन दिया, जो मेरे लिए एक बड़ा बदलाव साबित हुआ।

मुझे सच में कभी किसी ने नहीं कहा कि ये मत करो या वो मत करो। मेरे पेरेंट्स ने हमेशा मुझ पर विश्वास किया है। जब रोमांस या पैशनेट सीन की बात आती है, तो यह महत्वपूर्ण होता है कि हम समझें कि उसका इरादा क्या है। स्क्रिप्ट पढ़ने पर और उसके ट्रीटमेंट से पता चलता है कि उस सीन का मकसद क्या है। ऑडियंस को भी समझ में आता है कि ये किसलिए किया गया है। इसलिए, मैं भी उसी नजरिए से उन सीन को देखती हूं।

मेरे माता-पिता ने मुझे कभी जज नहीं किया, लेकिन उनके लिए उनकी लेगेसी, इज्जत और गुडविल बनाए रखना मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ये केवल ऑन-स्क्रीन सीन का सवाल नहीं है, बल्कि यह भी कि मैं सेट पर सभी के साथ कैसी हूं। मुझे लगता है कि एक इंसान को तब जज किया जा सकता है, जब हम देखें कि वे दूसरों के साथ कैसे बर्ताव करते हैं। इसलिए, यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है कि मैं सेट पर सभी के साथ सम्मान और आदर से पेश आऊं, क्योंकि यही गुडविल बनाने में मदद करता है।

मैं इस समय सिंगल हूं और इस बार सच में झूठ नहीं बोल रही। देखिए, मेरे लिए कनेक्शन बहुत मायने रखता है। यह इमोशनल, स्पिरिचुअल और फिजिकल होना चाहिए। सभी तीनों का सही तालमेल होना जरूरी है। मुझे ऐसा पार्टनर चाहिए जो खुद में कंफर्टेबल हो और अपनी सफलता को लेकर इनसिक्योर न हो। मेरे लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि मेरा पार्टनर एनर्जी देने वाला हो, न कि एनर्जी लेने वाला और रिस्पेक्ट तो होना ही चाहिए। मेरे पेरेंट्स ने शादी के समय बैलेंस रखा। वे एक-दूसरे के चैलेंजेज को समझते हैं। जब उनकी शादी हुई, तब दोनों युवा थे, लेकिन उन्होंने अपने करियर में जो चुनौतियां देखी हैं, वो एक-दूसरे के लिए

मैंने बॉडी को लेकर विक्टिम कार्ड नहीं खेला

शरीर को लेकर नीचा दिखाना सही नहीं, किसी की सहानुभूति नहीं ली

'बिग बॉस ओटीटी' फेम बेबिका धुर्वे इन दिनों शो 'रियलिटी रानीस ऑफ द जंगल' में नजर आ रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने शो के अनुभव और आने वाले प्रोजेक्ट पर खुलकर चर्चा की। इसके अलावा, उन्होंने अपने ऊपर सहानुभूति लेने के आरोपों पर भी जवाब दिया।

'बिग बॉस ओटीटी' फेम बेबिका धुर्वे

शो का अनोखा कॉन्सेप्ट

बेबिका कहती हैं, 'इस शो के लिए काम करना मेरे लिए बहुत खास और अनोखा अनुभव रहा है। शो का कॉन्सेप्ट बेहद यूनिक है। भारत में ऐसा कोई कॉन्सेप्ट पहले कभी नहीं देखा गया, जिसमें 12 लड़कियां, जो अलग-अलग फील्ड से हैं, जैसे कि आर्टिस्ट्री से लेकर एंटरटेनमेंट तक, एक साथ टेस्ट हो रही हैं। लड़कियों का एक-दूसरे के साथ कॉम्पिटिशन करना और अपने टैलेंट को दिखाना, बहुत दिलचस्प है। मुझे यह जानकर खुशी होती है कि हम नए तरीके से टैलेंट को सामने ला रहे हैं।'

कुछ लड़कियों ने किया गुमराह

क्या 'बिग बॉस' का अनुभव, शो में सर्वाइव करने में काम आया था? इस बारे में उन्होंने कहा, 'बिग बॉस में रहते हुए मैंने बहुत कुछ सीखा। कभी-कभी आप फंस जाते हैं, लेकिन मैंने इसे एक अनुभव के तौर पर लिया। बिग बॉस में कैमरा सर्विलेंस है, इसलिए कोई भी गलत नहीं कर सकता।

लेकिन इस शो में कैमरा नहीं था। कुछ लड़कियों ने इस स्थिति का फायदा उठाया और मुझे गुमराह किया। इससे मुझे समझ में आया कि हर जगह की अपनी चुनौतियां होती हैं। मेरे लिए सबसे चैलेंजिंग सर्वाइवल टास्क थे, खासकर नॉमिनेशन के बाद। 'रेस टू कैंप' से यह तय होता है कि आप लक्जरी में हैं या बेसिक। मैंने सीखा है कि ऐसे लोगों के साथ नहीं रहना चाहिए जिनसे आपकी ट्यूनिंग नहीं बैठती।

सहानुभूति का खेल नहीं खेला

कुछ दिन पहले कंटेस्टेंट सिफात सेहगल ने बेबीका पर आरोप लगाया कि वह अपने बॉडी शेप के कारण सहानुभूति हासिल कर रही हैं। इस पर बेबीका ने कहा, 'देखिए, सहानुभूति का खेल हर जगह होता है। अगर आप किसी को उसके बॉडी टाइप देखकर घमंडी तरीके से नीचा दिखाते हैं, तो आप खुद घमंडी हुए। मेरे साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ था। मैंने अपने पोटेंशियल से भी बहुत ज्यादा अचीव कर लिया है। उस शो में मैंने अपने आपको साबित किया है। ऐसे में सहानुभूति की कोई बात नहीं है। जहां किसी कंटेस्टेंट को एक्सपेक्टेशन नहीं थी कि मैं कर पाऊंगी, वहां मैंने कर दिखाया। जो लोग कुछ नहीं कर पाते, वही सहानुभूति की बात करते हैं। मैंने तो सब कुछ किया है। मैं इस तरह की दया नहीं मांगती, भले ही कुछ लोग फेम के लिए ऐसा कर रहे हों।'

अब कंटेस्टेंट नहीं, रियलिटी शो होस्ट करना चाहती हूं

बेबिका ने आगे कहा कि वह अब रियलिटी शो में कंटेस्टेंट के रूप में भाग नहीं लेना चाहती। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अब मेरा समय होस्टिंग करने का है। मैंने पहले ही कंटेस्टेंट बनने का अनुभव ले लिया है। अब मैं एक नई दिशा में बढ़ना चाहती हूं। मैं एक होस्ट बनना चाहती हूं क्योंकि मुझे लोगों को जज करना और उनकी असलियत को समझना बहुत पसंद है। जब मैं लोगों से मिलती हूं, तो मैं उनके बारे में जल्दी समझ जाती हूं। मेरा मानना है कि मैं एक लीडर की भूमिका में बहुत अच्छा काम कर सकती हूं। मैं चाहती हूं कि ऑडियंस मुझे इस नई भूमिका में देखें, जहां मैं न केवल कंटेस्टेंट्स की कहानी सुनाऊंगी बल्कि उन्हें समझाने और मार्गदर्शन करने का भी काम करूंगी।'

पैरानॉर्मल फिल्म पर काम कर रही हूं

बेबिका ने अपने नए प्रोजेक्ट्स के बारे में बताया, 'मैं हाल ही में गाने रिकॉर्ड कर रही हूं और तीन म्यूजिक वीडियो पर काम कर रही हूं। इसके अलावा, मैं एक पैरानॉर्मल फिल्म पर भी ध्यान दे रही हूं, जिसका प्रॉसेस चल रहा है। इस मूवी को पोस्ट-प्रोडक्शन में थोड़ा समय लगेगा, शायद एक साल से ज्यादा। मैंने इसकी कहानी खुद लिखी है। मुझे लगता

डेब्यू फिल्म के दौरान टूट चुकी थीं श्रद्धा कपूर : सेट पर जाने से डरती थीं, बोलीं- लोगों का बर्ताव हमेशा अच्छा नहीं होता

श्रद्धा कपूर इन दिनों फिल्म स्त्री 2 की सक्सेस एंजॉय कर रही हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड्स ब्रेक किए हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रद्धा ने बताया सक्सेस की ऊंचाइयों तक पहुंचना उनके लिए आसान नहीं था। पहली फिल्म तीन पत्ती की शूटिंग के कुछ ही दिनों में, उन्होंने अपनी मां से कहा था वह वापस नहीं जाना चाहतीं। लोगों का व्यवहार हमेशा अच्छा नहीं होता।

श्रद्धा कपूर ने अपनी डेब्यू फिल्म तीन पत्ती के दौरान आईं मुश्किलों के बारे में बात की। श्रद्धा ने कहा, 'मुझे याद है फिल्म की शूटिंग को शुरू हुए दो या तीन दिन ही हुए होंगे। मैं टूट चुकी थी। मैंने मां से कहा था कि मुझे वापस नहीं जाना।'

श्रद्धा ने कहा, 'मैंने कभी फिल्म सेट पर असिस्टेंट डायरेक्टर का काम नहीं किया था। मैं सिर्फ 20 या 21 साल थी। लोगों का बर्ताव हमेशा अच्छा नहीं होता था। अगर आप कोई खास हैं, तो आपसे अलग तरीके से बात की जाएगी, और अगर आप कोई नहीं हैं, तो आपको वैसे ही ट्रीट किया जाएगा। ये सब देखकर मुझे बहुत खराब लगता था।'

श्रद्धा ने कहा, 'पहली फिल्म पूरी होने के बाद मेरा आत्मविश्वास बढ़ा था। हां, शुरुआत में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। लेकिन जब मैंने दूसरे प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया, तो खुद पर पहले से भी ज्यादा भरोसा महसूस किया।'

श्रद्धा ने 2010 में बॉलीवुड में किया था डेब्यू

श्रद्धा ने 2010 में फिल्म 'तीन पत्ती' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उन्होंने अपर्णा खन्ना का रोल किया, जो एक कॉलेज छात्रा थी। इस फिल्म का डायरेक्शन लीना यादव ने किया है। इसमें अमिताभ बच्चन, बेन किंग्सले, आर माधवन और राइमा सेन मुख्य भूमिका में थे। हालांकि, यह फिल्म ज्यादा सफल नहीं हुई।

इन फिल्मों में आ चुकी हैं नजर

श्रद्धा कपूर फिल्म आशिकी-2, एक विलेन, छिछोरे, स्त्री, तू झूठी मैं मक्कार जैसी सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

जितेंद्र ने रेखा को बताया यारों का यार : बोले- इनकम टैक्स की समस्या को सुलझाने में मदद की, ऑफिसर को खुद नाश्ता परोसा था

रेखा और जितेंद्र अपने टाइम के आइकॉनिक स्टार रह चुके हैं। दोनों की ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आई थी। हालांकि, ऑफ स्क्रीन भी दोनों का बॉन्ड काफी अच्छा रहा। इसी बीच जितेंद्र ने रेखा को अपना सच्चा दोस्त बताया। एक्टर ने कहा रेखा ने एक बार उनकी इनकम टैक्स की समस्या को सुलझाने में मदद की थी। वह हमेशा दूसरों की मदद के लिए तैयार रहती हैं। जितेंद्र ने कहा, 'मेरा असली नाम रवि है। रेखा मुझे रव्या कहकर बुलाती हैं। रेखा के अंदर सबसे अच्छी आदत यह है कि वह हमेशा लोगों की मदद के लिए आगे रहती हैं। मुझे याद है, एक बार

मुझे इनकम टैक्स की कुछ दिक्कत आ गई थी। जब चार्टर्ड अकाउंटेंट ने मुझे इस बारे में बताया तो कुछ समझ नहीं आया क्या करें। उसी वक्त उसने मुझे यह भी बताया कि इनकम टैक्स ऑफिसर रेखा का बहुत बड़ा फैन है और उनसे मिलकर खुश होगा। इसके बाद मैंने रेखा से बात की और अपनी समस्या बताई, तो उन्होंने तुरंत मदद के लिए हामी भरी दी।'

जितेंद्र ने कहा, 'इसके बाद रेखा मेरे घर आईं। उस अधिकारी से अच्छे से मिलीं। इतना ही नहीं रेखा ने अफसर को अपने हाथों से नाश्ता भी परोसा, जिससे वह काफी खुश हो गया और मेरे टैक्स की दिक्कत भी दूर हो गई।' जितेंद्र ने रेखा की तारीफ करते हुए कहा, 'ऐसे काम सिर्फ एक सच्चा दोस्त ही कर सकता है। रेखा मेरी जान हैं। वह हमेशा लोगों की मदद के लिए आगे रहती हैं। रेखा वास्तव में यारों की यार हैं।

रेखा और जितेंद्र इन फिल्मों में आ चुके हैं नजर

रेखा और जितेंद्र, एक बेचारी, अनोखी अदा, सनटैन, कर्मयोगी, जुदाई, जल महल, मांग भरो सजना, मेहंदी रंग लाएगी और मेरा पति सिर्फ मेरा है जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं।

सिमी गरेवाल एक्ट्रेस बनने के लिए भूख हड़ताल की : शशि कपूर के साथ न्यूड सीन पर मचा बवाल

लुधियाना में रहने वाले इंडियन आर्मी के ब्रिगेडियर जे.एस.गरेवाल की 5 साल की बेटी ने सुपरस्टार राज कपूर की फिल्म 'अवारा' देखी। यह फिल्म देखकर उसने मन बना लिया कि वो फिल्मों में जाएगी। पिता को लगा कि यह बेटी की नासमझी है, वक्त के साथ भूल जाएगी। समय गुजरा, लेकिन जिद नहीं बदली। 15 साल की उम्र में बेटी ने फिर अपने पिता से एक्ट्रेस बनने की ख्वाहिश जाहिर की। पिता ने मना कर दिया तो बेटी भूख हड़ताल पर बैठ गई। आखिरकार मां-बाप को जिद के सामने झुकना पड़ा, पर उन्होंने शर्त रखी कि एक साल में अपने दम पर नाम कमाकर दिखाओ।

मां-बाप से जिद करके मात्र 15 साल की उम्र में एक्ट्रेस बनने के लिए अकेले मुंबई पहुंची यह लड़की कोई और नहीं.. बल्कि अपने जमाने की सबसे बोल्ड एंड ब्यूटीफुल एक्ट्रेस सिमी गरेवाल थीं। आज की यंग जेनरेशन सिमी को उनके सुपरहिट सेलिब्रेटी चैट शो 'रोंदेवू विद सिमी गरेवाल' के लिए पहचानती है।

इस शो पर सिमी ने देव आनंद से लेकर दीपिका पादुकोण तक हर दशक के सेलिब्रेटी की पर्सनल लाइफ से जुड़े राज उगलवाए, लेकिन खुद सिमी की पर्सनल लाइफ हमेशा सीक्रेट रही।

सिमी पर्सनल लाइफ और फिल्मी सफर से जुड़ी कुछ खास बातें

15 की उम्र में अकेले मुंबई पहुंचीं

1947 में पंजाब में जन्मीं सिमी छह साल की उम्र में परिवार के साथ लंदन शिफ्ट हो गई थीं। उन्होंने वहां अपनी बहन अमृता के साथ स्कूली पढ़ाई पूरी की। उस दौर में सिमी क्वीन एलिजाबेथ को अपना आइकॉन मानती थीं। इसके बाद 15 साल की उम्र में सिमी एक्ट्रेस बनने के लिए भारत लौटीं और फिल्मों में काम ढूंढने लगीं।

8 साल बड़े फिरोज खान के साथ किए लव मेकिंग सीन

सिमी ने एक इंटरव्यू में बताया था, 'जहां तक मुझे याद है मैंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'टार्जन गोज टु इंडिया' से की थी। इस इंग्लिश फिल्म में मुझे डैशिंग और हैंडसम फिरोज खान के अपोजिट कास्ट किया गया था। उनके साथ मेरे कई लव सीन्स थे। 15 साल की उम्र में मुझे कैमरा के सामने काम करने का कोई एक्सपीरिएंस नहीं था। मेरा एक्सेंट भी 60 के दशक में बनने वाली हिंदी फिल्मों के लिए सूटेबल नहीं था। मुझे अपना टैलेंट साबित करने के लिए खूब मेहनत और लंबा इंतजार करना पड़ा।'

'मेरा नाम जोकर' के बोल्ड सीन से चर्चा में आई

सिमी ने 1965 में रिलीज हुई 'तीन देवियां' में देव आनंद के अपोजिट और 1966 में आई 'दो बदन' में मनोज कुमार के अपोजिट काम किया, पर उन्हें उतना नोटिस नहीं किया गया।

4 साल में 9 फिल्में करने के बाद सिमी को 1970 में रिलीज हुई राज कपूर की फिल्म 'मेरा नाम जोकर' से पहचान मिली। फिल्म में सिमी ने मिस मैरी का किरदार निभाया था और इसमें उनका एक बोल्ड सीन था जिससे वो खूब चर्चा में आ गईं।

न्यूड सिमी के सामने खड़े थे शशि कपूर

1972 में आई सिमी की फिल्म 'सिद्धार्थ' उनकी सबसे विवादित फिल्मों में से एक रही। इस फिल्म में सिमी ने शशि कपूर के साथ न्यूड सीन देकर सनसनी फैला दी थी।

यह बॉलीवुड का पहला न्यूड सीन था। फिल्म की कुछ तस्वीरें इंग्लिश मैगजीन के कवर पर छपीं तो जमकर बवाल हुआ। मामला अदालत तक गया और इस फिल्म को भारत में रिलीज करने की इजाजत नहीं मिली।

आर्ट फिल्मों में भी काम किया

कई बोल्ड फिल्में करने के बाद भी सिमी को कभी सेक्स सिंबल का टैग नहीं दिया गया। इसकी वजह थी कि वो कॉमर्शियल फिल्मों के साथ-साथ ऑफ बीट फिल्में भी कर रही थीं। उन्होंने मशहूर आर्ट फिल्म डायरेक्टर सत्यजीत रे की फिल्म 'अरण्येर दिन रात्री' और मृणाल सेन की फिल्म 'पदातिक' में भी काम किया। अपने करियर में एक्ट्रेस ने करीब 35 फिल्मों में काम किया। इनमें सबसे चर्चित रोल रहा 1980 में रिलीज हुई ऋषि कपूर की 'कर्ज' में का मि नी वर्मा का ली ड ने गे टि व रोल था।

बच्चन से लेकर कपूर खानदान तक के राज खोले

फिल्मों के अ ला वा सिमी ने 1997 में अपने चैट शो 'रोंदेवू विद सिमी गरेवाल' से अलग ही पहचान बनाई। इस शो पर सिमी ने देव आनंद से लेकर विजय माल्या और रेखा से लेकर दीपिका पादुकोण तक हर दशक के मशहूर सेलेब्स का इंटरव्यू किया।

सिमी के शो को ' कॉ फी विद करण' ने रिप्लेस किया

7 साल बाद चैनल ने सिमी के शो को करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' से रिप्लेस कर दिया। इस शो को उसी वक्त टेलिकास्ट किया गया जब चैनल पर सिमी का शो टेलिकास्ट किया जाता था।

कंगना का सपोर्ट करते हुए करण जौहर पर कसा तंज

2020 में सिमी ने सुशांत के निधन के बाद नेपोटिज्म और फेवरिज्म के खिलाफ लगातार आवाज उठा रहीं कंगना रनोट की तारीफ की थी। उन्होंने लिखा था, 'मैं कंगना रनोट की सराहना करती हूं, जो बहादुर और बोल्ड हैं। केवल मैं जानती हूं कि कैसे एक शक्तिशाली आदमी ने बेरहमी से मेरा करियर बर्बाद करने की कोशिश की थी। मैं चुप रही, क्योंकि मैं कंगना के जितनी बहादुर नहीं थी।'

पर्सनल लाइफ से जुड़े कुछ किस्से

23 साल बड़े राज कपूर के साथ जुड़ा नाम

सिमी ने अपने करियर में राज कपूर और मनमोहन देसाई जैसे बड़े डायरेक्टर्स के साथ काम किया था। एक्ट्रेस का नाम इन दोनों के साथ जोड़ा गया। उस दौर में कई फिल्मी मैगजींस ने 23 साल बड़े राज कपूर के साथ उनके अफेयर के किस्सों को छापा था। हालांकि, इसे लेकर सिमी ने कभी कोई बयान नहीं दिया।

17 की उम्र में पहली बार हुआ था प्यार

सिमी को लाइफ में पहली बार जिस शख्स से प्यार हुआ वो लंदन में उनके पड़ोसी और जामनगर के महाराजा शत्रुशल्य सिंह थे। 17 की उम्र में बना यह रिश्ता 3 साल तक चला।

फिर सिमी की लाइफ में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मंसूर अली खान पटौदी की एंट्री हुई। पटौदी इस रिश्ते को लेकर काफी सीरियस थे और सिमी को अपने घरवालों से मिलवाने का मन भी बना चुके थे पर तभी उनकी लाइफ में शर्मिला टैगोर की एंट्री हुई और वो सिमी से अलग हो गए।

1970 में शादी की जो सिर्फ 3 साल चली

साल 1970 में सिमी ने बिजनेसमैन रवि मोहन से शादी की जो महज 3 साल ही चल पाई। हालांकि, दोनों ने 9 साल बाद तलाक लिया जिसके बाद सिमी ने दोबारा शादी नहीं की। सिमी ने एक इंटरव्यू में बताया था कि रवि मोहन एक अच्छे इंसान थे, हम दोनों एक दूसरे के लिए वफादार थे, लेकिन भगवान ने हम दोनों को एक दूसरे के लिए बनाया ही नहीं था। हम अलग हो गए, लेकिन आज भी उनकी फैमिली के करीब हूं।

कुछ वक्त के लिए रतन टाटा को भी डेट किया

एक दौर में सिमी गरेवाल का नाम मशहूर बिजनेस टायकून रतन टाटा के साथ भी जुड़ा। 2011 में दिए एक इंटरव्यू में सिमी ने खुद इसका खुलासा किया था। उन्होंने बताया कि वो और टाटा कुछ वक्त के लिए रिलेशनशिप में थे। बाद में दोनों ने अलग होने का फैसला किया और हमेशा एक-दूसरे के अच्छे दोस्त बने रहे।

इस इंटरव्यू में टाटा की तारीफ करते हुए सिमी ने उन्हें परफेक्शनिस्ट और जेंटलमैन बताया था। उनके सेंस ऑफ ह्यूमर की तारीफ भी की थी। 2013 में फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में सिमी ने कहा था- 'मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा अफसोस है कि मेरा कोई बच्चा नहीं है। मैं एक बेटी गोद लेने वाली थी, सब कुछ हो गया था। मैं एक अनाथ आश्रम गई जहां मुझे विजया नाम की एक बच्ची मिली। उसके घरवालों ने उसे रेलवे स्टेशन पर छोड़ दिया था। नियम के मुताबिक उसे गोद लेने से पहले मुझे उसकी फोटो न्यूजपेपर में छपवानी पड़ी। 3 महीने तक किसी ने बच्चे की सुध नहीं ली, लेकिन जैसे ही मुझे उसकी कस्टडी मिलने वाली थी, बच्ची के माता-पिता सामने आ गएउस दिन मेरा दिल टूट गया'।

रिलायंस, इन्फोसिस, टीसीएस

कोटक, महिंद्रा... कनाडा के लिए सोने के अंडे देने वाली मुर्गी है भारत

नई दिल्ली,17 अक्टूबर (एजेंसियां)। कनाडा और भारत के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ने के बावजूद कनाडाई फंड यहां से निकलने की जल्दी में नहीं हैं। 30 सितंबर तक के आंकड़ों के मुताबिक भारतीय घरेलू फंड्स में कनाडा के पेंशन फंड्स के निवेश की वैल्यू करीब 1.98 लाख करोड़ है। भारत में सबसे बड़ा कनाडाई निवेशक कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड है।

यह पिछले एक साल से भारतीय शेयरों में अपनी हिस्सेदारी कम कर रहा है। इस दौरान अन्य फंड जैसेकैस डे डिपो और प्लेसमेंट डु क्यूबेकडे डिपो एट प्लेसमेंट डु क्यूबेक और ब्रिटिश कोलंबिया इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट ने अपनी हिस्सेदारी में कोई बदलाव नहीं किया है। सीपीपीआईबी के पास 31 मार्च तक 45,000 करोड़ ($5.46 अरब) मूल्य के लिस्टेड शेयर थे। उसने इस वित्त वर्ष में अब तक 8,500 करोड़ ($1 अरब) मूल्य के शेयर बेचे हैं। एनालिस्ट्स ने कहा कि इनमें से कुछ फंड्स द्वारा की गई बिक्री का कारण दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव नहीं था। इसकी

वजह भारतीय शेयरों की हाई वैल्यूएशन या उनकी खराब प्रदर्शन वाली होल्डिंग्स में फेरबदल हो सकती है।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजिस्ट वीके विजयकुमार ने कहा, 'जब तक दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध पूरी तरह से खत्म नहीं जाते और उनकी सरकारें कठोर कदम नहीं उठातीं, तब तक सीपीपीआईबी जैसे विदेशी फंड भारत में निवेश करना जारी रखेंगे।' जून 2024 तक सीपीपीआईबी के पास पांच लिस्टेड भारतीय कंपनियों में 1% से अधिक हिस्सेदारी थी। कई कंपनियों ने अभी तक अपने लेटेस्ट शेयरहोल्डिंग पैटर्न का खुलासा नहीं किया है। भारत में इस फंड का सबसे बड़ा निवेश कोटक महिंद्रा बैंक में था, जिसमें मार्च 2024 तक बैंक में इसकी 2.68% हिस्सेदारी थी। जून में इसने खुले बाजार के लेनदेन के माध्यम से उसने बैंक में 6,123 करोड़ में लगभग 3.3 करोड़ शेयर या 1.6% हिस्सेदारी बेची। जुलाई में, सीपीपीआईबी ने एनवाईकेएए में 256 करोड़ में 0.52% हिस्सेदारी और डेल्हीवरी में 910 करोड़ में 3.18% हिस्सेदारी बेची। इससे पहले फरवरी में सीपीपीआईबी ने टेलीकॉम टावर इन्फ्रास्ट्रक्चर सर्विस प्रोवाइडर इंडस टावर में 2% हिस्सेदारी 1,223 करोड़ में बेची थी। अल्फ़ानिटी के को-फाउंडर यू आर भट ने कहा, 'भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। इसे देखते हुए कनाडाई फंड्स के जल्दबाजी में भारत में अपनी हिस्सेदारी बेचने की संभावना नहीं है। इनमें से अधिकांश फंड पेंशन फंड और लॉन्गटाइम निवेशक हैं। इसलिए वे अल्पकालिक घटनाओं के आधार पर अपनी निवेश रणनीतियों को बदलने की संभावना नहीं रखते हैं।

सैकड़ों कंपनियों में हिस्सेदारी

रिफाइनिटिव डेटा के मुताबिक 31 मार्च, 2024 तक सीपीपीआईबी के पास लगभग 139 शेयरों में हिस्सेदारी थी, जिसकी कीमत $5.46 अरब थी। 31 मार्च, 2024 तक उनके पास रिलायंस इंडस्ट्रीज के 11.61 मिलियन शेयर थे, जिनकी कीमत 41.4 करोड़ डॉलर थी। उनके अन्य बड़े निवेश में इन्फोसिस के 21.58 मिलियन शेयर, जोमैटो के 149 मिलियन शेयर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के 6.11 मिलियन शेयर शामिल हैं। सीडीपीक्यू ने भारत में जिन 216 शेयरों में निवेश किया है उनकी एसेट अंडर मैनेजमेंट मार्च 2024 तक 2.3 अरब है। एक साल में इसमें 9.1 करोड़ डॉलर की तेजी आई है।

मुकेश अंबानी का दिवाली गिफ्ट, 37 लाख शेयरहोल्डर्स को इस दिन मिलेगा बोनस शेयर

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशिया के दिग्गज कारोबारी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चैयरमैन मुकेश अंबानी 37 लाख शेयर होल्डर्स को दिवाली से पहले बड़ा तोहफा देने जा रहे हैं। दरअसल, मुकेश अंबानी ने बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया है।

कंपनी के बोनस शेयर के लिए 28 अक्टूबर की रिकॉर्ड डेट तय की गई है। यानी दिवाली से पहले निवेशकों को गिफ्ट मिल जाएगा। रेगुलेटरी फाइलिंग में दी गई जानकारी में कंपनी ने बताया गया कि बोनस शेयर देने के लिए कंपनी को शेयरहोल्डर्स से मंजूरी मिल गई है।

कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज में दी जानकारी

स्टॉक एक्सचेंज के पास रेगुलेटरी फाइलिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बताया कि 1:1 के रेश्यो में बोनस शेयर देने को लेकर शेयरहोल्डर्स से मंजूरी मिल गई है।

कंपनी ने बताया कि बोनस शेयर पाने के हकदार शेयरहोल्डर्स का निर्धारण करने के लिए सोमवार 28 अक्टूबर 2024 को रिकॉर्ड डेट तय किया गया है। 29 अगस्त 2024 को रिलायंस इंडस्ट्रीज के एनुअल जनरल मीटिंग में कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बोनस शेयर देने का एलान किया था। जबकि 5 सितंबर 2025 को कंपनी की बोर्ड ने बोनस शेयर देने पर अपनी मुहर लगाई थी।

क्या है शेयर का हाल?

रिलायंस के शेयर के हाल की बात करें तो एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने आरआईएल पर अपनी 'एडीडी' रेटिंग के साथ 3,350 रुपये का टार्गेट प्राइस तय किया है।

वहीं, नोमुरा ने आरआईएल को 3,450 रुपये का टारगेट दिया है और इसे बाय रेटिंग भी दी है। सीएलएसए ने 3,300 रुपये के लक्ष्य के साथ स्टॉक पर अपनी 'आउटपरफॉर्म' रेटिंग बनाए रखी है। यूबीएस ने आरआईएल पर 3,250 रुपये के लक्ष्य के साथ 'बाय' की रेटिंग को बरकरार रखा है। हाल ही में कंपनी ने अपने तिमाही नतीजों का ऐलान किया है।

76,713 के नए रिकॉर्ड स्तर पर सोना

इस साल अब तक 13,361 रुपए महंगा हुआ, साल के आखिर तक 78 हजार तक जा सकता है

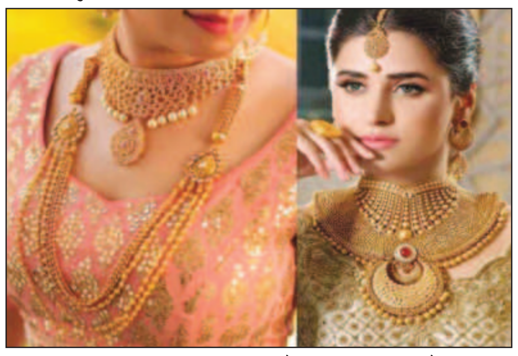

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोना आज यानी 17 अक्टूबर को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 160 रुपए बढ़कर 76,713 रुपए पर पहुंच गया। इससे एक दिन पहले इसके दाम 76,553 रुपए प्रति दस ग्राम थे।

हालांकि, चांदी की कीमत में आज गिरावट है। ये 944 रुपए गिरकर 90,568 रुपए प्रति किलो हो गई। इससे एक दिन पहले चांदी 91,512 रुपए पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच चुकी है।

महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,260 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,110 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,600 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 78,110 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,110 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,160 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 78,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 71,600 रुपये है।

साल के आखिर तक 78 हजार तक जा सकता है सोना

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार, आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 78 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं, चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

अकेले भारत ने आधी दुनिया को बना कर दी वैक्सीन की खुराक, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने पिछले एक साल में विश्व के आधे टीके तैयार किए जिसमें कुल 8 अरब खुराकों में से 4 अरब खुराक भारत में बनीं। यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुन्या सलिला श्रीवास्तव ने अमेरिका-भारत स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम द्वारा आयोजित इंडिया लीडरशिप समिट 2024 में दी। उन्होंने कहा कि भारत फार्मास्यूटिकल्स के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनकर उभरा है और यह विश्व का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और जेनरिक दवाओं का प्रमुख सप्लायर है। बता दें कि भारत जब पूरी दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही थी तब भी वह भारत में निर्मित वैक्सीन को दुनिया के लिए दे रहा था। कई देशों को भारत ने मुफ्त में वैक्सीन मुहैया कराई थी। पुन्या ने बताया कि भारतीय मेडिसिन इंडस्ट्री ने

ग्लोबल हेल्थ सिस्टम को बड़ी मात्रा में सेविंग कराई है। वर्ष 2022 में भारतीय कंपनियों द्वारा उत्पादित दवाओं ने अमेरिकी हेल्थ सिस्टम को 219 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बचत दी। 2013 से 2022 तक यह बचत 1.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर रही।

आधा टीका बनाता है भारत

टीके निर्माण में भी भारत की महत्वपूर्ण भागीदारी है। विश्व में निर्मित कुल टीकों का 50 प्रतिशत भारत से आता है। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि भारत में चिकित्सा शिक्षा में सुधार लाया गया है, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम और अन्य विधियों को लागू किया गया है। इससे चिकित्सा और नर्सिंग कॉलेजों की संख्या और नामांकन में वृद्धि हुई है, जिससे स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता में सुधार हुआ है।

दोनों देशों को हो रहा फायदा

भारत-अमेरिका स्वास्थ्य साझेदारी पर बोलते हुए पुन्या ने कहा कि दोनों देशों ने महामारी से निपटने और एंटी-माइक्रोबियल प्रतिरोध के क्षेत्र में मजबूत सहयोग स्थापित किया है। उन्होंने अमेरिका-भारत कैंसर मूनशॉट डायलॉग का भी उल्लेख किया, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय कैंसर अनुसंधान को बढ़ावा देना है।भारत ने 'वन वर्ल्ड, वन हेल्थ' दृष्टिकोण के तहत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में कैंसर परीक्षण और निदान के लिए 7.5 मिलियन डॉलर का अनुदान भी प्रदान किया है, साथ ही 40 मिलियन वैक्सीन खुराकों का योगदान भी किया है।

इंफोसिस को दूसरी तिमाही में हुआ 6506 करोड़ रुपये का मुनाफा, 21 रुपये प्रति शेयर देगी अंतरिम डिविडेंड

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के लिए नतीजों की घोषणा कर दी है। इस तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 40986 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी को दूसरी तिमाही में 6506 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है जो बीते साल की दूसरी तिमाही से 4.7 फीसदी ज्यादा है। इंफोसिस ने अपने निवेशकों को दूसरी तिमाही में 21 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने की घोषणा की है। स्टॉक मार्केट के बंद होने के बाद इंफोसिस ने दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित करते हुए बताया कि कंपनी को इस तिमाही में 6506 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ है जो पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में 6212 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। यानि साल दर साल मुनाफे में करीब 5 फीसदी का उछाल आया है। दूसरी तिमाही में इंफोसिस का रेवेन्यू 40986 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त

वर्ष के समान तिमाही में 38,994 करोड़ रुपये रहा था। यानि रेवेन्यू में साल दर साल 5.1 फीसदी देखने को मिला है। इंफोसिस ने दूसरी तिमाही में अपने शेयरधारकों को 21 रुपये प्रति शेयर अंतरिम डिविडेंड देने की घोषणा की है। इस डिविडेंड के लिए 29 अक्टूबर 2024 को रिकॉर्ड डेट तय किया गया है। कंपनी ने मौजूदा वित्त वर्ष के लिए अपने रेवेन्यू गाइडेंस को 3.75 - 4.5 फीसदी कर दिया है। मेगा-डील हासिल करने के चलते कंपनी ने गाइडेंस को बढ़ाया है जबकि पहले इंफोसिस ने मौजूदा वित्त वर्ष के लिए 3-4 फीसदी रेवेन्यू ग्रोथ का टारगेट दिया था।

देश में क्यों बढ़ रही महंगाई? भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी रिपोर्ट में बताया कारण

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में आयातित वस्तुओं की मुद्रास्फीति सितंबर 2024 में 2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 13 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। एसबीआई ने रिपोर्ट में बताया कि आयातित वस्तुओं की बढ़ती कीमतें देश की समग्र महंगाई में तेजी से योगदान दे रही है। सोना, तेल व वसा और रासायनिक उत्पादों की बढ़ती की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ रही है। आयातित मुद्रास्फीति किसी देश में आयातित उत्पादों की उच्च लागत के कारण वस्तुओं और सेवाओं की कीमत में इजाफे को कहते हैं। रिपोर्ट में चिंता जताते हुए कहा गया है, समग्र मुद्रास्फीति में आयातित मुद्रास्फीति का हिस्सा बढ़ा है। आयातित मुद्रास्फीति में सितंबर में 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले 13 महीनों में सबसे अधिक है। सोने की कीमतें, तेल व वसा और रासायनिक उत्पाद ने कीमतों के बढ़ने में सबसे अधिक योगदान दिया है।

सितंबर में सोने का आयात मूल्य 10.06 अरब डॉलर पर पहुंचा

व्यापार जगत के नए आंकड़ों के अनुसार देश में सोने के आयात में उछाल आया है। देश ने सितंबर 2024 में 10.06 बिलियन अमरीकी डॉलर का सोना आयात किया। पिछले साल इसी महीने में 4.94 बिलियन डॉलर का सोना आयात किया गया था। सितंबर में इस वर्ष जनवरी से अब तक सबसे अधिक सोने का आयात किया गया। अकेले अगस्त 2024 में, मूल्य के लिहाज से सोने के आयात में 103.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि अप्रैल से अगस्त के दौरान आयात में 25.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, मात्रा के लिहाज से, सोने के आयात में मिश्रित रुझान देखा

गया, अगस्त में इसमें 62.24% की वृद्धि हुई, लेकिन अप्रैल-अगस्त की अवधि में इसमें 2.18% की गिरावट आई।

खुदरा मुद्रास्फीति नौ महीने के ऊपरी स्तर पर

बढ़ती आयातित मुद्रास्फीति के आंकड़े ऐसे समय पर सामने आए हैं जब देश में महंगाई का बढ़ना लगातार जारी है। भारत में खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर 2024 में नौ महीने के उच्च स्तर 5.5 प्रतिशत पर पहुंच गई। अगस्त में यह 3.65 प्रतिशत थी। इसका कारण यह मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों का बढ़ना रहा। सितंबर में खाद्य और पेय पदार्थों की मुद्रास्फीति बढ़कर 8.36 प्रतिशत हो गई, जो अगस्त में 5.30 प्रतिशत और सितंबर 2023 में 6.30 प्रतिशत थी। खाद्य क्षेत्र में सब्जियों की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, इसने समग्र मुद्रास्फीति दर में 2.34 प्रतिशत का योगदान दिया।

आयातित वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से अर्थव्यवस्था पर बढ़ा दबाव

आयातित मुद्रास्फीति की बढ़ती हिस्सेदारी भारतीय अर्थव्यवस्था पर मुद्रास्फीति के दबाव में इजाफा करती है। चूंकि भारत सोने और खाद्य तेलों जैसी आवश्यक वस्तुओं का लगातार आयात करता है, ऐसे में वैश्विक स्तर पर बढ़ती कीमतें घरेलू मुद्रास्फीति के स्तर को प्रभावित करती हैं। मूल्य और मात्रा दोनों के संदर्भ में सोने के आयात में तेज वृद्धि यह भी बताती है कि बाहरी कारक घरेलू बाजारों को कैसे प्रभावित कर रहे हैं।

ऑटो-एफएमसीजी और मिडकैप शेयरों में तेज गिरावट से शेयर बाजार में कोहराम

निवेशकों को 6 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुरुवार के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की बिकवाली के चलते जोरदार गिरावट देखने को मिली है। बजाज ऑटो समेत दूसरे ऑटो शेयरों में गिरावट के चलते ये सुनामी आई है। इसके अलावा एफएमसीजी और बैंकिंग शेयरों में भी जोरदार बिकवाली देखी गई। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों पर भी इस गिरावट की मार पड़ी है। बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 500 अंकों नीचे गिरकर 81006 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 221 अंकों की गिरावट के साथ 24,750 अंकों पर क्लोज हुआ है।

चढ़ने - गिरने वाले शेयर्स

सेंसेक्स के 30 शेयरों में 9 स्टॉक्स तेजी के साथ और 21 गिरकर बंद हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में 9 तेजी के साथ और 41 में गिरावट दर्ज की

गई। तेजी वाले शेयरों में इंफोसिस 2.84 फीसदी, टेक महिंद्रा 2.81 फीसदी, पावर ग्रिड 1.21 फीसदी, एसबीआई 0.73 फीसदी, रिलायंस 0.19 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। गिरने वाले शेयरों में बजाज ऑटो 13.11 फीसदी, श्रीराम फाइनेंस 4.11 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.52 फीसदी, नेस्ले 3.44 फीसदी, हीरो मोटोकॉर्प 3.39 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

सेक्टरोल अपडेट

आज के कारोबार में सबसे बड़ी मार ऑटो शेयरों पर पड़ी है। बजाज ऑटो के नेतृत्व में निफ्टी का ऑटो इंडेक्स 928 अंक या 3.58 फीसदी की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है। निफ्टी का एफएमसीजी इंडेक्स में 1017 और कंज्यूमर ड्यरेबल्स स्टॉक्स में बिकवाली के चलते निफ्टी के इस सेक्टर का इंडेक्स 945 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ है। निफ्टी बैंक 512 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ है। इसके अलावा फार्मा, मेटल्स, एनर्जी, ऑयल एंड गैस, हेल्थकेयर सेक्टर के शेयर भी औंधे मुंह गिरकर बंद हुए। निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 986 और स्मॉल कैप इंडेक्स 239 अंकों की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है। केवल आईटी शेयरों में तेजी देखने को मिली है।

निवेशकों को 6 लाख करोड़ का नुकसान

भारतीय शेयर बाजार में आई तेज गिरावट के चलते गुरुवार के सत्र में निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है।

बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 457.26 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 463.29 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ था। आज के सत्र में निवेशकों को 6 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

फिर पटरी पर लौटा भारत का एक्सपोर्ट बाजार,सितंबर में आई तेजी

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की तरक्की की रफ्तार धीरे-धीरे और बढ़ रही है। यही वजह है कि देश के एक्सपोर्ट बाजार में भी तेजी आ रही है। देश के कमोडिटी एक्सपोर्ट में दो महीने की गिरावट के बाद सितंबर में मामूली बढ़त दर्ज की गई है। सितंबर में निर्यात 0.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ 34.58 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं व्यापार घाटा कम होकर 20.78 अरब डॉलर रह गया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में आयात 1.6 प्रतिशत बढ़कर 55.36 अरब डॉलर हो गया, जो सितंबर, 2023 में 54.49 अरब डॉलर था।समीक्षाधीन महीने में व्यापार घाटा (आयात तथा निर्यात के बीच का अंतर) 20.8 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। अगस्त में यह 10 महीने के उच्चतम स्तर 29.65 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया था। भारत के वस्तु निर्यात में अगस्त माह में सालाना आधार पर 9.3 प्रतिशत और जुलाई में 1.2 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु - शरद
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कति वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-13
सूर्यास्त. -17-48
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा 13-15 तक उपरान्त द्वितीया
मास - कार्तिक कृष्ण , शुक्रवार 18 October
नक्षत्र - अश्विनी 13 -26 तक भरणी
योग - वज्र 21-33 तक उप सिद्ध
करण- कौलव 13-15 तक उप तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - कृषि भूमि पूजन

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला	मे	तुला--	06-10 बजे
चंद्र-	मेष	मे	वृश्चिक-	08-20 बजे
मंगल	मिथुन	मे	धनु----	10-33 बजे
बुध-	तुला	मे	मकर...	12-39 बजे
गुरु-	वृष	मे	कुंभ-	14-30 बजे
शुक्र-	वृश्चिक	मे	मीन-	16-08 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मेष---	17-44 बजे
राहु-	मीन	मे	वृष---	19-29 बजे
केतु-	कन्या	मे	मिथुन	21-30 बजे
			कर्क--	23-41 बजे
			सिंह---	01-54 बजे
			कन्या--	04-01 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 10:34 से 12:01 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:13 - 07:39	शुभ	रोग	17:48 - 19:24	अशुभ
लाभ	07:39 - 09:06	शुभ	काल	19:24 - 20:56	अशुभ
अमृत	09:06 - 10:34	शुभ	लाभ.	20:56 - 22:29	शुभ
काल.	10:34 - 12:01	अशुभ	उत्पात	22:29 - 00:01	अशुभ
शुभ.	12:01 - 13:29	शुभ	शुभ.	00:01 - 01:34	शुभ
रोग	13:29 - 14:56	अशुभ	अमृत	01:34 - 03:06	शुभ
उत्पात	14:56 - 16:23	अशुभ	चंचल	03:06 - 04:39	शुभ
चंचल	16:23 - 17:48	शुभ	रोग	04:39 - 06:13	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपको विभिन्न भूमिकाओं का क्रियान्वन करना पड सकता है इसलिए दोस्तों से मदद लेने में संकोच न करे । वे सफलता के रास्ते पर आपको एक मजबूत समर्थन दे सकते हैं। छात्रों के लिए ये एक अच्छा दिन हो सकता है और उन्हें एक प्रतिष्ठित संस्थान से डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त हो सकती है। इन स्थितियों की वजह से उच्च भुगतान नौकरियों में अवसर बढ़ेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप अपने कैरियर की शुरुआत में हैं, इसलिए आपको सीढ़ी पर अगला कदम रखने और पीछे चले गए पथ को देखने की जरूरत है। इन स्थानों में की गई कोई गलती का भुगतान आपको बाद में करना पड़ सकता है । खुद के लिए कुछ प्रस्ताव बनाने के लिए समय निकालें । आपको विरासत में मिला धन का कुछ हिस्सा या पैसा प्राप्त हो सकता है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप समस्या पैदा नहीं करते , लेकिन आज आप अपने को घिरा हुआ पाएंगे । आप अपना आपा खो सकते है। आप अपने को शांत बनाए रखे और समस्याओं को एक एक करके निपटे । आपको देर तक अपने कार्यालय में कार्य करना पड़ सकता है । शाम तक की अपनी प्रतिबद्धताओं को रद्द कर दे । अपने कार्य को ढंग से समाप्त करने की और ध्यान लगाएं ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज काफी सारी बाते आपके ध्यान देने योग्य होगी जिससे आप का सब पर ध्यान लगाना मुश्किल होगा । ज्यादा तनाव न पाले । बैठ कर शांति से निर्णय के बारे में सोचे और उसके अनुसार कार्य करे । आज आप एक पुराने दोस्त से मिल सकते है। कोई जानकर आपके सामने एक दिलचस्प प्रस्ताव रख सकता है जिसको जानकर आप लालायित हो सकते है परन्तु सोच समझकर निर्णय ले ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आपको अप्रत्याशित लाभ मिल सकता है । आप हमेशा अपने धन को लेकर उत्तरदायी और जिम्मेदार रहे है पर ये समय अपने आप को थोड़ी खुशिया देने का समय है। आप अपने लिए कुछ उपहार ले सकते है जो की काफी हद तक आपको तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होगा । आप दुसरो का काफी ध्यान रखते है पर आज अपने लिए कुछ समय निकालकर अपने ऊपर कुछ खर्च करे।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
कुछ परिवर्तन आपके कार्यस्थल में होने की संभावना है। वे पहली बार में हतोत्साहित लग सकते है, लेकिन जल्द ही वे आप के लिए नए अवसर को खोलेंगे , लेकिन इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आपको साहस और विश्वास की छलांग लगाने की आवश्यकता पड़ेगी । ये उद्यम आपको जोखिम भरा लग सकता है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
एक मालिक के रूप में, अपने अधीनस्तों के लिए आपमें एक दिल है । उन्हें ज्यादा उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए आपकी प्रशंसा की जरूरत है। उनसे बात करें और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आप किसी पार्टी का आयोजन भी कर सकते है । वे इसके लिए आप का आदर करेंगे।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आपके लिए एक भाग्यशाली दिन है। आप किसी भी बैठक या बातचीत में शीर्ष पर रहेंगे। आप बहुत आसानी से किसी भी घुमावदार स्थिति से बाहर आ जाएंगे । आपके प्रयासों की सराहना की जाएगी। अगर आप एक संपत्ति में आज निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो आपको एक अच्छा सौदा मिल सकता है। सावधानी से दस्तावेजों को पढ़ने के बाद ही अपने हस्ताक्षर करे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
एक दुर्लभ नौकरी का अवसर आज आपके दरवाजे पर दस्तक देने के लिए आ रहा है। यह विचार करने पर कुछ हद तक जोखिम भरा लगेगा , लेकिन आप उस पर कार्रवाई करते हैं, तो आप अपने कैरियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं। सुरक्षित और संकीर्ण रास्ते की तुलना में ये समय जोखिम लेने के लिए है ताकि जो आप अपने जीवन में करना चाहते है वो पूरा हो ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
एक दोस्त या एक गाइड के माध्यम से छात्रों को एक नया करियर विकल्प मिल सकता है और आप अपने करियर के रूप में इसे चुन सकते हैं पर आपको एक गहन अनुसंधान की सलाह दी जाती है। आज पेशेवरो में नयी उर्जा का संचार हो सकता है । यह किसी भी परियोजना को शुरू करने के लिए एक अच्छा दिन है। सहकर्मी आपके मददगार साबित होंगे और आप एक टीम के नेता की भूमिका अच्छी तरह से निभाएंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपको विदेशी भूमि में स्थापित प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ कार्य करने के लिए प्रस्ताव मिल सकता है , और आपके विदेश में बसने का आपका सपना सच हो सकता है, हालाँकि दस्तावेज से जुड़े कुछ मुद्दों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन इन मुद्दों का समय रहते हल हो जाएगा, और जब आपको सब कुछ मिल जाएगा जिसे आप चाहते थे तो धन की वर्षा भी आप पर होने लगेगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज के दिन आपकी प्रतिभा को आपके उच्च अधिकारी पहचानेगें और आपके कार्य क्षेत्र में आपकी काफी प्रशंसा होगी और साथ ही साथ आपको घर में उपहार भी मिल सकता है जो आपके दिन को प्रज्जवलित करेगा और आप इस के हक़दार भी है । आपने अपने करियर को उठाने के लिए बहुत प्रयास किए है जिससे की आपको अपने कार्य की सराहना मिलेगी और अब उनके फल मिलने का समय भी है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सूरजपुर हत्याकांड के आरोपियों के साथ विधायक देवेंद्र यादव

बीजेपी ने पोस्ट की फोटो, लिखा- खूब जमेगा रंग, जब जेल में बैठेंगे तीन यार

सूरजपुर/रायपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में हेड कॉन्स्टेबल तालिब शेख की पत्नी और बेटी की हत्या केस में पुलिस ने मुख्य आरोपी कुलदीप साहू सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एनएसयूआई नेता सीके चौधरी भी शामिल है। यह वही सीके (चंद्रकांत) चौधरी है, जिसने घटना के बाद कुलदीप साहू को एनएसयूआई नेता बताए जाने का खंडन किया था। इसे लेकर बाकायदा वीडियो जारी किया और कहा था कि अगर मौका मिला तो जो अपराधी है, उसके विरोध में डटकर खड़ा रहूंगा।

दूसरी ओर बीजेपी ने आरोपी कुलदीप साहू और सीके चौधरी की फोटो को भिलाई विधायक देवेंद्र यादव के साथ 'एक्स' पर पोस्ट किया है। इसमें लिखा है- खूब जमेगा रंग जब जेल में बैठेंगे तीन यार, में, जीरो टॉलरेंस है 'विष्णु सरकार'। पुलिस ने हत्याकांड के आरोपियों को सूरजपुर सीजेएम डायमंड कुमार लहरे की कोर्ट में पेश किया। चार आरोपियों कुलदीप साहू, फुलसिंह उर्फ रिंकू सिंह, चंद्रकांत चौधरी (सीके चौधरी) और सूरज साहू की रिमांड मांगी। कोर्ट ने आरोपियों को 18 अक्टूबर तक रिमांड पर सौंप दिया है। चंद्रकांत चौधरी की गिरफ्तारी के बाद एनएसयूआई ने उसे जिलाध्यक्ष पद से हटा दिया है। एनएसयूआई प्रदेश प्रभारी आकाश चौधरी ने कहा कि सूरजपुर में पुलिसकर्मियों के परिवारजनों की हत्या में गिरफ्तार मुख्य आरोपी के साथ चंद्रकांत भी है। उन्हें इसकी जानकारी पुलिस की प्रेस कॉन्फ्रेंस से मिली है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उसे तत्काल पद से हटाया जाता है। हेड कॉन्स्टेबल तालिब शेख मनेंद्रगढ़ के रहने वाले हैं। स्थानीय लोगों ने बुधवार देर शाम उनकी पत्नी मेहनाज और बेटी आलिया को श्रद्धांजलि दी।

लोगों ने कहा कि तालिब इस जिले का बहादुर जवान है। उसने ड्यूटी के दौरान अपने परिवार को न्यौछावर कर दिया। उनकी पत्नी हमारे जिले की बहू थी। हत्यारों ने हमारी बहू और उसकी बेटी को मार दिया। जय स्तंभ चौक पर कैंडिल लेकर पहुंचे लोगों ने कहा कि, हत्यारे किसी भी पार्टी के हों, उनको फांसी मिलनी चाहिए। आईजी अंकित गर्ग ने बताया कि, हेड कॉन्स्टेबल तालिब शेख के घर आरोपी कुलदीप साहू, सीके चौधरी और रिंकू सिंह गए थे। हेड कॉन्स्टेबल की पत्नी और बेटी की सब्जी काटने वाले चाकू से हत्या की गई।

दोनों के शरीर पर चाकू से कई वार किए जाने के निशान मिले हैं। 13 अक्टूबर की रात जब तालिब शेख अपने घर पहुंचे तो वहां सीढ़ियों पर खून बिखरा था। घर में उनकी पत्नी मेहनाज और बेटी आलिया नहीं थे। सामान बिखरा पड़ा था। जगह-जगह खून देख उन्होंने इसकी सूचना थाने में दी। आईजी ने बताया कि तालिब को मारने आरोपी गए थे, वह नहीं मिले तो उनकी पत्नी-बेटी की हत्या कर दी।

ट्रैक्टर पर बैठकर हाथियों को खदेड़ा

अंधेरे में आगे-आगे दौड़ते रहे कई हाथी, जंगल में 2 ग्रामीणों पर किया हमला

रायगढ़, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायगढ़ में हाथियों को खदेड़ने के लिए लोग बार-बार उनके करीब तक पहुंच रहे हैं। इस मामले का एक और वीडियो सामने आया जिसमें बुधवार रात ट्रैक्टर से हाथियों के झुंड को दौड़ाया जा रहा है। वहीं एक और मामले में हाथी के हमले में 2 लोग घायल हो गए। बुधवार रात का यह वीडियो बताया जा रहा है। बिलासखार गांव के कई लोग एक ट्रैक्टर पर बैठे हैं और हाथियों को खदेड़ रहे हैं। आसपास का पूरा इलाका जंगल और झाड़ियों का है। अंधेरे के बीच आगे-आगे कई हाथी दौड़ रहे हैं और पीछे ट्रैक्टर में गांव वाले सवार हैं। दल से बिछड़ने या हाथियों के गुस्सा होने पर बड़ी घटना भी हो सकती थी। वन विभाग ने कई बार मुनादी कर हाथियों के करीब नहीं जाने की चेतावनी दी है। इसके लिए हाथी मित्र दल भी बनाया गया है लेकिन इसके बाद भी ऐसे वीडियो रायगढ़ से सामने आ रहे हैं।

नोट छापने वाली प्रेस में छपेगा शराब का स्टीकर

भारत सरकार करेगी प्रिंट, नकली होलोग्राम घोटाले के बाद छत्तीसगढ़ में ऐसा पहली बार

रायपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की शराब की बोतल पर जो स्टीकर लगेगा वो भारत सरकार छापेगी। होलोग्राम की प्रिंटिंग का काम अब प्राइवेट एजेंसी को दिया जाता रहा है। ये पहली बार है जब केंद्र सरकार की रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से जुड़ी संस्था इसकी प्रिंटिंग करेगी। ये वो सरकारी एजेंसी है जो नोट भी छापती है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने तय किया है कि होलोग्राम प्रिंटिंग का काम नासिक रोड में स्थित भारत सरकार के उपक्रम भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में होगा। वहां से छत्तीसगढ़ की सरकार होलोग्राम खरीदेगी। इसके बाद ये प्रदेश में बिकने वाली शराब की बोतलों पर लगेगा। अक्टूबर अंत तक छपाई का काम छत्तीसगढ़ की ओर से भारत सरकार की इस करेंसी प्रिंटिंग यूनिट को दे दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ के रिटायर्ड आईएएस पूर्व आबकारी कमिश्नर गणेश शंकर मिश्रा ने किया और बताया कि इससे फर्क क्या पड़ेगा।

गणेश शंकर मिश्रा कहते हैं- मेरी जानकारी में संभवतः ये पहली बार होगा कि जब भारत सरकार की करेंसी प्रिंटिंग यूनिट छत्तीसगढ़ के लिए शराब के होलोग्राम बनाएगी। इसका असर ये होगा कि होलोग्राम प्रिंटिंग का काम जो अब तक प्राइवेट एजेंसी को दिया जाता था पूरी तरह से बंद हो जाएगा।

मिश्रा ने आगे कहा- जब प्रदेश में प्राइवेट कंपनियों से प्रिंटिंग होती थी। तो इसका रिस्क रहता था कि फेक प्रिंटिंग हो सकती है। पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुआ शराब घोटाला इसी वजह से जन्मा। ईडी और ईओडब्ल्यू ने अदालतों में यही कहा कि नकली होलोग्राम प्रिंट किए गए और मनमाने तरीके से काली कमाई की गई। अब इसपर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

ये सीधे राजस्व यानी सरकार की कमाई से जुड़ा होता है। रिटायर्ड आबकारी आयुक्त गणेश शंकर मिश्रा ने बताया होलोग्राम के जरिए सरकार को राजस्व मिलता है। इसका रिकॉर्ड रखा जाता है। अगर किसी बोतल पर ये लगा हुआ है चाहे वो विदेशी शराब हो या देशी, तो इसका अर्थ है कि उस बोतल पर जो भी एक्साइज ड्यूटी है वो दी जा चुकी है। अब अगर ये होलोग्राम ही नकली हो बस किसी ने यूं ही छापकर लगा दिया तो सरकार को बोतल पर मिलने वाला राजस्व किसी सिंडिकेट या घोटालेबाज के पास जाएगा।

इसकी संभावना को सरकार के इस फैसले ने कम कर दिया है। रिटायर्ड आबकारी आयुक्त गणेश शंकर मिश्रा ने बताया अब तक ये काम प्राइवेट एजेंसी कर रही थी।

बकरों की बलि देकर बैगा पी गया खून

छत्तीसगढ़ में 500 साल पुरानी परंपरा श्रद्धालु बोले- बैगा के शरीर में आती हैं देवी

रायगढ़, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायगढ़ जिले में शरद पूर्णिमा के दिन मानकेश्वरी देवी मंदिर में बैगा ने बकरों की बलि देकर उनका खून पीया। यहां मौजूद श्रद्धालुओं के मुताबिक, इस दिन बैगा के शरीर में देवी आती हैं और वो बलि दिए गए बकरों का खून पीती हैं। बलि की ये परंपरा करीब 500 साल से चली आ रही है। इस दृश्य को अपने कैमरे में कैद किया है।

जिला मुख्यालय से करीब 27 किमी दूर करमागढ़ में विराजी मां मानकेश्वरी देवी रायगढ़ राजघराने की कुल देवी हैं। शरद पूर्णिमा के दिन दोपहर बाद यहां बलि पूजा शुरू हुई। जहां सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। श्रद्धालुओं के मुताबिक जिनकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं, वे यहां बकरा और नारियल लाकर चढ़ाते हैं। ग्रामीणों की मानें तो पहले 150 से 200 बकरों की बलि दी जाती थी, लेकिन कोरोना काल के बाद से इनकी संख्या करीब 100 तक हो गई है। देवी पूजन समिति के सदस्यों ने बताया कि, बलि पूजा से एक रात पहले निशा पूजा पूरे विधि-विधान के साथ की गई। जब यह पूजा होती है, तो राज परिवार से एक ढीली अंगूठी बैगा के अंगूठे में पहनाई जाती है, जो उसके नाप की नहीं होती। लेकिन बलि पूजा के दौरान बैगा के अंगूठे में वो अंगूठी पूरी तरह से कस जाती है। इससे अहसास होता है कि अब देवी का वास बैगा के शरीर में हो गया है। उसके बाद श्रद्धालु बैगा के पैर धोते हैं और सिर पर दूध डालकर पूजा करते हैं। शरद पूर्णिमा के दिन करमागढ़ में होने वाले बलि पूजा को देखने रायगढ़ के अलावा दूसरे जिलों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। जिसमें रायगढ़ के जोबरो, तमनार, गौरबहरी, हमीरपुर, लामदांड, कुरसलेंगा, भगोरा, मोहलाई, बरकछार, चाकाबहाल, अमलीदोंडा, ओडिसा के सुंदरगढ़, सारंगढ़ जिले के विजयपुर, जुनवानी, बंगुरसिया सहित कई गांव शामिल हैं। मानकेश्वरी देवी पूजन समिति के पूर्व अध्यक्ष युधिष्ठिर यादव बताते हैं कि, पूर्वजों से सुना है कि राजा के हाथ में अंग्रेज सेना ने बेड़ी (जंजीर) लगा दिया था।

जमशेदपुर पश्चिमी में कांग्रेस-जदयू में टक्कर

सरयू राय होंगे एनडीए प्रत्याशी बन्ना गुप्ता से होगा कड़ा मुकाबला

जमशेदपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र में इस बार मुकाबला बेहद दिलचस्प होने जा रहा है। जमशेदपुर पूर्वी के वर्तमान विधायक और हाल ही में जदयू में शामिल हुए सरयू राय एनडीए के प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतर रहे हैं। उनका सीधा मुकाबला झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता से होगा, जो कांग्रेस प्रत्याशी होंगे। 2009 में बन्ना गुप्ता ने यहां से विधायक बनने के लिए, सरयू राय को हराया था, 2014 के विधानसभा चुनाव में सरयू राय ने बन्ना गुप्ता को शिकस्त दी थी, अब सरयू राय की जमशेदपुर पश्चिम में वापसी ने फिर से समीकरण बदल दिए हैं। 2019 में रघुवर दास के खिलाफ जमशेदपुर पूर्वी से बगावत कर चुनाव जीतने वाले सरयू राय अब पश्चिम की ओर रुख कर चुके हैं। इससे इस सीट पर राजनीतिक तापमान बढ़ गया है। बीजेपी के अन्य दावेदारों, खासकर विकास सिंह, के बीच भी आंतरिक खींचतान देखने को मिल रही है। विकास सिंह ने 2019 में भी टिकट की मांग की थी, लेकिन उन्हें तब टिकट नहीं मिला था लेकिन फिर भी उन्होंने मैदान नहीं छोड़ा मेहनत करते रहे हैं, उन्होंने वर्तमान विधायक बन्ना गुप्ता के खिलाफ भी कई आंदोलन किए हैं। जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा में लगभग 50,000 से ज्यादा मुस्लिम वोटर हैं। इस चुनाव में पूर्व झामुमो नेता और हाल ही में एआईएमआईएम ज्वाइन करने वाले बाबर खान भी मैदान में उतर रहे हैं। उनके चुनाव लड़ने से बन्ना गुप्ता के मुस्लिम वोट बैंक पर असर पड़ने की संभावना है, जिससे मुकाबला और कड़ा हो सकता है। बाबर खान के आईएमआईएम से जुड़ने और चुनाव लड़ने की घोषणा ने मुस्लिम वोटरों को एक विकल्प दे दिया है जिससे बन्ना गुप्ता के लिए खतरा पैदा हो सकता है। जमशेदपुर पश्चिम का यह चुनावी मुकाबला बन्ना गुप्ता और सरयू राय के बीच व्यक्तिगत और राजनीतिक संघर्ष का प्रतीक बन गया है। दोनों नेताओं के बीच पुरानी अदावत और नए समीकरणों ने इस सीट को हॉटस्पॉट बना दिया है, और देखना दिलचस्प होगा कि अंततः कौन विजयी होता है।

कोल्हान, संथाल और मध्य झारखंड में बारिश के आसार

रांची, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में एक डिप्रेशन एरिया बना हुआ है। इसका केंद्र तमिलनाडु के आसपास है। इसका आंशिक असर झारखंड पर पड़ रहा है। इसके असर से पिछले कुछ दिनों से दोपहर बाद बारिश हो जा रही है। बुधवार को भी राजधानी रांची में अच्छी बारिश हुई। मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि पिछले दो दिनों से राज्य के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में बारिश हो रही है। दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में एक डिप्रेशन बना हुआ है। इस कारण झारखंड के मध्य और कोल्हान प्रमंडल के इलाकों में इसका असर हो रहा है। दिन में गर्मी होने के कारण नमी भी बन रही है। इससे राज्य के कुछ हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो रही है। उन्होंने बताया कि 17 और 18 अक्टूबर को सिस्टम तमिलनाडु के ओर नजदीक आ जाएगा। इसके असर से कोल्हान, संथाल और मध्य झारखंड के हिस्से में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। 19 अक्टूबर से सिस्टम का असर समाप्त हो जाएगा। 19 से 22 अक्टूबर तक बारिश नहीं होगी। पूरे राज्य में मौसम शुष्क हो जाएगा।

17 और 18 अक्टूबर को इन जिलों में होगी बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, आज राजधानी रांची, खूंटी, लोहरदगा, सरायकेला खरसावां, बोकारो, पूर्वी व पश्चिम सिंहभूम, सिमडेगा व गुमला में हल्की बारिश की संभावना है। यहां दिनभर बादल छाए रहेंगे व शाम में छिटपुट बारिश देखी जाएगी। बारिश के साथ-साथ वज्रपात की भी आशंका है। इसलिए लोग इस समय काफी सचेत होकर रहें।

आज के संभावित तापमान की बात करें तो देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ व साहिबगंज में अधिकतम 33 व न्यूनतम 24 डिग्री रह सकता है। कोडरमा, चतरा, गढ़वा, लातेहार, लोहरदगा, पलामू में अधिकतम तापमान 33 डिग्री व न्यूनतम 23 डिग्री रह सकता है।

दिलचस्प होगा सरायकेला सीट पर चुनाव

सरायकेला सीट पर चंपई सोरेन और झामुमो के बीच कांटे की टक्कर, दोनों कर रहे दावेदारी

जमशेदपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव में इस बार सरायकेला सीट पर मुकाबला बेहद दिलचस्प होने वाला है। 13 नवंबर को इस सीट पर मतदान होना है, और यहां पर पूरे राज्य की नजरें टिकी हैं। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और अब भाजपा नेता चंपई सोरेन इस बार भाजपा के टिकट पर मैदान में उतर रहे हैं। चंपाई सोरेन इससे पहले छह बार सरायकेला से विधायक रह चुके हैं। चंपाई सोरेन के भाजपा में आने से पार्टी के भीतर नाराजगी का माहौल है। गणेश महली और रमेश हांसदा जैसे दिग्गज नेता, जो लंबे समय से सरायकेला सीट से चुनाव की तैयारी कर रहे थे, अब टिकट कटने से नाराज बताए जा रहे हैं, इससे पार्टी को नुकसान हो सकता है। झामुमो ने भी चंपई सोरेन को हराने के लिए पूरी ताकत लगा दी है। पार्टी की ओर से बास्को बेसरा, भागलु सोरेन और कृष्णा बास्के जैसे प्रमुख नेताओं के नाम चर्चा में हैं लेकिन झामुमो के लिए चंपई सोरेन की कमी को भरना आसान नहीं होगा। सरायकेला में चंपई का लंबे समय से प्रभाव रहा है, उनके पार्टी छोड़ने से झामुमो बड़े नेता की कमी से जूझ रही है। कई वरिष्ठ पत्रकार और रणनीतिकार बताते हैं कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कोल्हान क्षेत्र की किसी सीट से चुनाव लड़ सकते हैं, और अगर वे सरायकेला से मैदान में उतरते हैं, तो यह मुकाबला और भी रोमांचक हो जाएगा। 2019 में हेमंत सोरेन ने बरहेट और दुमका से चुनाव लड़ा था और दोनों सीट जीतकर दुमका सीट छोड़ दी थी, जहां उपचुनाव में उनके भाई बसंत सोरेन ने जीत दर्ज की थी।

लातेहार विधानसभा, 30 साल में दो बार जीती बीजेपी

2009 के बाद जीत का मुंह नहीं देख सकी पार्टी फिर आमने-सामने प्रकाश और बैद्यनाथ राम

लातेहार, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। लातेहार विधानसभा सीट पर पिछले हुई पांच विधानसभा चुनाव पर गौर करें तो शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम व पूर्व विधायक प्रकाश राम के बीच ही कड़ी टक्कर रही है। हालांकि पिछले हुई पांच विधानसभा चुनाव में तीन बार बैद्यनाथ राम ने बाजी मारी है। जबकि दो बार प्रकाश राम ने जीत दर्ज की है। बैद्यनाथ राम ने 2000, 2009 और 2019 में जीत हासिल की। जबकि प्रकाश राम ने 2005 और 2014 में जीत हासिल की।

एक बार फिर दोनों के आमने-सामने मैदान में उतरने की तस्वीर बन रही है। आगामी होने वाला विधानसभा चुनाव में क्या बैद्यनाथ राम जीत का चौका लगा पाएंगे या प्रकाश राम जीत का हैट्रिक लगा पाएंगे। यह 23 नवंबर को परिणाम घोषणा के बाद स्पष्ट होगी। दोनों अपने-अपने क्षेत्र में बड़ा वोट बैंक के साथ जनता में उनकी काफी लोकप्रिय है।

मंत्री बैद्यनाथ राम फिर होंगे इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार

वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में लातेहार विधानसभा सीट पर जेएमएम के बैद्यनाथ राम विधायक चुने गए थे। इस चुनाव में उन्हें 76,507 वोट मिले। दूसरे नंबर पर भाजपा प्रत्याशी प्रकाश राम थे। उनको कुल 60,179 वोट मिले। इस बार इंडिया गठबंधन की ओर से बैद्यनाथ राम फिर से चुनाव मैदान में होंगे, फिलहाल क्षेत्र में इंडिया गठबंधन के अंदर से उन्हें किसी तरह की बड़ी चुनौती मिलने की संभावना नहीं है। हालांकि कांग्रेस और आरजेडी के कुछ नेता चुनाव लड़ने को इच्छुक जरूर है, परंतु बैद्यनाथ राम इस क्षेत्र से तीन बार विधायक रह चुके हैं। इसीलिए जेएमएम की ओर से उन्हें फिर से उम्मीदवार बनाए जाने की काफी संभावना है।

दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी में प्रकाश राम के अलावा कई अन्य दावेदार रांची और दिल्ली पहुंचकर बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। हालांकि प्रकाश राम भी लातेहार से दो बार चुनाव जीत चुके हैं, पहली बार उन्होंने आरजेडी टिकट पर जीत हासिल की। दूसरी बार झाविमो टिकट पर विजयी रहे। पिछली बार बीजेपी टिकट पर चुनाव लड़े, लेकिन सफलता नहीं मिली। अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित लातेहार सीट पर बीजेपी की ओर से बृजमोहन राम और चेतलाल रामदास समेत कई नेताओं की ओर से दावेदारी की जा रही है।

पुलिसकर्मियों पर तीरों-पत्थरों से हमला, 2 टीआई सहित 8 घायल

सरगुजा के हसदेव अरण्य में पेड़ों की कटाई का विरोध, लाठीचार्ज में 12 ग्रामीण चोटिल

अंबिकापुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में पेड़ों की कटाई को लेकर ग्रामीणों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हो गई। ग्रामीणों ने तीर और पत्थर से पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। इसमें 2 टीआई सहित 8 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। वहीं पुलिस ने भी लाठी चार्ज किया, जिसमें कई ग्रामीणों को चोटें आई हैं।

दरअसल, हसदेव अरण्य में पेड़ों की कटाई चल रही है। स्थानीय ग्रामीण इसका विरोध कर रहे हैं। इसे देखते हुए बुधवार रात ही पुलिस फोर्स को तैनात किया गया था। गुरुवार को भी बड़ी संख्या में ग्रामीण हाथों में लाठी-डंडे, तीर-धनुष लेकर विरोध के लिए पहुंच गए।

ग्रामीणों ने तीरों और पत्थरों से पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। दो पुलिसकर्मियों को तीर लगा है। जबकि अन्य पुलिसकर्मी पत्थर लगने से घायल हुए हैं। वहीं ग्रामीणों को हिंसक होता देख पुलिस ने भी लाठियां भांजी। इसमें दर्जनभर ग्रामीणों को चोटें आई हैं।

सरगुजा एसएपी अमोलक सिंह ने बताया कि घायल पुलिसकर्मियों को सीएचसी उदयपुर में भर्ती किया गया है। हसदेव अरण्य में पेड़ों की कटाई से 8 गांव प्रभावित हैं। इसमें 841 हेक्टेयर एरिया फॉरेस्ट लैंड है।

लोमड़ी का आतंक: 17 लोगों पर कर चुकी हमला

कोरबा में युवक की नोची नाक, लगे 13 टांके

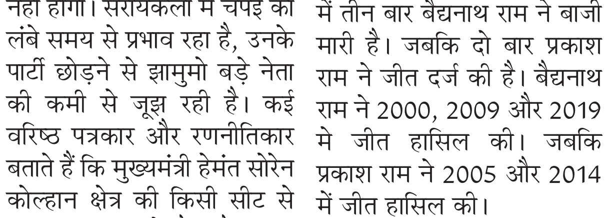

कोरबा, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर और मुंगेली में लोमड़ी के हमले के बाद अब कोरबा में भी दहशत का माहौल बना हुआ है। बिलासपुर और मुंगेली में 16 लोगों को घायल करने के बाद कोरबा में हमले से अब तक 17 लोग घायल हो चुके हैं। दर्री के राजीव नगर में घटना सामने आई है, जहां 35 वर्षीय मनोज मतवारे पर लोमड़ी ने हमला कर दिया। इस हमले में मनोज मतवारे गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसे जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

बताया जा रहा है कि मनोज मतवारे मजदूरी का काम करता है। उसकी पत्नी और बच्चे साथ रहते हैं। खाना खाकर वो बस्ती से लगे नर्सरी में लघु शंका करने गया हुआ था। इस दौरान अचानक एक लोमड़ी ने पीछे से पहले हाथ में हमला किया। उसे लगा कि कुत्ते ने हमला किया और लात से मारने कब बाद आगे गया। इसके बाद फिर से पलटकर उसने चेरे पर हमला कर दिया। इस हमले में लोमड़ी ने नाक को नोच लिया 13 टांके लगे हैं।

हमले के दौरान उसने चीख-पुकार मचाई, जहां कुछ युवक दौड़कर आए और किसी तरह लोमड़ी को मार कर भगाया तब जाकर उसकी जान बच पाई। देखते ही देखते बस्ती वालों की भीड़ एकत्रित हो गई और उसे जिला मेडिकल कॉलेज के लिए लेकर रवाना हुए, जहां उसका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि इस क्षेत्र में लोमड़ी पिछले कई दिनों से विचरण कर रहा है, लेकिन हमला पहली बार किया है। इस हमले के बाद लोग दहशत के माहौल में है कि कहीं छोटे बच्चों पर भी हमला न कर दें।

मानसून लौटा, पर बस्तर संभाग के जिले भीगेंगे

यहां अगले 4 दिन बरसात, सरगुजा, बिलासपुर में गिर सकती है बिजली, हफ्तेभर और सताएगी गर्मी

रायपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ से मानसून लौट चुका है लेकिन बस्तर संभाग के जिलों में अगले 4 दिन बारिश की चेतावनी है, यहां हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने प्रेशर और नमी आने कारण ऐसा हो रहा है। वहीं सरगुजा और बिलासपुर संभाग के जिलों में भी अगले दो दिन गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की आशंका है।

प्रदेश के बाकी जिलों में बारिश थमने के बाद अधिकतम तापमान बढ़ा हुआ। 4 शहरों में दिन का पारा 33 डिग्री के पार पहुंच गया है। बुधवार को डोंगरगढ़ सबसे गर्म रहा यहां पारा 34.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक अगले एक सप्ताह तक अधिकतम तापमान में कोई बदलाव नहीं होगा। बुधवार को प्रदेश में एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हुई। कोटा, दोरनापाल में 20 मिमी पानी गिरा और गादीरास (कोरबा) में 10 मिमी बारिश हुई। आज हल्के बादल छाए रहने की संभावना है। शहर में अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 के आसपास रहने की संभावना है।

अवैध संबंध में बेटा बन रहा था रास्ते का कांटा

पलामू, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक महिला के साथ अवैध संबंध में बाधक बन रहे अपने बेटे को पिता ने मौत के घाट उतार दिया। पिता का पांच वर्षों से अपने से उम्र में 14 साल छोटी महिला के साथ अवैध संबंध था। बेटा इसका लगातार विरोध करता था। इससे आक्रोशित पिता ने अपनी प्रेमिका के साथ बेटे को मारने का प्लान बनाया और सोमवार की रात टांगी से काटकर बेटे को मार दिया। सतबरवा थानाक्षेत्र के इस मामले में पुलिस ने पिता और उसकी महिला प्रेमिका को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में शामिल दो अपराधी फरार हैं। गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद ने बताया कि सतबरवा के खामडीह पूर्णाडीह टोला में मंगलवार को सरेश साव के पुत्र सकेंद्र साव (24) का शव एक अर्धनिर्मित मकान से मिला था। धारदार हथियार से उसके शरीर पर कई वार किए गए थे। इस संबंध में मृतक की मां रविंदा देवी ने अपने पति की प्रेमिका बेबी देवी (31) पर बेटे के हत्या का आरोप लगाया था। बेबी देवी लेस्लीगंज थानाक्षेत्र अंतर्गत रजहरा गांव निवासी अनिल विश्वकर्मा की पत्नी है। वह पति से अलग सरेश साव (45) के साथ रहती थी। पुलिस ने बेबी देवी से पूछताछ किया तो उसने बताया कि सकेंद्र का अपने पिता के साथ विवाद चल रहा था। पिता से पूछताछ हुआ तो उसने बताया कि दो परिचितों के साथ मिलकर उसने बेटे की हत्या की।

धनबाद में लागू है आदर्श आचार संहिता

राजनीतिक दलों के बैनर पोस्टर अब भी लटके हुए, नियमों का हो रहा उल्लंघन

धनबाद, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के साथ ही जिला प्रशासन द्वारा सभी दलीय व सरकारी होर्डिंग, विज्ञापन आदि देर रात हटा देने की आदेश जारी कर दी थी बावजूद सभी राजनैतिक दल अपने कानों में तेल डाल सोए नज़र आ रहे हैं। निर्वाचन आयोग के द्वारा चुनाव की घोषणा करने के 48 घंटे बीत जाने के बाद भी शहर के कई सार्वजनिक स्थानों में जैसे लुबि सर्कुलर रोड, रणधीर वर्मा चौक, हिल कॉलोनी, कोर्ट रोड जैसे चौक चौराहे और सरकारी दीवारों पर विभिन्न राजनीतिक दलों के होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टर से शहर पटा पड़ा है।

मॉरिटानिया के राष्ट्रपति से मिलीं द्रौपदी मुर्मू

वीजा छूट समेत चार समझौतों पर किए हस्ताक्षर

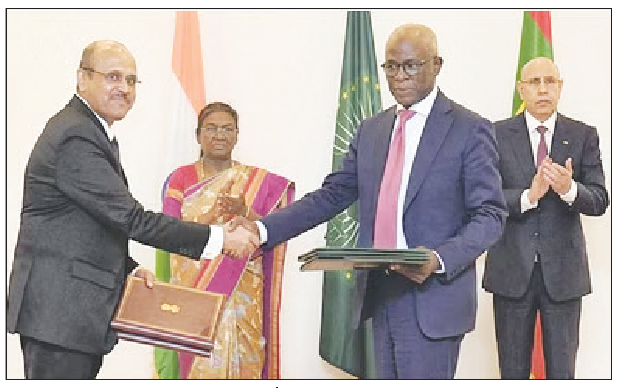

नौआकचॉट, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफ्रीका के तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मॉरिटानिया में हैं। यहां उन्होंने मॉरिटानिया के राष्ट्रपति औलद गजौनी से मुलाकात की। साथ ही राजनयिक प्रशिक्षण और वीजा छूट समेत चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान दोनों नेताओं ने रिश्ते मजबूत करने पर चर्चा की।

राष्ट्रपति कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नौआकचॉट के राष्ट्रपति महल में मॉरिटानिया के राष्ट्रपति मोहम्मद औलद गज़ौनी से मुलाकात और बातचीत की। दोनों नेताओं ने रिश्ते को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। इस दौरान राजनयिकों के प्रशिक्षण, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, वीजा छूट और विदेश कार्यालय परामर्श के क्षेत्रों में चार समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

इससे पहले बुधवार को राष्ट्रपति ने मॉरिटानिया में भारतीय समुदाय को संबोधित किया था। उन्होंने कहा था कि हम वर्ष 2047 तक भारत को 'विकसित भारत' बनाने के अपने लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हमारा प्रवासी परिवार इस प्रक्रिया में एक बहुत महत्वपूर्ण कारक है।' इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने मेजबान देश का आभार व्यक्त किया और कहा कि मैं भारतीय समुदाय का हमेशा समर्थन करने के लिए मॉरिटानिया की सरकार और लोगों का आभार व्यक्त करती हूं। उन्होंने कहा था कि भारत मानव संसाधन विकास, बुनियादी ढांचे, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास और डिजिटल नवाचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में मॉरिटानिया के विकास में योगदान दे सकता है। इससे पहले मॉरिटानिया की राजधानी नौआकचॉट के ओमटौन्सी हवाई अड्डे पर पहुंचने पर राष्ट्रपति मुर्मू का मॉरिटानिया के राष्ट्रपति गजौनी ने गर्मजोशी से स्वागत किया। जिसको लेकर राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि उनका औपचारिक स्वागत किया गया। अपनी अफ्रीका यात्रा के दौरान राष्ट्रपति ने अल्जीरिया में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए अल्जीरियाई समकक्ष अब्देलमदजीद तेब्बौने के साथ भी बातचीत की थी। मुर्मू अपनी यात्रा के अंतिम चरण में मलावी की यात्रा करेंगी।

ऑक्सफोर्ड चांसलर बनने का सपना देख रहे इमरान खान को झटका

रेस से हुए बाहर, भारतीय मूल के तीन नाम शामिल

इस्लामाबाद, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई नेता इमरान खान को एक और झटका लगा है। ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने जेल में बंद पाकिस्तानी नेता का नाम चांसलर पद की रेस में ही शामिल नहीं किया है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने चुनाव के लिए योग्य उम्मीदवारों की सूची जारी की है, जिसमें इमरान खान का नाम शामिल नहीं है। इसके पहले पाकिस्तान की जेल से ही इमरान खान ने यूनिवर्सिटी के चांसलर पद के लिए आवेदन करके सभी को चौंका दिया था। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की भले ही चांसलर की रेस से छुट्टी हो गई है,लेकिन भारत के लिए अच्छी खबर है। इस बार चांसलर की रेस में तीन भारतीय नाम शामिल हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने बुधवार को नए चांसलर की दौड़ में शामिल 38 आखिरी नामों में घोषणा की।

अमेरिका बोला-भारत पन्नू मामले की जांच में सहयोग कर रहा

कनाडा ने जिस पर हत्या की साजिश का आरोप लगाया, वह अब भारत का कर्मचारी नहीं

वॉशिंगटन, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने गुरुवार को कहा कि खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को लेकर हो रही जांच में भारत की तरफ से सहयोग किया जा रहा है, उससे वे संतुष्ट हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि भारतीय अधिकारी हमें अपनी जांच का अपडेट दे रहे हैं और हम अपनी जांच का अपडेट उन्हें दे रहे हैं। पन्नू मामले में जांच को लेकर भारतीय टीम वॉशिंगटन में है। मिलर ने गुरुवार को प्रेस ब्रीफिंग में ये भी बताया कि जिस शख्स पर अमेरिका में पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था, अब वह भारत सरकार का कर्मचारी नहीं है। दरअसल, अमेरिका ने पहले आरोप लगाया था कि पन्नू की हत्या की साजिश रचने में आरोपी निखिल गुप्ता, भारत सरकार के एक कर्मचारी का सहयोगी है। इन्होंने मिलकर न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या की साजिश रचने में मदद की थी। 14 अक्टूबर को अमेरिका ने कहा था कि भारत ने पन्नू की हत्या की कोशिश करने के आरोपी खुफिया

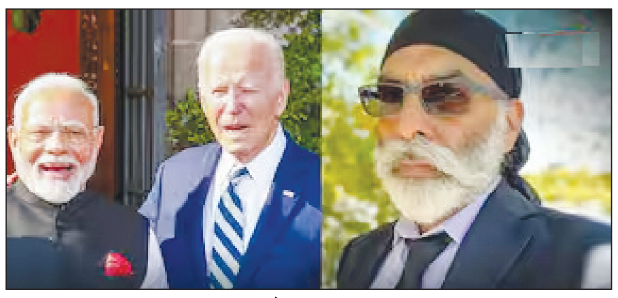

अधिकारी को गिरफ्तार किया है। वॉशिंगटन पोस्ट में इस अधिकारी का नाम विक्रम यादव बताया गया था।

पन्नू की हत्या की साजिश का मामला

पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 30 जून 2023 को चेक रिपब्लिक पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद 14 जून 2024 को निखिल को अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया था। निखिल पर अमेरिका में केस चलाया गया, जहां उसने खुद को निर्दोष बताया था।

अमेरिकी एजेंसियों के मुताबिक, पन्नू को मारने साजिश पिछले साल सितंबर में पीएम मोदी के अमेरिका दौरे के वक्त की गई थी। चार्जशीट के मुताबिक, भारत के एक पूर्व अफसर ने निखिल गुप्ता से पन्नू की हत्या की साजिश करने को कहा था। निखिल ने एक व्यक्ति के साथ काम के बदले 83 लाख रुपए देने की डील की थी। इसके बाद इसी साल अप्रैल में वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि पन्नू की हत्या की साजिश के पीछे आरएडब्ल्यू का हाथ था। रिपोर्ट के मुताबिक, पन्नू की हत्या की पूरी प्लानिंग आरएडब्ल्यू के एक सीनियर अधिकारी विक्रम यादव ने की थी। उसने एक टीम को काम पर रखा था। यादव ने पन्नू के बारे में भारतीय एजेंट निखिल गुप्ता को जानकारी भेजी, जिसमें उसके न्यूयॉर्क में होने के बारे में पता चला था। इसके बाद निखिल गुप्ता ने पन्नू को मारने के लिए एक एजेंट से संपर्क किया। हालांकि, साजिश कामयाब होने से पहले ही निखिल गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया गया था।

मई 2023: अमेरिकी प्रॉसिक्यूटर के मुताबिक एक भारतीय अधिकारी (विक्रम यादव) ने निखिल गुप्ता को हायर किया।

29 मई: निखिल गुप्ता ने किसी ऐसे शख्स की तलाश शुरू की जो पन्नू को मार सके। हालांकि, जिसे पन्नू को मारने के लिए हायर किया गया वो अमेरिका का अंडर कवर एजेंट निकला। कुछ हफ्तों तक निखिल गुप्ता ने इस अंडर कवर एजेंट से पन्नू को मारने के तरीके और कीमत पर चर्चा की।

देशभर में जारी रहेगी संगत-पंगत की रथयात्रा : सिन्हा

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर(एजेंसियां)। राष्ट्रीय संगत-पंगत के संस्थापक अध्यक्ष, पूर्व सांसद डॉ आर के सिन्हा ने कहा कि संगत-पंगत की जनजागरण रथयात्रा देशभर में जारी रहेगी। इस यात्रा का उद्देश्य राजनीतिक न होकर समाज में एकता, समानता और धार्मिक सौहार्द देने का प्रयास मात्र है। डॉ सिन्हा यहां नार्थ एवेन्यू में देशभर से जुटे संगत-पंगत के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम लोगों के बीच जाएंगे और जोड़ेंगे। पिछले 9 वर्षों में हमने गरीबों की शिक्षा, चिकित्सा और विवाह आदि पर 12 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किये हैं। रथयात्रा का आगाज 2 अक्टूबर को वाराणसी से हो चुका है। आगे भी यह जारी रहेगा। रथयात्रा संचालन समिति के प्रमुख पूर्व सांसद आलोक संजर ने कहा कि संगत-पंगत का उद्देश्य मैं भाव से इतर हम भाव से जुड़ाव है। हमारी जनजागरण रथयात्रा मिल्लत और मुहब्बत का समाज बनाने के लिए है। इस यात्रा में हम उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान समेत देशभर में जाएंगे। अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज ने कहा कि संगत-पंगत सनातन को बचाने का बेहतर जरिया है। जब समाज के सभी वर्ग मजबूत होंगे, भारत विश्व गुरु बन जाएगा। संगत-पंगत में कथक नृत्यांगना बहनें पद्मश्री नलिनी- कमलिनी, डॉ अनूप श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव समेत देशभर के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

हरियाणा कांग्रेस में हुड्डा का शक्ति प्रदर्शन

दिल्ली में विधायकों की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई पूर्व सीएम बोले- विधायक ही मिलना चाहते थे

हरियाणा, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में कांग्रेस विधायक दल के नेता के चुनाव से पहले पार्टी में कलह बढ़ती नजर आ रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा ने 16 अक्टूबर-बुधवार- को दिल्ली स्थित आवास पर अपने समर्थक विधायकों की इमरजेंसी बैठक बुलाई। जिसे नेता विपक्ष के चुनाव से पहले उनके शक्ति प्रदर्शन से जोड़कर देखा जा रहा है।

हुड्डा की कोठी पर पहुंचने वाले विधायकों में बादली के एमएलए कुलदीप वत्स, बेरी के एमएलए रघुबीर कादियान, रोहतक के एमएलए भारत भूषण बत्रा, नारनौंद के एमएलए जस्सी पेटवाड़ और थानेसर के एमएलए अशोक अरोड़ा प्रमुख रहे। इनके अलावा फतेहाबाद के विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया, ऐलनाबाद के विधायक भरत बेनीवाल, फिरोजपुर झिरका के विधायक मामन खान, पुन्हाना के एमएलए मोहम्मद इलियास, नूंह के एमएलए आफताब अहमद, कलायत के एमएलए विकास सहारण और लोहारू के विधायक राजबीर फरटिया भी हुड्डा के आवास पर पहुंचे। महिला विधायकों में कलानौर की विधायक शकुंतला खटक, जुलाना से विनेश फोगाट, झज्जर से गीता भुक्कल व मुलाना की एमएलए पूजा चौधरी भी हुड्डा की बैठक में शामिल होने पहुंची। इनके अलावा होडल से चुनाव हार चुके प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान और महेंद्रगढ़ से चुनाव लड़ने वाले राव दान सिंह भी इस बैठक में भाग लेने पहुंचे।

मीटिंग के बाद भूपेंद्र हुड्डा ने कहा- विधायक एक-दूसरे से मिलना चाहते थे। यह अनौपचारिक मुलाकात थी। इसमें अच्छी चर्चा हुई। सभी ने कहा कि हम हरियाणा और पार्टी के लिए लड़ेंगे। शपथग्रहण समारोह में जाने पर हुड्डा ने धन्यवाद कहकर टाल दिया। उनसे इस मीटिंग के नेता प्रतिपक्ष के चुनाव से जुड़े होने के बारे में पूछे जाने पर हुड्डा ने कहा कि उसके लिए 18 अक्टूबर को चंडीगढ़ में मीटिंग है। हुड्डा ने यह बैठक 18 अक्टूबर को चंडीगढ़ में होने वाली कांग्रेस विधायक दल की मीटिंग से पहले बुलाई है। 18 अक्टूबर को चंडीगढ़ की मीटिंग में कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना जाना है। इस बैठक से पहले हुड्डा ने अपने समर्थक विधायकों को एकजुट करना शुरू कर दिया है। वह अपने समर्थक विधायकों को एकजुट रहने का संदेश दे सकते हैं, ताकि जब नेता प्रतिपक्ष चुनने की नौबत आए तो खुद हुड्डा या उनके गुट का कोई विधायक इस पद के लिए चुना जा सके। उधर हुड्डा गुट के सामने सिरसा की सांसद सैलजा का गुट भी नेता प्रतिपक्ष के पद पर दावा ठोक रहा है। इस सबके बीच सैलजा फील्ड में पूरी तरह एक्टिव हैं। वह विधानसभा चुनाव में हार चुके नेताओं और अपने समर्थक कार्यकर्ताओं को लगातार सांत्वना दे रही हैं। कांग्रेस हाईकमान ने 18 अक्टूबर को चंडीगढ़ में कांग्रेस विधायक दल की जो मीटिंग बुलाई है, उसमें ऑब्जर्वर के तौर पर तीन नेता मौजूद रहेंगे। इनमें राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय माकन और पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा शामिल हैं।

अमेरिका ने यमन में हूती विद्रोहियों पर हमला किया

5 हथियार डिपो तबाह किए, पहली बार सबसे घातक बी-2 स्पिरिट बॉम्बर विमान का इस्तेमाल किया

वॉशिंगटन, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी एयर फोर्स ने बुधवार रात यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर बमबारी की। अलजजीरा ने अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के हवाले से बताया कि बी-2 स्पिरिट बॉम्बर से यमन की राजधानी सना के नजदीक 5 ठिकानों पर पर सटीक हमला किया गया। ऑस्टिन ने कहा कि जमीन के भीतर हूती विद्रोहियों ने घातक हथियार छुपा रखे थे। इसका इस्तेमाल वे दूसरे देशों पर हमला करने और लाल सागर और अदन की खाड़ी में जहाजों को निशाना बनाने के लिए करते थे। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि ये हमले राष्ट्रपति बाइडेन के निर्देश पर किए गए। उन्होंने कहा कि हमारे जवाब से साफ है कि दुश्मन अपने हथियारों को जमीन के कितने ही भीतर छुपाकर रख ले, हम उसे ढूंढ़कर बर्बाद कर देंगे। हूती विद्रोहियों ने भी इस हमले की पुष्टि की है। हालांकि इसमें कितना नुकसान हुआ है इस बारे में उन्होंने जानकारी नहीं दी।

सीएनएन के मुताबिक ये पहली बार है जब अमेरिका ने यमन में बी-2 स्पिरिट बॉम्बर का इस्तेमाल किया है। इसके पहले अमेरिकी सेना यमन में फाइटर जेट का

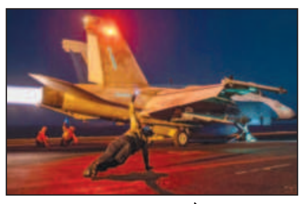

इस्तेमाल करती रही है। अमेरिका ने एक महीने पहले ही में बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर की तैनाती हिंद महासागर में मौजूद सीक्रेट मिलिट्री बेस डिएगो गार्सिया पर की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बी-2 स्टील्थ बॉम्बर को अमेरिका का सबसे घातक हथियार माना जाता है। कोल्ड वॉर के दौरान अमेरिका और रूस खतरनाक हथियारों की रेस में लगे थे। तब अमेरिका में इसे तैयार किया गया था। साल 1987 से 2000 तक बी-2 स्टील्थ बॉम्बर का निर्माण हुआ। अमेरिका ने 132 यूनिट बी-2 स्टील्थ बॉम्बर बनाने का टार्गेट रखा था मगर 21 का ही निर्माण किया जा सका। दो बी-2 विमान 2008 और 2022 में हादसे का शिकार हो गए थे। अमेरिका के पास अब सिर्फ 19 बी-2 स्टील्थ बॉम्बर बचे हैं। बी-2 विमान फाइटर जेट की तुलना में ज्यादा बमों को ले जाने में सक्षम है। यह परमाणु हथियार भी ले जा सकता है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक बजट ज्यादा होने की वजह से अब बी-2 विमान नहीं बनाया जाता है। अमेरिका ने आज तक किसी भी देश को यह विमान नहीं बेचा है। इजराइल 7 अक्टूबर से ही गाजा पर हमला कर रहा है। इसके जवाब में हूती विद्रोही समंदर में इजराइल के सहयोगी देशों के जहाजों को निशाना बना रहे हैं। सीएनएन के मुताबिक अब तक हूती विद्रोही समंदर में 100 से ज्यादा जहाजों पर हमले कर चुके हैं। साल 2014 में यमन में गृह युद्ध शुरू हुआ। इसकी जड़ शिया-सुन्नी विवाद है। कार्नेजी मिडिल ईस्ट सेंटर की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों समुदायों में हमेशा से विवाद था जो 2011 में अरब क्रांति की शुरुआत से गृह युद्ध में बदल गया। 2014 में शिया विद्रोहियों ने सुन्नी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। इस सरकार का नेतृत्व राष्ट्रपति अब्दरब्बू मंसूर हादी कर रहे थे।

ताइवान में फिर घुसे चीन के 20 विमान और आठ नौसैनिक जहाज

सीमा पर बढ़ाई गई सुरक्षा

ताइपे, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन और ताइवान के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। चीन लगातार ताइवान में घुसपैठ की कोशिश कर रहा है। गुरुवार सुबह एक बार फिर चीन के 20 विमानों और आठ नौसैनिक जहाजों ने ताइवान में प्रवेश किया। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने बताया कि वह लगातार स्थिति पर नजर रख रहा है। साथ ही सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया कि पीपुल्स लिब्रेरशन आर्मी (पीएलए) के 20 विमानों और आठ नौसैनिक जहाजों ने ताइवान की सीमा में प्रवेश किया। 20 विमानों ने मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के मध्य और दक्षिण पश्चिम क्षेत्र में प्रवेश किया। इसे लेकर राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने बयान के साथ ही घुसपैठ किए गए वाले स्थान का मानचित्र साझा किया।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हमारे सशत्र बल स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। साथ ही हमने भी घुसपैठ पर रोक लगाने के लिए विमान, नौसैनिक जहाज और मिसाइलों को तैनात किया है। दरअसल, चीन ने पिछले दिनों ताइवान के सीमावर्ती इलाके में सैन्य अभ्यास शुरू किया है। इसके चलते बार-बार चीन के विमान ताइवान की सीमा में घुस रहे हैं। गौरतलब है, ताइवान के आसपास चीन की सैन्य उपस्थिति हाल के वर्षों में काफी बढ़ गई है। द्वीप के आसपास लगातार उड़ानें और नौसैनिक युद्धाभ्यास होते रहते हैं। आए दिन ताइवानी मंत्रालय इसकी जानकारी देता रहता है। बीजिंग ने ताइवान को अपने नियंत्रण में लाने के लिए बल का प्रयोग करने से इनकार नहीं किया है। वह लगातार ताइवान पर कब्जा करने की कोशिश में लगा हुआ है।

चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को संप्रभु राष्ट्र मानता है। अब तक चीन ने सीधे ताइवान पर आक्रमण नहीं किया है, लेकिन वो ये सब कुछ ग्रे जोन में करता है। ये चीन की सेना का एक पैंतरा है, जिससे वो सीधे युद्ध तो नहीं करती लेकिन ये शक्ति प्रदर्शन करती है।

कमला हैरिस ने माना अमेरिका की आव्रजन व्यवस्था में कई खामियां

सवालों का सही ढंग से नहीं दे पाईं जवाब

वॉशिंगटन, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में अवैध अप्रवासियों का मुद्दा सबसे अहम मुद्दों में से एक है। अब एक ताजा इंटरव्यू में डेमोक्रेट पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने माना है कि अमेरिका की आव्रजन व्यवस्था में कई खामियां हैं और उन्हें दूर करने की जरूरत है। रिपब्लिकन पार्टी के झुकाव वाले एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में कमला हैरिस को एंकर के तीखे सवालों का सामना करना पड़ा और एंकर ने कमला हैरिस को अवैध आव्रजन, करदाताओं के पैसों से लिंग परिवर्तन सर्जरी की सुविधा देने जैसे मुद्दों पर कड़े सवाल पूछे। इंटरव्यू के दौरान कमला हैरिस अर्थव्यवस्था, अप्रवासन जैसे मुद्दों पर बाइडन

सरकार का बचाव करते दिखाई दीं। एंकर ने कमला हैरिस से पूछा कि बाइडन-हैरिस सरकार में कितने अवैध अप्रवासी अमेरिका में दाखिल हुए तो कमला हैरिस गोलमोल जवाब देते नजर आईं। जब एंकर ने कहा कि होमलैंड सिक्योरिटी सचिव ने खुद कहा है कि 85 प्रतिशत गिरफ्तारियां हुई हैं। इस पर कमला हैरिस थोड़ी असहज दिखाई दीं। इस पर एंकर ने एक और सवाल दाग दिया और कहा कि अनुमान है कि देश में करीब साठ लाख लोग देश में आए हैं। बार-बार सवालों से असहज हो रहीं कमला हैरिस ने एंकर से उन्हें उत्तर देने की अपील की। हालांकि एंकर यहीं नहीं रुके और उन्होंने कहा कि जब आप सत्ता में आए तो आपकी सरकार ने ट्रंप सरकार की कई सीमा नीतियों को पलट दिया। जिसमें अवैध अप्रवासियों को हिरासत में लेने और निर्वासित करने की नीति भी शामिल थी। आपकी सरकार में हिरासत में लिए गए अवैध अप्रवासियों को रिहा कर दिया गया और अब वे मुकदमे की प्रतिक्षा कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिन्होंने जघन्य अपराध किए हैं।

कनाडा के सबसे अमीर भारतीय जो ट्रूडो के सामने ही गाड़ रहे सफलता के झंडे

ओटावा, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के बीच शुरू हुआ कूटनीतिक विवाद पिछले सप्ताह चरम पर पहुंच गया। दोनों देशों ने एक दूसरे के राजनयिकों को निष्कासित किया है और एक दूसरे पर आरोप लगाए हैं। संबंधों में उस समय कड़वाहट आ गई, जब सोमवार को कनाडा ने भारत के उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों को अपनी धरती पर सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जोड़ा। भारत ने आरोपों को दृढ़ता से खारिज किया और इसे प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की 'वोट बैंक की राजनीति' का हिस्सा बताया। कनाडा और भारत के बीच हम उन भारतवंशी कनाडाई नागरिकों के बारे में बात करेंगे जिन्होंने कनाडा में रहते हुए जमकर कामयाबी पाई है। इन भारतवंशियों की कहानी कनाडा में सफलता के शिखर पर पहुंचने की शानदार मिसाल है। बिल मल्होत्रा को इस समय कनाडा में रहने वाले सबसे अमीर भारतीयों में से एक माना जाता है। फोर्ब्स के अनुसार, 75 वर्षीय मल्होत्रा की रियल टाइम कुल संपत्ति 2.1 अरब डॉलर (लगभग 176,467,101,300 रुपये) आंकी गई है।

मानव जनित जलवायु परिवर्तन से तीव्र हुई बारिशें

काठमांडू, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेपाल में सितंबर के अंत में भारी बारिश के बीच बाढ़ और भूस्खलन की वजह से 240 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। अब एक रिपोर्ट में इस भारी बारिश और आपदाओं की तीव्रता को लेकर बड़ा खुलासा किया गया है। वैज्ञानिकों ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि नेपाल में मानव जनित जलवायु परिवर्तन के कारण सामान्य से 10 प्रतिशत ज्यादा तीव्रता से बारिश हुई। अंतरराष्ट्रीय सहयोग संस्था वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन ने नेपाल में शहरों के निचले, नदी किनारे वाले क्षेत्रों में विकास गतिविधियों को सीमित करने और बार-बार उभरने वाली बाढ़ आपदाओं से बचने के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली और तुरंत कार्रवाई की तत्काल जरूरत पर जोर दिया है। प्रकाशित रिपोर्ट में कहा कि नेपाल में तीन दिनों तक हुई भारी बारिश के लिए जलवायु परिवर्तन जिम्मेदार है। नेपाल में 26 सितंबर से तीन दिनों तक हुई जबरदस्त बारिश के बाद बाढ़ की स्थिति बन गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, ''मध्य और पूर्वी नेपाल में बारिश के रिकॉर्ड टूट गए, कुछ मौसम केंद्रों ने 28 सितंबर को 320 मिलीमीटर से अधिक बरसात दर्ज की थी। नेपाल में इस दौरान बाढ़ और भूस्खलन से 244 लोगों की जान चली गई थी। नेपाल के इन हालात पर संगठन ने चेतावनी दी, ''जब तक विश्व जीवाश्म ईंधन के स्थान पर नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग

बांग्लादेश के न्यायाधिकरण ने शेख हसीना के खिलाफ वारंट जारी किया

18 नवंबर तक गिरफ्तारी के दिए आदेश

ढाका, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने गुरुवार को देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 45 अन्य लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। जिन लोगों के खिलाफ वारंट जारी किया गया है, उनमें आवामी लीग के कई शीर्ष नेता शामिल हैं। इन पर हाल ही में हुए छात्र आंदोलन के दौरान मानवता के खिलाफ कथित तौर पर अपराध का आरोप है।

जस्टिस मोहम्मद गोलम मुर्तजा मजूमदार की अध्यक्षता वाले न्यायाधिकरण ने अभियोजन पक्ष की ओर से आरोपियों के खिलाफ दायर गिरफ्तारी की मांग वाली दो

याचिकाओं को लेकर यह आदेश जारी किया। मुख्य अभियोजक मोहम्मद ताजुल इस्लाम ने यह जानकारी दी। न्यायाधिकरण ने अफसरों को शेख हसीना समेत सभी 46 लोगों को 18 नवंबर तक गिरफ्तार करने और पेश करने का आदेश दिया।

गौरतलब है कि बांग्लादेश में छात्र आंदोलन में जबरदस्त हिंसा हुई थी। शेख हसीना सरकार पर इस हिंसा के दौरान छात्र आंदोलन को दबाने की कोशिशों के आरोप लगे थे। इस आंदोलन में हिंसा के चलते सैकड़ों लोगों की जान भी गई थी।

हालांकि, प्रदर्शनों के बढ़ने के बाद हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और वे भारत रवाना हो गई थीं।

मौजूदा समय में शेख हसीना भारत में ही हैं। शेख हसीना के भारत रवाना होने के बाद बांग्लादेश में नोबेल विजेता और अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हुआ। इस सरकार ने छात्र आंदोलन के दौरान हिंसा फैलाने और हत्या के आरोपियों के खिलाफ अदालत में मामले चलाने का दावा किया था।

चर्चा में शाही परिवार

मेगन ने नहीं पहनी सगाई की अंगूठी, लोगों ने प्रिंस हैरी से अलग होने की लगाईं अटकलें

लंदन, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन का शाही परिवार एक बार फिर चर्चा में है। हाल ही में कैलिफोर्निया में एक कार्यक्रम में प्रिंस हैरी की पत्नी मेगन मार्केल को अपनी सगाई की अंगूठी के बिना देखा गया। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर मेगन ग्रेटर सांता बारबरा क्षेत्र में गर्ल्स इंक में युवा महिलाओं के साथ ड्राइंग और क्राफ्टिंग भी की। इस कार्यक्रम में मेगन ने शानदार कपड़े पहने थे, लेकिन उनकी उंगली में सगाई की अंगूठी गायब थी, जिसके बाद से प्रिंस हैरी से अलग होने की अटकलें लगई जा रही है। बता दें कि इस अंगूठी को प्रिंस हैरी ने ही डिजाइन की थी। इसमें प्रिंसेस डायना के दो हीरे और बोत्सवाना से एक हीरा शामिल है। सगाई की अंगूठी के बिना मेगन ने शादी का बैंड पहना हुआ था।

महिला टीचर के कपड़े वाले बयान पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने दी सफाई

जोधपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की महिला शिक्षकों के पहनावे वाले बयान के बाद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर बैकफुट पर आए है। कांग्रेस के विरोध के बीच अब शिक्षा मंत्री ने महिला शिक्षकों के कपड़े वाले बयान पर सफाई दी। उन्होंने कहा कि मैंने अर्धनग्न शब्द का प्रयोग नहीं किया। साथ ही बयान को तोड़ मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया है। बता दें कि शिक्षा मंत्री के बयान के बाद शिक्षक वर्ग में आक्रोश व्याप्त है। वहीं, कांग्रेस उनके इस्तीफे की मांग कर रही है।

जोधपुर दौरे पर पहुंचे शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को सर्किट हाउस में जनसुनवाई के बाद पत्रकारों से वार्ता की। इस दौरान उन्होंने वायरल बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैंने अर्धनग्न शब्द का उपयोग नहीं किया। मेरा भाव सिर्फ इतना है कि बच्चे के सामने कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े, ऐसे कपड़े पहनने चाहिए।

उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा का मंदिर है और इस मंदिर में शिक्षकों को वेशभूषा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। शिक्षक जो वेशभूषा पहनकर विद्यालय जाते हैं उनका विद्यार्थियों पर सीधा प्रभाव पड़ता है। ऐसे में सहज व शालीन कपड़े पहन कर शिक्षकों को विद्यालय जाना चाहिए। अभिभावकों के साथ-साथ शिक्षकों को भी बच्चों के लिए आदर्श बनना होगा।

शिक्षा मंत्री ने दिया था ये बयान

बता दें कि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने नीमकाथाना जिले के राउप्रा संस्कृत स्कूल नृसिंहपुरी के लोकार्पण कार्यक्रम में कहा था कि स्कूलों में कुछ शिक्षिकाएं अपना शरीर दिखाते हुए गलत पहनावा पहनकर आती हैं। कई शिक्षक स्कूल में गुटखा खाकर जाते हैं। ऐसे में स्कूल आने वाले बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ेगा। कई स्कूलों में तो शिक्षक झूमते हुए पहुंचते हैं वो शिक्षक नहीं वो बच्चों के दुश्मन हैं। इस तरह की हरकत करने वालों को शिक्षक कहना पाप है।

'समाज का इससे कोई ताल्लुक नहीं'

लॉरेंस बिश्नोई को लेकर दिए बयान से पलटे बिश्नोई समाज के अध्यक्ष

जयपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। एनसीपी नेता बाबा सिद्दिकी की मौत के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग फिर चर्चा में आ गया है। 12 अक्टूबर की रात मुंबई के बांद्रा इलाके में सिद्दिकी की हत्या कर दी गई थी। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली। जिसे लेकर बिश्नोई समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बिश्नोई ने मीडिया से बातचीत करते हुए लॉरेंस बिश्नोई से किनारा कर लिया था। लेकिन बाद में देवेंद्र बिश्नोई ने यू-टर्न लेते हुए कहा कि लॉरेंस बिश्नोई से हमने किनारा नहीं किया, ये झूठ है।

बिश्नोई समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बिश्नोई ने अपना बयान बदलते हुए कहा कि 'बिश्नोई समाज 29 नियमों का पालन करता है और अहिंसा का समर्थक है। अपराध करने वालों को फेवर नहीं करता है। मैंने ये नहीं कि कहा कि लॉरेंस से बिश्नोई समाज ने किनारा कर लिया। हमारी नजरों में अगर लॉरेंस दोषी है तो सलमान खान भी दोषी है।'

जबकि इससे पहले देवेंद्र बिश्नोई ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि 'बिश्नोई समाज किसी भी अपराध का समर्थन नहीं करता है और अगर लॉरेंस बिश्नोई ने बाबा सिद्दीकी की मौत की जिम्मेदारी ली है तो वो गलत है। हमारे समाज का इससे कोई ताल्लुक नहीं है। हर समाज में ऐसे अपराधी होते हैं और सलमान खान के साथ-साथ लॉरेंस बिश्नोई भी अपराधी है। काले हिरण शिकार मामले में सलमान खान का माफी मांगना और नहीं मांगना यह उनका विषय है लेकिन हत्या के समर्थन में हम नहीं है।' अक्टूबर, 1998 में सलमान खान फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' की शूटिंग के लिए दूसरे कलाकारों के साथ राजस्थान के जोधपुर आए थे। उन पर आरोप है कि इस दौरान शूटिंग लोकेशन से करीब 40 किलोमीटर दूर काले हिरण का शिकार किया था। जिसके बाद सलमान खान पर बिश्नोई समाज ने एफआईआर दर्ज करवाई। इसके बाद 4 और मामले दर्ज हुए। इस मामले में सलमान को जेल भी हुई।

किरोड़ी के भाई के सामने सांसद की बेटी लड़ेगी चुनाव?

हॉट सीट पर होगा दिलचस्प मुकाबला

दौसा, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा सीट दौसा पर उपचुनाव के मतदान की तिथि सामने आने के बाद भाजपा और कांग्रेस से टिकट पाने के लिए दावेदार जुट गए हैं। यहां गत दो चुनाव से लगातार कांग्रेस जीत रही है और अब तिकड़ी बनाने के प्रयास में है। वहीं, भाजपा दौसा सीट पर वापसी के लिए भरसक प्रयास में लगी है। दोनों ही दल जिताऊ उम्मीदवार की तलाश में है। साथ ही जातीय समीकरण भी ध्यान में रखे जा रहे हैं। आमजन की निगाहें राजनीतिक दलों के टिकटों पर लगी हुई है।

सत्ता में होने के कारण भाजपा के अंदर टिकट की मारामारी अधिक है। प्रदेश स्तर के नेताओं की निगाहें भी यहां से टिकट पाने में लगी है तो स्थानीय आशार्थियों की भी लंबी लिस्ट है। एक वरिष्ठ मंत्री के भाई, एक पूर्व विधायक सहित कई नेता टिकट की रेस में हैं। उधर, कांग्रेस में दावेदार खूब हैं, लेकिन पार्टी नेतृत्व पूर्व विधायक मुरारीलाल की तरह मजबूत प्रत्याशी की तलाश कर रहा है। दौसा कांग्रेस में सचिन पायलट का भी प्रभाव है, क्योंकि पायलट परिवार यहां से सात बार सांसद के रूप में प्रतिनिधित्व कर चुका है।

सियासी गलियारों में इन नामों की चर्चा

सियासी गलियारों में चर्चा है कि किरोड़ी लाल मीणा अपने भाई जगमोहन मीणा को टिकट दिलाने की कोशिश में जुटे हुए है। बीजेपी प्रदेश राधा मोहन दास अग्रवाल के साथ पिछले दिनों हुई उनकी मुलाकात के भी यही मायने निकाले जा रहे है। किरोड़ी मीणा के भाई के अलावा बीजेपी में और भी कई दावेदार है। जिनमें पूर्व विधायक नंदलाल बंशीवाल, हरियाणा ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरदीचंद शर्मा, पूर्व पालिकाध्यक्ष सुरेश घोसी का नाम प्रमुख हैं।

इधर, कांग्रेस मुरारी लाल मीणा की पत्नी सविता या बेटी निहारिका मीणा पर दांव खेल सकती है। हालांकि, जीआर खटाणा, नरेश मीणा व संदीप शर्मा भी कांग्रेस से टिकट की रेस में बने हुए है। अब देखना ये है कि दोनों ही पार्टी किसको टिकट देती है।

भाजपा के समक्ष बड़ी चुनौती क्यों?

दौसा सीट शुरू से ही राजनीतिक हलकों में चर्चित रही हैं। दोनों ही पार्टियों से कई नेता टिकट की दौड़ में हैं, लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार के समक्ष चुनौती बड़ी है। पिछले दो विधानसभा चुनाव के साथ लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को दौसा से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उपचुनाव के टिकट वितरण में जातीय समीकरणों को साधते हुए प्रत्याशी चयन पर मंथन किया जा रहा है।

पूर्व में भाजपा के वरिष्ठ नेता कई बार आकर बैठक ले चुके हैं तथा सदस्यता अभियान व पार्टी को एकजुट रखने का संदेश देकर गए। वहीं कांग्रेस की ओर से कमान सांसद मुरारीलाल मीना ने संभाल रखी है और मंडलवार बैठकें लेकर संगठन को सक्रिय किया जा चुका है। टिकट के दावेदार भी उनके इर्द-गिर्द नजर आ रहे हैं।

बढ़ती जा रही है मादक पदार्थों की तस्करी

66 किलो अवैध डोडा पोस्त के साथ 1 आरोपी गिरफ्तार

सिरोही, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिंडवाड़ा पुलिस एवं डीएसटी टीम द्वारा उदयपुर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर मालेरा तिराहा पर की गई संयुक्त कार्रवाई के दौरान कार से ले जाया जा रहा 9.90 लाख रुपये का 66 किलो डोडा पोस्त जब्त कर 1 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट में मामला दर्ज कर अग्रिम जांच की जा रही है। पिंडवाड़ा थानाधिकारी हमीरसिंह भाटी एवं डीएसटी टीम प्रभारी अमराराम की अगुवाई में टीम द्वारा उदयपुर-पिंडवाड़ा फोरलेन के मालेरा तिराहा पर नाकाबंदी की गई थी। उस दौरान पुलिसकर्मियों ने उदयपुर की तरफ से आ रही एक कार को रुकने का इशारा किया तो चालक कार को वापस मोड़कर भागने का प्रयास करने लगा।

इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़कर कार की तलाशी ली, जिसमें 66 किलोग्राम डोडा पोस्त पाया गया, जिसका अवैध तरीके से परिवहन किया जा रहा था। पूछताछ के बाद डोडा पोस्त एवं कार को जब्त कर बाड़मेर निवासी मोहनलाल पुत्र देवाराम जाट को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

जब्त किए गए डोडा पोस्त की कीमत 9.90 लाख रुपये बताई गई है। जिले में बीते 24 घंटों में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है। एक दिन पहले भी मंडार पुलिस द्वारा गुजरात पासिंग कार में अवैध तरीके से परिवहन किया जा रहा 43.175 गांजा जब्त कर 1 आरोपी को गिरफ्तार किया गया था।

विधानसभा उपचुनाव से पहले बड़ा एक्शन

500 की गड्डियों से भर गई इंस्पेक्टर की टेबल, इतने करोड़ रुपए मिले

दौसा, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की आचार संहिता लगने के बाद इन सीटों पर पुलिस और प्रशासन एक्शन में आ गया है। पहला एक्शन दौसा जिले में भांडारेज मोड पर हुआ है। जिले के सदर थाना इलाके में स्थित भांडारेज मोड पर राजधानी जयपुर के कारोबारी की कार से नोटों का ढेर निकला है। कारोबारी अपनी कार में गुडगांव... दिल्ली की ओर जा रहे थे। नोटों के बारे में सूचना मिलने पर पुलिस ने सीओ रवि शर्मा और सदर थाना इंचार्ज हवा सिंह की अगुवाई में एक जाब्ता लगाया।

जब पुलिस ने गाड़ी की जांच का अनुरोध किया, तो कारोबारी ने जांच कराने से मना कर दिया। इसके बाद, पुलिस ने आवश्यक कदम उठाते हुए टीम और वीडियोग्राफर को बुलाया। गाड़ी की तलाशी के दौरान 1 करोड़ 95 लाख 50 हजार रुपए नकद बरामद हुए। जिसे तुरंत जब्त कर लिया गया। यह राशि संदिग्ध परिस्थितियों में पाई गई, जिसके कारण पुलिस ने आगे की कार्रवाई की। इस राशि के बारे में कारोबारी कोई जवाब नहीं दे सका। कैश और कार दोनो को जब्त कर लिया गया है। साथ ही कारोबारी को हिरासत में लिया गया है।

अब गाड़ी को सदर थाने में खड़ा किया गया है और मामले की जांच जारी है। इस घटना ने एक बार फिर चुनावी माहौल में वित्तीय पारदर्शिता की जरूरत को उजागर किया है। दौसा विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव होने वाले हैं। इस सीट से विधायक रहे मुरारीलाल मीणा अब सांसद हो गए हैं। उनके बाद यह सीट वेकेंट हो गई है। इस सीट को कांग्रेस फिर से काबू करने की कोशिश में जी जान से जुटी हुई है। वहीं यह सीट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के भी नाक का सवाल है। जिसके लिए 13 नवंबर को मतदान होगा।

स्थानीय प्रशासन और चुनाव आयोग इस घटना को ध्यान में रखते हुए चुनावी प्रक्रिया को सुचारू बनाने का प्रयास कर रहे हैं। आगामी चुनाव में धन के प्रभाव को कम करने के लिए सख्त निगरानी रखी जाएगी। पुलिस और संबंधित एजेंसियां इस दिशा में लगातार कार्यरत हैं, ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी रहे।

'मम्मी-पापा आप खुश रहो', लिखकर कोटा में नीट स्टूडेंट ने की आत्महत्या

कोटा, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा शहर को मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी करने वाले बच्चों का हब माना जाता है। अपने लक्ष्य को पाने के लिए कोटा स्टूडेंट की पहली पसंद होती है। लेकिन इसका दूसरा स्याह पक्ष भी है। आज ही कोटा में एक और नीट स्टूडेंट ने सुसाइड कर लिया है। छात्र यूपी का रहने वाला बताया जा रहा है। कोटा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है और छात्र के परिवार को इस घटना की सूचना दे दी गई है। फिलहाल छात्र की आत्महत्या के कारण का खुलासा नहीं हुआ है। दरअसल, कोटा में नीट की तैयारी कर रहे एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। कोटा में रहकर मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे मिर्जापुर निवासी छात्र ने अपने पीजी कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र अपनी बहन के साथ पीजी में रहकर पढ़ाई कर रहा था। जानकारी के मुताबिक घटनास्थल पर पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें छात्र ने अपने माता-पिता के लिए लिखा, "मम्मी-पापा, आप खुश रहो।" इस नोट ने सभी को झकोर कर रख दिया है।

गले में श्रीश्याम का लॉकेट, माथे पर राधे-राधे पुलिस ने इन्हीं से पकड़े युवती के हत्यारे

जयपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के चौमू में पिछले दिनों एक युवती की हत्या कर शव को सड़क पर फेंक दिया गया। करीब 4 दिन बाद पुलिस ने युवती की हत्या के आरोप में एक युवक जयपाल और उसकी महिला साथी प्रियंका उर्फ कंचन को गिरफ्तार किया है जो मृतक युवती के साथी ही थे। मामला देह व्यापार से जुड़ा था। ये दोनों मृतक युवती के देह व्यापार का धंधा छोड़ने से नाराज थे। मृतका के गले में जय श्री श्याम लिखा एक लॉकेट मिला और उसके चहरे पर भी चंदन से राधे-राधे लिखा था। इस पर पुलिस ने आस-पास के तीर्थ स्थलों पर ऐसे लोगों से जानकारी जुटाई, जहां इस तरह के लॉकेट बिकते थे और इस तरह लिखा जाता था। खाटूश्याम मंदिर परिसर के सीसीटीवी कैमेरों की जांच की गई। यहां भीड़ बहुत ज्यादा रहती है इसलिए मृतक युवती को सीसीटीवी में पहचाना पाना बड़ा मुश्किल काम था। लेकिन, पुलिस की टीम लगातार 4 दिनों तक सीसीटीवी खंगालती रही और आखिर में मृतका का फुटेज मिल गया।

संजय शर्मा-टीकाराम जूली की साख दांव पर, इनको मिल सकता है मौका

अलवर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलवर जिले की रामगढ़ विधानसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा के साथ ही भाजपा और कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी है। अभी प्रत्याशियों की घोषणा होना बाकी है, लेकिन नेताओं ने वोट का गुणा-भाग लगाना शुरू कर दिया है। यह चुनाव केंद्रीय वनमंत्री भूपेंद्र यादव और वनमंत्री संजय शर्मा वर्सेज कांग्रेस महासचिव जितेंद्र सिंह और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बीच माना जा रहा है। इनकी साख दांव पर लगी हुई है।

कांग्रेस की बात की जाए तो यहां जितेंद्र सिंह और टीकाराम जूली ने कमान संभाली है। दोनों नेताओं ने न केवल फूलबाग में सभी विधायक, प्रभारी की बैठक ली। बल्कि रामगढ़ में भी कार्यकर्ताओं की बैठक ले चुके हैं। इसके अलावा अलवर के एक रिसॉर्ट में जिलेभर के कार्यकर्ताओं की बैठक ली थी। प्रचार-प्रसार की रणनीति के साथ ही नेताओं के दौरे को लेकर रणनीति बनाई जा रही है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की बात की जाए तो वे दो बार अलवर का प्रवास कर चुके हैं। इसके अलावा लगातार अपनी टीम के माध्यम से फीडबैक भी ले रहे हैं। जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता ने बताया कि भूपेंद्र यादव ने चुनाव की कमान संभाल रखी है। वे कई नेताओं व कार्यकर्ताओं से मिल चुके हैं। वहीं राज्य के वनमंत्री संजय शर्मा भी सक्रिय हैं। प्रत्याशी घोषित होते ही प्रचार तेज किया जाएगा। माना जा रहा है कि कांग्रेस दिवंगत विधायक जुबेर खान के पुत्र को टिकट दे सकती है। इसमें भी छोटे पुत्र आर्यन खान को टिकट देने की प्रबल संभावना है। कांग्रेस में जुबेर खान के परिवार के अलावा किसी और ने अभी दावेदारी भी नहीं की है। वहीं, बीजेपी विधानसभा चुनाव 2023 का चुनाव लड़ चुके भाजपा प्रत्याशी जय आहूजा के अलावा आजाद समाज पार्टी से चुनाव लड़ने वाले सुखवंत सिंह पर भी दांव खेल सकती है। राजस्थान की 7 सीटों पर होने वाले उप चुनाव के लिए 13 अक्टूबर को मतदान होगा। जिसके लिए 12 अक्टूबर को पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। लेकिन दोनों ही दिन शादियों का बड़ा सावा है। ऐसे में जहां चुनाव वाले क्षेत्र के लोगों के लिए वाहनों का संकट खड़ा हो सकता है, वहीं जिला निर्वाचन विभाग को वोट प्रतिशत बढ़ाने में पसीना बहाना पड़ेगा।

टोंक में मुआवजे की मांग को लेकर किसानों ने फिर शुरू किया धरना प्रदर्शन

टोंक, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। टोंक जिले के उनियारा उपखंड के बनेठा स्थित ईसरदा डेम परियोजना के डूब क्षेत्र के किसानों ने वर्तमान डीएलसी रेट के अनुसार मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर मालियों की झौपड़ियां गांव में एक बार फिर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। यह धरना प्रदर्शन ईसरदा डेम डूब क्षेत्र संघर्ष समिति के अध्यक्ष जमना लाल माली और किसान महापंचायत के युवा प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर चौधरी के नेतृत्व में किया जा रहा है। प्रशासन को धरना प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही ईसरदा बांध परियोजना के अधिकारियों, तहसीलदार प्रवीण सैनी, और बनेठा थाना प्रभारी राम गिलास गुर्जर ने मौके पर पहुंचकर किसानों से बातचीत कर समझाने का प्रयास किया। किसानों का आरोप है कि पूर्व में जो समझौता किसानों और प्रशासन के बीच हुआ था, उस पर महीनों बीत जाने के बाद भी कोई अमल नहीं किया गया है। प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर चौधरी ने बताया कि पहले भी जब धरना प्रदर्शन हुआ था, तब किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट के नेतृत्व में जिला कलेक्टर टोंक से वार्ता में सहमति बनी थी।

सांसद बेनीवाल बोले- गठबंधन होगा तो 2 सीटें लूंगा

नागौर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में 7 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का शेड्यूल जारी हो चुका है। इनमें 5 सीटें विधायकों के सांसद बनने से खाली हुई और 2 विधायकों का निधन हो गया। अब राजनीतिक पार्टियों ने उपचुनाव में जीत हासिल करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। सात सीटों में नागौर के खींवसर को हॉट सीट माना जा रहा है। खींवसर विधानसभा के गठन के समय से ही यहां राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष और नागौर लोकसभा क्षेत्र से सांसद हनुमान बेनीवाल का वर्चस्व रहा है। बेनीवाल ने उपचुनावों को लेकर गठबंधन की संभावनाओं, चुनावी तैयारियों और भाजपा से दुश्मनी को लेकर कहा - हमारी पूरी तैयारियां हैं। खींवसर कौंस्टिटुऐंसी हमेशा अलर्ट रहती है, चाहे कल चुनाव करवा लो ये लोग तैयार हैं। खींवसर में कई बार भाजपा की जमानत जब्त करवाई है, कांग्रेस की भी 4-5 बार जमानत जब्त हुई है। 3 बार लोकसभा और 5 बार विधानसभा चुनाव में से 6 बार खींवसर की जनता ने मुझे बहुमत दिया और एक बार छोटे भाई नारायण बेनीवाल को भी जिताकर भेजा। विकास की आंधी खींवसर में चल रही है। खींवसर की जनता इस चुनाव को मोदी, अमित शाह, भजनलाल वर्सेस हनुमान बेनीवाल करके मान रही है। अमित शाह-मोदी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को रोकना चाहेंगे, भजनलाल रोकना चाहेंगे। सरकार के मंत्री रोज यहां चक्कर लगा रहे हैं, खींवसर की परिक्रमा करते घूम रहे हैं। विधायक कोष के 5 करोड़ रुपए इन्होंने (प्रदेश सरकार) ने अभी तक नहीं भेजें। लेकिन सारा पैसा निकलवा देंगे और कोशिश रहेगी कि चुनाव से पहले सारे काम धरातल पर आएं, सारे काम चालू हों। पिछली बार विधानसभा चुनावों में खींवसर के लोगों के बीच नहीं रह पाया था, इस वजह से जीत का अंतर 2 हजार पर आ गया था। लोकसभा के अंदर आमने-सामने का मुकाबला था, फिर भी जीत का अंतर 5 हजार से ज्यादा रहा। इस बार रालोपा को 1 लाख 10 हजार से ज्यादा वोट मिलेंगे। रालोपा खींवसर में भाजपा को 30 हजार से ज्यादा वोटों से पछाड़ेगी।

मैं तो मेरे दिमाग में कभी कैंडिडेट के बारे में सोचता नहीं हूं। पिछली बार चुनाव में खींवसर के करीब 1 हजार मौजीज लोग यहां पर आए थे, जो वहां खुद चुनाव लड़ते हैं।

पूर्व महिला विधायक को भेजे अश्लील मैसेज, रेप की धमकी

वॉट्सऐप पर लिखा- तेरा हाल भी बाबा सिद्दीकी के जैसा कर दूंगा

जालोर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। जालोर की पूर्व विधायक अमृता मेघवाल (39) को जान से मारने की धमकी के साथ वॉट्सऐप पर अश्लील मैसेज मिले हैं। मेघवाल ने इस संबंध में जयपुर पुलिस आयुक्तालय के साइबर थाने में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के अनुसार उनके वॉट्सऐप पर 7487013982 नंबर से अश्लील मैसेज और एक कॉल भी आई है।

उस नंबर पर वापस कॉल किया तो सामने वाला व्यक्ति गालियां देने लगा। शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि तेरा हाल भी बाबा सिद्दीकी के जैसा कर दूंगा। आरोपी ने पूर्व विधायक को रेप की भी धमकी दी। मामला दर्ज होने के बाद भी उस नंबर से कॉल और मैसेज आ रहे हैं।

मेघवाल ने बताया कि उनके साथ पिछले कुछ सालों से ऐसी घटनाएं होती रही हैं। जयपुर में उन्हें पहले भी धमकाया गया था, इसे लेकर सोडाला थाने में रिपोर्ट दी थी। इसके अलावा उन पर 2021 व 2022 में 2 बार हमले भी हुए हैं। इसको लेकर जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर थाने में उन्होंने मामला दर्ज कराया था। हाल ही में 8 जुलाई को जालोर में उनका ससुराल पक्ष से विवाद हो गया था। इस दौरान उन्होंने अपने पूर्व पति बाबूलाल, ससुर हेमाराम, चाचा ससुर शिवलाल सोलंकी और देवर कैलाश के विरुद्ध मारपीट करने के साथ दहेज के लिए प्रताड़ित करने का मामला दर्ज कराया था। अमृता मेघवाल की शादी जालोर जिले के नोरवा हाल रामदेव कॉलोनी निवासी एडवोकेट बाबूलाल मेघवाल पुत्र हेमाराम मेघवाल से 21 अप्रैल 2008 को हुई थी। अमृता चाणोद (पाली) की रहने वाली हैं। 21 जनवरी 2019 को दोनों के बीच इतना विवाद हुआ कि वे अलग रहने लगे।

करीब 3 साल बाद पति बाबूलाल ने फैमिली कोर्ट जालोर में तलाक के लिए प्रार्थना पत्र दाखिल किया। कोर्ट ने अमृता मेघवाल को कई नोटिस भेजकर उपस्थित होने को कहा, लेकिन वे कोर्ट में उपस्थित नहीं हुईं।

हैदराबाद में लक्जरी रियल एस्टेट में भारी गिरावट

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद का लक्जरी रियल एस्टेट बाजार, जिसे लंबे समय से भारत के संपत्ति क्षेत्र में एक उभरते सितारे के रूप में देखा जाता रहा है, एक बड़ी बाधा से टकरा गया है। हाल के वर्षों में, शहर में उच्च स्तरीय लक्जरी आवास की मांग लगातार बढ़ रही है, क्योंकि शहर के बाहरी इलाकों और उसके बाहर कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। हरियाली से भरपूर और सुंदर स्थानों पर और सैर-सपाटे से लेकर फिटनेस सेंटर और शॉपिंग सुविधाओं से लेकर बैंकिंग तक की सुविधाओं से युक्त अधिक विशाल संपत्तियां चार्ट में ऊपर चली गईं।

इस प्रवृत्ति ने किफायती आवास की अवधारणा को आवासीय रियल एस्टेट मानचित्र से बाहर धकेल दिया, जिसका असर मध्यम श्रेणी के आवास पर भी पड़ा। हालांकि, जबकि अन्य बड़े महानगरों में लक्जरी आवास खंड कायम रहा और बढ़ता रहा, पिछले कुछ महीनों में हैदराबाद के बाजार में गिरावट देखी गई है। सीबीआरई साउथ एशिया की ओर से गुरुवार को जारी नई रिपोर्ट 'इंडिया मार्केट मॉनिटर क्यू3 2024-रेजिडेंशियल' से पता चलता है कि 2024 की तीसरी तिमाही (जुलाई से सितंबर) में शहर में लक्जरी घरों की बिक्री में भारी गिरावट आएगी। 4 करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाली संपत्तियों की बिक्री 2024 की तीसरी तिमाही में तेजी से घटकर 200 इकाई रह गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 630 इकाई थी- यानी 68 फीसदी की भारी गिरावट।

दिल्ली-एनसीआर और मुंबई जैसे अन्य प्रमुख शहरों में लक्जरी हाउसिंग मार्केट में उछाल देखा गया। दिल्ली-एनसीआर ने 2024 की तीसरी तिमाही में 2,590 यूनिट्स की बिक्री के साथ जबरदस्त उछाल दर्ज किया, जबकि एक साल पहले यह आंकड़ा सिर्फ 480 यूनिट्स का था। मुंबई में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जहां इसी अवधि के दौरान लक्जरी बिक्री 1,040 यूनिट्स से बढ़कर 1,280 यूनिट्स हो गई।

हैदराबाद का लक्जरी बाजार हाल की तिमाही में लड़खड़ा गया, लेकिन साल-दर-साल इसका प्रदर्शन ज्यादा स्थिरता दिखाता है। जनवरी से सितंबर 2024 के बीच, शहर ने 1,540 लक्जरी यूनिट बेचीं, जो पिछले साल इसी नौ महीने की अवधि में 1,560 से थोड़ी ही कम है। इसके विपरीत, अन्य शहरों में अधिक निरंतर वृद्धि दर्ज की गई। पुणे में लक्जरी बाजार में उछाल देखा गया, जहां वर्ष-दर-वर्ष बिक्री 9एम '23 में 330 इकाइयों से लगभग तीन गुना बढ़कर 9एम' 24 में 810 इकाइयों तक पहुंच गई। कोलकाता और चेन्नई में भी लक्जरी घरों की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

प्रदर्शन के बाद अशोक नगर में भारी पुलिस तैनाती

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। डोमलगुडा पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अशोक नगर में गुरुवार को किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। इससे पहले बुधवार देर शाम 21 अक्टूबर से होने वाली ग्रुप-I परीक्षा को स्थगित करने की मांग को लेकर ग्रुप-I के कई अभ्यर्थियों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। कुछ समय के लिए यातायात जाम की सूचना मिली। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कोई भी निवारक गिरफ्तारी नहीं की गई क्योंकि विरोध प्रदर्शन को जल्द ही समाप्त कर दिया गया। इस बीच, बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने उम्मीदवारों को समर्थन दिया और गुरुवार को उनसे मिलने का आश्वासन दिया।

प्रेरक वक्ता और होटल मालिक पर हिंसा भड़काने का मामला

होटल सील, अन्य विवरणों की जांच में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोपालपुरम पुलिस ने कथित तौर पर भावनाएं भड़काने और नफरत फैलाने के आरोप में बहुचर्चित वक्ता मुनव्वर जमा और रेजिमेंटल बाजार में मेट्रोपोलिस होटल के मालिक अब्दुल रशीद बशीर अहमद और प्रबंधक रहमान के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने उन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 (धार्मिक भावनाओं का जानबूझकर अपमान या अपमान), 192 (दंगा भड़काने के इरादे से दुर्भावनापूर्ण या बेवजह उकसावा), 196 (विभिन्न आधारों पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी और घृणा को बढ़ावा देना), 223 (लोक सेवकों के आदेशों की अवहेलना करना जिससे बाधा या खतरा पैदा हो सकता है) और 49 (अपराध करने के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया। गोपालपुरम पुलिस स्टेशन के एक सब-इंस्पेक्टर की शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया। गोपालपुरम पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर ने शिकायत में कहा कि मुंबई के मोटिवेशनल स्पीकर मुनव्वर जमा ने न केवल धार्मिक आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा दिया, बल्कि उन्होंने प्रतिभागियों को दंगे भड़काने के लिए उकसाया। उन्होंने सलमान को मुथ्यालम्मा मंदिर में देवी की मूर्ति को नुकसान पहुंचाने के लिए भी उकसाया। सिकंदराबाद मंदिर में भगवान की मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने वाला आरोपी सलमान सलीम ठाकुर उन 151 लोगों में शामिल था, जो हैदराबाद के होटल में रुके थे और वहां आयोजित एक कार्यशाला में शामिल हुए थे। 14 अक्टूबर को यह व्यक्ति मंदिर में घुस गया और देवी मुथ्यल्लामा की मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया। उसे भीड़ ने पकड़ लिया और बुरी तरह पीटा। सलमान का अभी शहर के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने गुरुवार को होटल को सील कर दिया तथा सम्मेलन की रिकॉर्डिंग, प्रतिभागियों को वितरित की गई सामग्री तथा कई अन्य विवरणों की भी जांच कर रही है।

'अतिथिदेवो भवः 2024' के दूसरे संस्करण का शुभारंभ

ऑटो, कैब ड्राइवरों के कौशल को बढ़ाता है कार्यक्रम

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन विभाग और राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के सहयोग से एफटीसीसीआई की एक विशेषज्ञ समिति, पर्यटन, आतिथ्य, मीडिया, एमआईसीई, कार्यक्रम और मनोरंजन समिति (टीएचएमएमआईसीईई) द्वारा गुरुवार को यहां 'अतिथिदेवो भवः 2024' के दूसरे संस्करण का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऑटो और कैब ड्राइवरों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाना है, ताकि पर्यटकों के लिए गर्मजोशी से स्वागत और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित हो सके। यह 3 दिवसीय गहन कार्यक्रम हैदराबाद और आस-पास के इलाकों में 1,000 ड्राइवरों को लक्षित करेगा।

इस पहल की एक खास बात यह है कि इसमें सुरक्षा प्रशिक्षण के लिए तेलंगाना पुलिस विभाग के साथ सहयोग किया गया है तथा सुरक्षा और संरक्षा सुविधाएं प्रदान करने के लिए उनके क्यूआर कोड का उपयोग किया गया है। आरजीआईए के 100 से अधिक कैब ड्राइवरों ने उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया और सत्र में उनकी सेवा मानकों और ग्राहक संबंधों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

ड्राइवरों को पेशेवर व्यवहार पर प्रशिक्षण दिया गया, उन्हें अधिक किराया न लेने और सुरक्षित, निर्बाध यात्रा अनुभव प्रदान करने को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके अतिरिक्त, अपोलो मेडिकल टीम ने सीपीआर प्रशिक्षण आयोजित किया, जिससे ड्राइवरों को आपातकालीन स्थिति में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने के लिए जीवन रक्षक कौशल से लैस किया गया। यह कार्यक्रम 3 दिनों तक चलेगा जिसमें विभिन्न स्थानों जैसे नामपल्ली बस स्टैंड, काचीगुडा बस स्टैंड, एमजीबीएस, इमलीबुन बस स्टैंड, सिकंदराबाद बस स्टैंड, जुबली बस स्टैंड, एर्रागड्डा और राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, शमशाबाद पर कई सत्र आयोजित किए जाएंगे।

अधिकारी ध्वस्तीकरण के लिए तैयार

कामारेड्डी, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगरपालिका अधिकारियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर हाइड्रा की तर्ज पर ध्वस्तीकरण की तैयारी के कारण कई निवासियों में तनाव व्याप्त है।

बाथुकम्मा कुंटा, अशोक नगर, रुक्मिणी कुंटा, कल्कि नगर, देवुनिपल्ली, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी और जीआर कॉलोनी के निवासी काफी चिंतित हैं, क्योंकि नगर निगम के अधिकारी इन क्षेत्रों में कुछ संरचनाओं को ध्वस्त करने की तैयारी कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि भाजपा विधायक वेंकट रमना रेड्डी ने शिकायत दर्ज कराई थी और उसके अनुसार नगर निगम अधिकारियों ने 256 भवन मालिकों को नोटिस जारी किया है। नोटिस पाने वालों में कुछ सामुदायिक भवन और जाति आधारित समारोह हॉल भी शामिल हैं।

ट्रक पलटने के बाद 2 मगरमच्छों को फिर से पकड़ा गया

> जानवरों को बेंगलुरू के बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान ले जा रहा था ट्रक

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि पटना से जंगली जानवरों को लेकर बेंगलुरू जा रहे एक ट्रक के तेलंगाना के निर्मल जिले में पलट जाने के बाद भागे दो मगरमच्छों को फिर से पकड़ लिया गया। यह घटना निर्मल जिले के मोंडिगुट्टा गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर रात करीब एक बजे हुई, जब पटना के संजय गांधी जैविक उद्यान से जंगली जानवरों को बेंगलुरू के बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान ले जा रहा ट्रक पलट गया।

आठ मगरमच्छ, दो सफेद हाथी, दो बाघ और अन्य जानवरों को ले जा रहा ट्रक चालक के वाहन पर से नियंत्रण खो देने के कारण सीमेंट के खंभों से टकरा गया और सड़क से नीचे जंगल में जा गिरा। दुर्घटना के बाद दो मगरमच्छ भागने में सफल रहे। घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस और वन कर्मियों ने जानवरों को तुरंत पकड़कर ट्रक में वापस रख दिया। अधिकारियों ने राहत की सांस ली क्योंकि दुर्घटना के बाद कोई अन्य जानवर बच नहीं सका। पुलिस और वन अधिकारियों की त्वरित कार्रवाई से कोई भी त्रासदी टल गई। दोनों बाघों को ट्रक में उनके पिंजरे में सुरक्षित रखा गया था। वन अधिकारियों ने पुलिस की मदद से आगे के खतरों को रोकने के लिए क्षेत्र को तुरंत सुरक्षित कर लिया। अधिकारियों ने वाहन को वापस उठाने के लिए क्रेन को काम पर लगाया। अधिकारियों ने कहा कि ट्रक में सभी जानवर सुरक्षित हैं। अधिकारियों ने एक और वाहन की व्यवस्था की, जिसमें जानवरों को स्थानांतरित किया गया और बाद में यह बेंगलुरू की यात्रा पर निकल पड़ा। संजय गांधी जैविक उद्यान, मंजूरी के बाद देश भर के चिड़ियाघरों को कुछ दुर्लभ प्रजातियों सहित जंगली जानवर उपलब्ध कराता है। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण विभिन्न राज्यों के चिड़ियाघरों में जंगली जानवरों के स्थानांतरण की अनुमति देता है। संजय गांधी जैविक उद्यान, जिसे पटना चिड़ियाघर के नाम से भी जाना जाता है, दुनिया भर से लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण और प्रसार के लिए प्रयास कर रहा है।

सूर्यापेट में निजी शिक्षण संस्थानों ने निकाली रैली, फीस प्रतिपूर्ति की मांग

सूर्यापेट, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजी शिक्षण संस्थानों ने गुरुवार को सूर्यापेट जिले में इंटरमीडिएट और डिग्री कॉलेजों के लिए फीस प्रतिपूर्ति की मांग करते हुए एक विशाल बाइक रैली का आयोजन किया। शिक्षक संगठनों के नेताओं ने कांग्रेस पार्टी की अपने वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए आलोचना की, जिससे प्रबंधन और शिक्षक गंभीर संकट में हैं। उन्होंने रेवंत रेड्डी के प्रति अपनी निराशा व्यक्त की, जिन्होंने शुरू में मध्य प्रदेश चुनावों के बाद मुद्दों को हल करने का वादा किया था, किसान ऋण माफी की बात की थी और खोखले वादों के साथ देरी करते रहे। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि अगर जल्द ही फीस प्रतिपूर्ति जारी नहीं की गई तो वे अपना विरोध प्रदर्शन तेज कर देंगे। उन्होंने बताया कि वे दशहरा नहीं मना पाए और अब कुछ राहत की उम्मीद में दिवाली का इंतजार कर रहे हैं।

शिक्षकों और निजी प्रबंधन का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठनों ने धमकी दी है कि अगर उनका बकाया तुरंत नहीं चुकाया गया तो वे सरकार के खिलाफ अपनी लड़ाई को और तेज कर देंगे। उन्होंने रेवंत रेड्डी की भी आलोचना की और कहा कि अगर बकाया जारी नहीं किया गया तो उन्हें उनके गुस्से का सामना करना पड़ेगा। शिक्षकों ने लंबित प्रतिपूर्ति को तुरंत जारी करने की मांग की और इस बात पर जोर दिया कि उनका धैर्य खत्म हो रहा है।

पीडीएस चावल रैकेट का भंडाफोड़

> 504 क्विंटल चावल और दो लॉरियां जब्त

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा पुलिस और नागरिक आपूर्ति अधिकारियों द्वारा संयुक्त अभियान के तहत 504.50 क्विंटल चावल और इसके अवैध परिवहन में शामिल दो लॉरियों को जब्त किया गया। चावल, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का हिस्सा होने का संदेह है, जिसे पॉलिश किया गया था, संसाधित किया गया था और व्यावसायिक बिक्री के लिए पैक किया गया था। इनमें से एक लॉरी आंध्र प्रदेश के बापटला से गुजरात जा रही थी, जबकि दूसरी तेलंगाना से मुंबई जा रही थी।

गुरुवार की सुबह, आंध्र प्रदेश से तेलंगाना के लिए 245.40 क्विंटल पीडीएस चावल ले जा रही केए56 2700 नंबर की एक लॉरी को पकड़ा गया। चावल को 818 प्लास्टिक सुपर बैग में पैक किया गया था, जिनमें से प्रत्येक का वजन 30 किलोग्राम था। एक अलग अभियान में, बापटला से गुजरात के लिए लगभग 8 लाख रुपये मूल्य के 250 क्विंटल पीडीएस चावल ले जा रही जीजे 25 यू 2727 नंबर की एक और लॉरी को भी जब्त किया गया। ड्राइवर भीमय्या को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। पुलिस ने इस मामले में 3 मुख्य संदिग्धों का नाम लिया है : बापटला निवासी चीमाकुर्ती सुधाकर, कर्नाटक निवासी ट्रक चालक सैयद सलाउद्दीन और गुंटूर निवासी अशोक, जो फिलहाल फरार है। कई सालों से सुधाकर गुंटूर, बापटला और नरसारावपेट जैसे इलाकों से सस्ते दामों पर पीडीएस चावल खरीदकर, उसे अपने श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर अयप्पा ट्रेडर्स मिल में बढ़िया चावल में पॉलिश करके और नकली बिलों के साथ उसे ट्रांसपोर्ट करके रैकेट चला रहा है। सुधाकर कथित तौर पर तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में हर महीने 10 से 12 ट्रक चावल लोड करता था।

नलगोंडा के एसपी शरत चंद्र पवार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इन विवरणों का खुलासा किया, जिसमें गरीबों के लिए पीडीएस चावल के दुरूपयोग को रोकने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह की अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए अंतर्राज्यीय सीमाओं पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी गई है।

कर चोरी के आरोप में गूगी प्रॉपर्टीज

की कंपनियों पर आयकर छापे

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयकर विभाग गुरुवार सुबह से हैदराबाद और कई अन्य स्थानों पर गूगी प्रॉपर्टीज एंड डेवलपर्स के कॉर्पोरेट कार्यालयों पर तलाशी ले रहा है। शहर में अन्विता बिल्डर्स के कार्यालयों पर भी इसी तरह की तलाशी ली गई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, ये कंपनियां कर चोरी के आरोपों के चलते आयकर विभाग की नजर में हैं। आईटी अधिकारियों ने फरवरी 2023 में भी गूगी प्रॉपर्टीज के कार्यालयों की तलाशी ली थी। गूगी एक रियल एस्टेट कंपनी है, जिसका शहर के साथ-साथ आसपास के जिलों में निर्माण और हथकरघा वस्त्र कारोबार का विविध पोर्टफोलियो है।

गुरुवार को विशेष टीमों ने जुबली हिल्स, रायदुर्गम, कोल्लूर और संगारेड्डी में इन फर्मों के प्रबंध निदेशकों और निदेशकों के आवासों की तलाशी ली। इन छापों में आयकर अधिकारियों की लगभग 30 टीमें शामिल थीं। गूगी प्रॉपर्टीज और उसकी सहयोगी कंपनियों के मालिक यास्मीन फातिमा और अकबर शेख हैं। अधिकारी काफी समय से इन कंपनियों के निवेश पर बारीकी से नजर रख रहे थे। आयकर विभाग के सूत्रों ने बताया कि इन कंपनियों पर आयकर नियमों के कथित उल्लंघन और वित्तीय अनियमितताओं की जांच चल रही है। अकबर ने पिछला विधानसभा चुनाव मलकपेट विधानसभा क्षेत्र से लड़ा था, लेकिन एआईएमआईएम के अहमद बलाला से हार गए थे।

पावरग्रिड, दक्षिणी क्षेत्र-I मुख्यालय में पुलिस द्वारा साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र का आयोजन

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह एवं सप्ताह के अंतर्गत आज पावरग्रिड दक्षिणी क्षेत्र-I, क्षेत्रीय मुख्यालय, सिकंदराबाद में साइबर अपराध पुलिस, हैदराबाद द्वारा साइबर सुरक्षा जागरूकता पर सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का संचालन साइबर अपराध पुलिस की श्रीमती पाकीजा-पुलिस उपनिरीक्षक, श्रीमती भवानी-पुलिस उपनिरीक्षक, श्रीकांत-पुलिस उपनिरीक्षक एवं तकनीकी विश्लेषक द्वारा किया गया। सत्र के दौरान उन्होंने वास्तविक दुनिया के साइबर अपराधों पर प्रकाश डाला कि पीड़ित कैसे अपराध में फंस गए हैं। साथ ही धोखेबाजों की कार्यप्रणाली, व्यावहारिक समाधान, इन धोखाधड़ी से खुद को बचाने के लिए सावधानियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अज्ञानता, मासूमियत और जल्दबाजी साइबर स्पेस में अपराधों को बढ़ावा दे रही है। यह व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह दूसरों से सीखे और डिजिटल युग में आपस में जागरूकता पैदा करे। मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (दक्षिणी क्षेत्र-I) अखिलेश पाठक ने हैदराबाद की साइबर अपराध पुलिस का स्वागत किया और इस प्रकार के साइबर अपराधों की पहचान करने और सभी के द्वारा अनुसरण किए जाने वाले सुरक्षित डिजिटल अभ्यास को बढ़ावा देने में उनकी सेवाओं के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अधिकांश लोगों ने कम से कम एक प्रकार की साइबर धोखाधड़ी का सामना अवश्य किया है जिससे धोखेबाजों का ध्यान आकर्षित करने से बचने के लिए निवारक उपायों को जानना महत्वपूर्ण है।

सत्र के दौरान एसएमवी नानाजी, मुख्य महाप्रबंधक (एएम), वेंकट एस. वी, मुख्य महाप्रबंधक (वित्त), पीसीएस रेड्डी, वरिष्ठ महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं क्षे. मुख्यालय के अन्य अधिकारी ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज की। उक्त सत्र के दौरान मुख्यालय के कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के साथ-साथ दक्षिणी क्षेत्र-1 के 18 सबस्टेशनों के कर्मचारियों ने भी ऑनलाइन माध्यम द्वारा सत्र से जुड़कर का इसका लाभ प्राप्त किया।

1200 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में फंसी आईपीएस भाग्यश्री नवटके

मुंबई, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुणे की एक सहकारी ऋण समिति के जरिये हुई 1200 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में आईपीएस अधिकारी भाग्यश्री नवटके फंस गईं हैं। सीबीआई ने उनके खिलाफ जालसाजी, आपराधिक साजिश के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। उन पर धोखाधड़ी मामले की जांच में नियमों का दुरूपयोग करने का आरोप है। दरअसल 2015 में जलगांव की भाईचंद हीराचंद रईसनी सहकारी ऋण समिति ने लोगों से बेहतर रिटर्न दावा करके करोड़ों रुपये निवेश कराए। जब तय समय पूरा होने पर निवेशकों को रिटर्न नहीं मिला तो लोगों ने धोखाधड़ी की शिकायत की। मामले की जांच हुई तो 1200 करोड़ का घोटाला सामने आया। बताया जाता है कि मामले में महाराष्ट्र में 80 से अधिक मुकदमे दर्ज कराए गए थे। इस मामले जांच 2020-22 तक आर्थिक अपराध शाखा की एसआईटी की आईपीएस अधिकारी भाग्यश्री नवटके कर रही थीं। इस दौरान आईपीएस नवटके पर जांच के दौरान नियमों की अनदेखी करने आरोप लगे। मामले में सीआईडी से जांच कराई गई तो सामने आया कि आईपीएस भाग्यश्री ने जांच में नियमों की अनदेखी की और शुरूआती जांच किए बिना तीन-तीन मामले दर्ज कराए।

श्री सखी मठ में भजन संध्या संपन्न

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शरद पूर्णिमा के अवसर पर श्री सखी बाबा मठ पुराना पुल में भजन संध्या का आयोजन किया गया।

हम दो हमारे दो मित्र मंडल द्वारा आयोजित भजन संध्या के मुख्य जजमान सतीश गोयल, प्रवीण गोयल, रुपानी गोयल, कविता गोयल थी। भक्त मंडली में श्याम लोहिया, ओम बंग, सुभाष झंवर, सुनील भाई, वेणु जाजू, दीपक बंग, आनंद झंवर, विशाल जैन, विवेक जैन, गोविंद मूंदडा, विजय सोनी, श्रीकांत कुडते मामा आदि ने भाग लेकर भजन संध्या का रसपान किया। मठ में 16 अक्टूबर को सत्यनारायण कथा तथा शाम साढ़े पांच बजे भगवान का अभिषेक किया गयाष राथ आठ से बारह बजे तक भजन संध्या की बही गंगा का आनंद लिया गया। आरती के बाद प्रसादी का भी आयोजन किया गया।

बिहार में जहरीली शराब से हुई मौतों पर 50 लाख मुआवजे की मांग

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार के सिवान और सारण जिले में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों पर बिहार सहयोग समिति तेलंगाना ने गहरा दुख प्रकट किया। समिति के अध्यक्ष बिनय यादव ने बिहार सरकार को इस तरह जहरीली शराब बेचने वाले के लिए कड़ी सजा देने की मांग की है। श्री यादव ने इस शराबकांड में मारे गए लोगों को परिजनों को पचास लाख रुपये तक मुआवजा देने की मांग की है। उनका स्पष्ट कहना है कि यह मौतें सरकार की लापरवाही का नतीजा है। जब बिहार में शराब बंदी चल रही है तो अपराधियों की हिम्मत कैसे हो जाती है कि वे शराब पिलाकर लोगों को मौत के घाट उतार रहे हैं। जहरीली शराब पीने से जो लोग हॉस्पिटल में भर्ती है उनका अच्छे हॉस्पिटल में इलाज कराया जाए ताकि उनकी जान बच सके। बिहार में कई सालों से शराब बंद है मगर फिर भी शराब मिल रही है और उसके साथ साथ जहरीली शराब भी बिक रही है, और इस तरह की घटना कितनी बार घट चुकी है। अब सरकार को उसपर बिचार करने कि जरूरत है, नहीं तो ऐसे घटनाएं होती रहेगी।

संघ प्रमुख का बयान-भारत अपने पूर्वजों के सिद्धांतों पर कायम

सूरत, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि हमारे पूर्वजों की तरफ से निर्धारित सिद्धांतों के कारण भारत उन देशों की भी मदद करता है, जिन्होंने कभी उसके खिलाफ युद्ध छेड़ा था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के पास 1999 में कारगिल में पाकिस्तान के दुस्साहस के लिए जवाबी कार्रवाई करने का विकल्प था, लेकिन उस समय सरकार ने सेना को हमला करने के लिए सीमा पार न करने का निर्देश दिया था। गुजरात के सूरत शहर में मोहन भागवत जैन समुदाय की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां जैन धर्मगुरु आचार्य महाश्रमण भी मौजूद थे। मोहन भागवत ने आगे कहा, कि हमारे पूर्वजों की तरफ से निर्धारित सिद्धांतों को बनाए रखने की हमारी प्रतिबद्धता के कारण, भारत उन देशों को अपना समर्थन देता है, जिन्होंने पहले हमारे खिलाफ युद्ध छेड़ा था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बेंगलुरू टेस्ट में न्यूजीलैंड को 134 रन की बढ़त

दूसरे दिन स्टंप्स तक स्कोर 180/3; भारत पहली पारी में 46 रन पर ऑलआउट हुआ

बेंगलुरू, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेंगलुरू टेस्ट का पहला दिन पूरी तरह से न्यूजीलैंड के नाम रहा। टीम ने पहले भारत को पहली पारी में 46 रन पर ऑलआउट कर दिया। उसके बाद दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट पर 180 रन भी बना लिए हैं। इस तरह टीम को 134 रन की बढ़त मिल गई है। रचिन रवींद्र और डेरिल मिचेल नाबाद लौटें।

तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले का पहला दिन बारिश की वजह से रद्द हो गया था। गुरुवार को दूसरे दिन भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। उनका यह फैसला भारत के लिए बिल्कुल भी सही साबित नहीं हुआ। भारतीय टीम 46 रन पर ऑलआउट हो गई। यह भारत का घरेलू मैदान पर सबसे छोटा स्कोर है। टीम के 5 बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए।

ऋषभ पंत टीम के टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 20 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने सबसे ज्यादा 5 विकेट झटके। विलियम ओरुर्के ने 4 विकेट लिए। टिम साउदी को एक विकेट मिला।

टॉस तक नहीं हो पाया था. ऐसे में ज्यादातर समय पिच को कवर किया हुआ था. ऐसे में साफ था कि पिच पर नमी रही होगी. उस पर दूसरे दिन जब सुबह मैच जल्दी शुरू हुआ, तो भी आसमान में बादल छाए हुए थे और अंधेरे की स्थिति बनी हुई थी. ये भी अनुमान पहले से था कि बीच में बारिश के कारण खेल रुक सकता है. यहां तक कि मैच की शुरुआत ही फ्लड लाइट्स जलाकर हुई. इतना कुछ सुबह से ही दिख रहा था लेकिन उसके बाद भी भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला क्यों किया? कोच और कप्तान ने मिलकर इतनी बड़ी गलती कैसे कर दी? क्या उन्हें जरा भी समझ नहीं आया कि शुरुआती वक्त तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकता है और न्यूजीलैंड के पास तीन प्रमुख पेसर थे.

अगर पहली गलती काफी नहीं थी तो उसके बाद बल्लेबाजों ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी और एक बार फिर कप्तान रोहित ने इसकी शुरुआत की. न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने शुरुआत से ही दबाव बनाया था और कई बार रोहित-यशस्वी जायसवाल के बल्ले को छकाया था. फिर भी किस्मत साथ दे रही थी और दोनों बच रहे थे. ऐसे में जरूरत थी कि जब तक गेंदबाजों को मदद मिल रही है, तब तक टिक कर खेला जाए लेकिन कप्तान रोहित ने ही सीधे अनुभवी पेसर टिम साउदी के खिलाफ आगे बढ़कर बड़ा शॉट खेलना चाहा लेकिन बोल्ड हो गए. फिर सरफराज खान भी तीसरी ही गेंद पर हवा में शॉट उड़ाने की कोशिश में विकेट दे बैठे. विराट कोहली को एक अच्छी बॉल मिली लेकिन उनकी हर बार फ्रंट फुट पर रहने की आदत के कारण वो इससे बच नहीं सके. वहीं केएल राहुल लेग स्टंप की गेंद को सही से फ्लिक नहीं कर सके और विकेट दे बैठे.

आईपीएल 2025 : मेगा ऑक्शन 24 और 25 नवंबर को रियाद में होने की संभावना

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 से पहले होने वाले मेगा ऑक्शन की तारीख को लेकर बड़ी जानकारी सामने आ रही है। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस बार इसका आयोजन 24 और 25 नवंबर को रियाद में होने की संभावना है। हालांकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक इसकी औपचारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन फ्रेंचाइजियों को अनौपचारिक रूप से इसके बारे में बता दिया गया है।

पिछले साल की नीलामी दुबई में हुई थी और अब इस साल भी इसके भारत के बाहर ही होने की उम्मीद है। पहले लंदन और सिंगापुर को आयोजन स्थल के रूप में चुना गया था, लेकिन अब

सऊदी अरब को प्राथमिकता दी गई है। बीसीसीआई का मानना है कि रियाद में मेगा ऑक्शन होना ब्रॉडकास्टिंग के लिहाज से भी सही रहेगा।

रियाद को चुने जाने की वजह

विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार बीसीसीआई और आईपीएल अधिकारी रियाद को नीलामी स्थल को अंतिम रूप देने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि दुबई की तुलना में सऊदी अरब को ज्यादा महंगा माना जाता है, लेकिन बोर्ड का मानना है कि आईपीएल दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिकेट लीग है, इसलिए इसका नई जगहों में एंट्री लेना और नए फैन बनाना जरूरी है।

ऑक्शन का फैंस को है बेसब्री से इंतजार

इस मेगा ऑक्शन को लेकर उत्सुकता सिर्फ फैंस ही नहीं बल्कि खिलाड़ियों में भी है, जो बेसब्री से अपने भाग्य का इंतजार कर रहे है। कई खिलाड़ियों के लिए यह नीलामी उनकी जिंदगी बदल सकती है। फ्रेंचाइजी के लिए यह सिर्फ एक टीम बनाने के बारे में नहीं है, बल्कि एक आईपीएल ट्रॉफी तक पहुंचने का जरिया भी है। जैसे-जैसे नीलामी की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे फ्रेंचाइजी की भी टेंशन बढ़ गई है।

मुंबई इंडियंस इन 4 खिलाड़ियों को ही करेगी रिटेन

मुंबई, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 से पहले एक बहुत बड़ा फैसला ले लिया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई इंडियंस ने उन 4 खिलाड़ियों के नाम तय कर लिए हैं जिन्हें वो आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले रिटेन करने वाले हैं. मुंबई ने रोहित शर्मा को लेकर भी एक चौंकाने वाला फैसला लिया है. रिपोर्ट्स की मानें तो मुंबई की टीम कप्तान हार्दिक पंड्या को रिटेन करने वाली है. उनके अलावा जसप्रीत बुमराह और सूर्यकुमार यादव भी रिटेन होंगे. वहीं रोहित शर्मा के मामले में सभी को चौंकाते हुए मुंबई की टीम ने इस खिलाड़ी को भी अपनी टीम में बरकरार रखने का मन बनाया है.

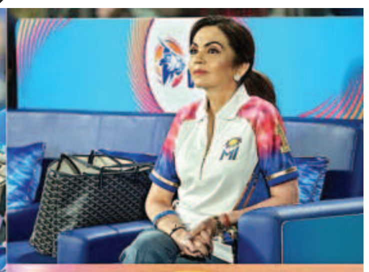

रोहित पर आ रही थी तरह-तरह की खबरें

रोहित शर्मा पर ऐसी खबरें सामने आ रही थीं कि ये खिलाड़ी फ्रेंचाइजी से अलग हो सकता है. पिछले साल ही रोहित को मुंबई ने कप्तानी से हटाया था. उनकी जगह हार्दिक कप्तान बने थे और मुंबई की टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकी. ऐसी खबरें आ रही थी कि रोहित इस फैसले से निराश हैं, हालांकि इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई थी. वैसे आपको बता दें खिलाड़ी के पास अधिकार है कि वो अगर रिटेन ना होना चाहे तो वो ऐसा कर सकता है. वो रिटेन ना होकर ऑक्शन में जा सकता है. खैर रोहित के मामले में ऐसा होना मुश्किल है.

सनराइजर्स हैदराबाद ने भी लिया फैसला

सिर्फ मुंबई ही नहीं रिपोर्ट्स के मुताबिक सनराइजर्स हैदराबाद ने भी अपने रिटेन करने वाले खिलाड़ी तय कर लिए हैं. बताया जा रहा है कि सनराइजर्स हैदराबाद सबसे पहले हेनरिक क्लासेन को रिटेन करने वाली है, जिसे वो 23 करोड़ रुपये दे सकती है. उनके अलावा पैट कमिंस, अभिषेक शर्मा का भी रिटेन होना तय है.

दिल्ली कैपिटल्स ने भी तय किए नाम

दिल्ली कैपिटल्स ने भी रिटेन खिलाड़ियों के नाम तय कर लिए हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक ऋषभ पंत, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को टीम रिटेन करने वाली है. टीम सभी विदेशी खिलाड़ियों को ऑक्शन में जाने देगी.

आईपीएल-2025 में भी हैदराबाद के कोच नहीं रहेंगे डेल स्टेन

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन आईपीएल-2025 में भी सनराइजर्स हैदराबाद के साथ काम नहीं करेंगे, हालांकि वे सनराइजर्स ईस्टर्न के साथ जुड़े रहेंगे।

41 साल के तेज गेंदबाज ने एक सोशल पोस्ट में लिखा- 'आईपीएल में गेंदबाजी कोच के रूप में मेरे साथ कुछ साल के लिए सनराइजर्स हैदराबाद का आभार। दुर्भाग्य से मैं आईपीएल-2025 के लिए भी वापस नहीं आऊंगा। हालांकि, मैं साउथ अफ्रीका में एसए-20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ काम करना जारी रखूंगा।

स्टेन पिछले सीजन में निजी कारणों से उपलब्ध नहीं थे। फ्रेंचाइजी ने न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर जेम्स फ्रैंकलिन को अपना गेंदबाजी कोच बनाया था।

आईपीएल-2024 में रनरअप रही थी एसआरएच

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल-2024 के फाइनल में पहुंची थी, हालांकि टीम को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 8 विकेट की पराजय झेलनी पड़ी थी।

स्टेन आईपीएल की विभिन्न टीमों के लिए खेल चुके हैं

2022 में एसआरएच के गेंदबाजी कोच बनने से पहले स्टेन ने आईपीएल में डेक्कन चार्जर्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात लायंस का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2020 में आरसीबी के लिए खेला था, उन्हें उमरान मलिक और सनराइजर्स के कई अन्य तेज गेंदबाजों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का श्रेय दिया जाता है।

इंग्लैंड फुटबाल टीम के नए कोच बने थॉमस ट्यूशेल

साउथगेट की जगह लेंगे

लंदन, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। पेरिस सेंट जर्मन, चेल्सी, बायर्न म्यूनिख जैसे क्लबों के कोच रह चुके जर्मनी के थॉमस ट्यूशेल इंग्लैंड फुटबाल टीम के नए मुख्य कोच होंगे। ट्यूशेल यूरोपियन चैंपियनशिप के फाइनल में हारने वाली इंग्लैंड टीम के कोच गारेथ साउथगेट की जगह लेंगे। वह स्वेन गोरान एरिक्सन और फैबियो कापेलो के बाद इंग्लैंड के तीसरे विदेशी कोच होंगे। उन्हें अमेरिका में 2026 में होने वाले फी फा विश्वकप तक मुख्य कोच की जिम्मेदारी दी2 गई है।

ट्यूशेल ने कहा, मैं तुरंत ही समझ गया, यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उनकी कोशिश रहेगी कि इंग्लैंड के खिलाड़ियों के जर्सी पर दूसरा स्टार (दूसरी बार विश्व विजेता बनना) लगे। इंग्लैंड ने एकमात्र बार 1966 में विश्वकप जीता है।

क्लासन, कमिंस और अभिषेक को रिटेन करने को तैयार

हेड-नितिश को भी बरकरार रखने की संभावना; आईपीएल रिटेंशन की डेडलाइन 31 अक्टूबर

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। साउथ अफीका के हेनरिक क्लासन आईपीएल 2025 के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के रिटेंशन लिस्ट में सबसे आगे हैं। क्रिकइंफो के मुताबिक, क्लासन को पहले खिलाड़ी के तौर पर 23 करोड़ में रिटेन किया जाएगा। मौजूदा रनर-अप एसआरएच ने रिटेंशन लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर और फ्रेंचाइजी के कप्तान पैट कमिंस को दूसरे (18 करोड़ में) और भारतीय ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा को तीसरे खिलाड़ी (14 करोड़ में) के रूप में रिटेन करेगा।

क्रिकइंफो के मुताबिक, एसआरएच ट्रेविस हेड और नितिश कुमार रेड्डी को भी बरकरार रख सकता है। आईपीएल रिटेंशन के लिए डेडलाइन 31 अक्टूबर है। अगले सीजन के लिए नीलामी इस साल के अंत में होनी है।

कमिंस 2025 में भी टीम के कप्तान रहेंगे

हैदराबाद ने पिछले सीजन पैट कमिंस को 20.50 करोड़ रुपए में खरीदा था। वे आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। कमिंस की कप्तानी में हैदराबाद पिछले साल फाइनल तक पहुंची थी। लेकिन टीम इस बार क्लासन पर सबसे ज्यादा पैसे खर्च करेगी। कमिंस 2025 में भी टीम के कप्तान रहेंगे।

क्लासन ने 16 मैचों में 479 रन बनाए

आईपीएल 2024 में क्लासन ने 16 मैचों में 479 रन बनाए थे। वे हेड और अभिषेक के बाद रन बनाने के मामले में तीसरे नंबर पर थे। अभिषेक ने 16 मैचों में में 484 रन बनाए थे। अभिषेक के साथ ओपनिंग करने वाले हेड ने

टीम के लिए पिछले सीजन सबसे ज्यादा 567 रन बनाए थे।

आईपीएल का नया रिटेंशन रूल

आईपीएल मेगा ऑक्शन से पहले अब फ्रेंचाइजी टीमें 6 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं। जिनमें ज्यादा से ज्यादा 5 इंटरनेशनल और 2 अनकैप्ड प्लेयर शामिल हो सकते हैं। इंटरनेशनल प्लेयर किसी भी देश का हो सकता है, लेकिन अनकैप्ड खिलाड़ी भारत का ही होना चाहिए।

मान लीजिए, मुंबई इंडियंस ने 5 इंटरनेशनल खिलाड़ी रिटेन किए तो टीम अब किसी अनकैप्ड प्लेयर को ही छठे खिलाड़ी के रूप में रिटेन कर सकेगी। वहीं टीम ने अगर 4 इंटरनेशनल प्लेयर रिटेन किए तो उनके पास 2 अनकैप्ड खिलाड़ियों को रिटेन करने का ऑप्शन रहेगा।

79 करोड़ में रिटेन कर सकेंगे 6 खिलाड़ी

आईपीएल टीमों की पर्स लिमिट भी अब बढ़ाकर 120 करोड़ रुपए कर दी गई है, पहले यह 100 करोड़ थी। पहले खिलाड़ी को रिटेन करने पर 18 करोड़, दूसरे खिलाड़ी पर 14 करोड़ और तीसरे खिलाड़ी पर 11 करोड़ रुपए खर्च होंगे। अगर 3 ही खिलाड़ी रिटेन किए तो पर्स से 43 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

टीमें अगर चौथे खिलाड़ी को रिटेन करती हैं तो उन्हें उसे 18 करोड़ रुपए ही देने होंगे। वहीं पांचवें प्लेयर के लिए 14 करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे। अनकैप्ड प्लेयर को रिटेन करने के लिए 4-4 करोड़ रुपए ही लगेंगे। प्लेयर रिटेंशन बताने की आखिरी तारीख 31 अक्टूबर 2024 शाम 5 बजे तक है।

टीमों ने अगर 5 इंटरनेशनल और एक अनकैप्ड खिलाड़ी रिटेन किया तो उनके पर्स से 79 करोड़ रुपए खर्च हो जाएंगे। वहीं टीमों ने 4 इंटरनेशनल और 2 अनकैप्ड प्लेयर रिटेन किए तो पर्स से 69 करोड़ रुपए खर्च होंगे। वहीं 5 इंटरनेशनल प्लेयर ही रिटेन किए तो पर्स से 75 करोड़ रुपए खर्च हो जाएंगे। टीमों को 75 करोड़ रुपए के कैप्ड रिटेंशन पॉट को अपनी इच्छानुसार पांच कैप्ड खिलाड़ियों के बीच बांटने अनुमति है।

कोहली ने डिविलियर्स के लिए लेटर लिखा

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर बताया सबसे टैलेंटेड क्रिकेटर; कुक और नीतू भी शामिल

मुंबई, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने साउथ अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के लिए लेटर लिखा है। कोहली ने यह लेटर डिविलियर्स के आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने के बाद लिखा। डिविलियर्स को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में इंग्लैंड के दिग्गज एलिस्टेयर कुक और भारत की नीतू डेविड के साथ शामिल किया गया है। यह लेटर आईसीसी ने जारी किया है, इसमें कोहली ने आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के अपने पूर्व साथी की जमकर तारीफ की है। कोहली ने लिखा, 'आप अपने इस जगह के पूरी तरह हकदार हैं। आखिरकार, हॉल ऑफ फेम खेल पर आपके इम्पैक्ट का प्रतिनिधित्व करता है और आपका योगदान वाकई शानदार रहा है। लोग हमेशा आपकी क्षमता के बारे में बात करते रहे हैं और यह सही भी है। आप सबसे टैलेंटेड क्रिकेटर हैं जिनके साथ मैंने खेला, आप निश्चित रूप से नंबर एक हैं।'

उन्होंने आगे लिखा, 'लेकिन जो बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद आई, वह थी आपकी अपनी उस क्षमता पर भरोसा होना। आपको इस बात पर बहुत ज्यादा भरोसा रहता था कि आप क्रिकेट के

मैदान पर जो चाहें कर सकते हैं, और आपने आम तौर पर वैसा ही किया। यही वजह है कि आप इतने खास बन गए। मेरे दिमाग में इससे बेहतर कोई दूसरा उदाहरण नहीं है, जब हम 2016 में कोलकाता में केकेआर के खिलाफ आरसीबी के लिए एक साथ बल्लेबाजी कर रहे थे। हम 184 रनों के टारगेट का पीछा कर रहे थे। केकेआर में सुनील नरेन, मोर्ने मोर्केल, आंद्रे रसेल और शाकिब अल हसन जैसे गेंदबाज शामिल थे। आप मेरे साथ बैटिंग करने तब आए जब स्कोर 70 रन था और नरेन गेंदबाजी कर रहे थे।

आपने दो डॉट गेंदे खेल ली और टाइमआउट के दौरान मुझसे कहा कि आप उनकी बॉल को ठीक तरह से सिलेक्ट नहीं कर रहे हैं। मैंने आपसे कहा था कि मुझे स्ट्राइक दो और मैं उसकी गेंदों पर बाउंड्री लगाने की कोशिश करूंगा। टाइमआउट के बाद नरेन ओवर करने आए, मैं नॉन-स्ट्राइकर छोर पर तैयार था और सोच रहा था कि आप मुझे निश्चित रूप से सिंगल देंगे। लेकिन अपने ऐसा न करके, नरेन की बॉल पर 94 मीटर का छक्का लगा दिया। यह उन यादगार पलों में से एक है, जब मैं आपके साथ बल्लेबाजी कर रहा था। यह वह समय था जब मुझे क्रिकेट के मैदान पर सबसे ज्यादा मजा आया।'

'मुश्किल परिस्थितियों में आप अक्सर अपनी टीम को उबारने वाले व्यक्ति होते थे। अपनी टीम के लिए मैच जीतने वाले व्यक्ति बनने की आपकी इच्छा जबरदस्त थी और मैंने इससे बहुत कुछ सीखा।' 'मुझे याद है कि मैंने आपसे सीखा कि पिछले चार मैचों में जो कुछ भी किया है उससे कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए। जरूरी यह है कि आप आज के मैच को कैसे देखते हैं, कैसा परफॉर्म करते हैं। आप हमेशा टीम की जरूरतों के साथ पूरी तरह से तालमेल बैठाते थे। यही वजह है कि जब हम इंटरनेशनल क्रिकेट में एक-दूसरे के खिलाफ खेलते थे तो आपके लिए योजना बनाना सबसे मुश्किल होता था।'

ऋषभ पंत की जाएगी कप्तानी, सौरव गांगुली भी होंगे बाहर, दिल्ली कैपिटल्स का चौंकाने वाला खुलासा!

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऋषभ पंत आईपीएल 2025 में नहीं हो सकते हैं दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान. सौरव गांगुली को आईपीएल से बाहर कर सकती हैं दिल्ली फ्रेंचाइजी. जी नहीं, ऐसा हम नहीं बल्कि मीडिया रिपोर्ट्स इस बात का दावा कर रहे हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत आईपीएल के अगले सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान नहीं होंगे. वहीं दिल्ली फ्रेंचाइजी ने डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट सौरव गांगुली को भी हटाने के मूड में है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल 2025 के लिए नए कप्तान की तलाश है. और, यही वजह है कि वो ऋषभ पंत को उस रोल से हटाने की तैयारी में है. हालांकि, पंत को हटाए जाने का ये मतलब नहीं होगा कि फ्रेंचाइजी उन्हें रिटेन भी नहीं करेगी. रिपोर्ट्स के मुताबिक ऋषभ पंत रिटेंशन लिस्ट

में दिल्ली कैपिटल्स की टॉप प्रायोरिटी हैं.

ऋषभ पंत नहीं होंगे दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान-रिपोर्ट

अब सवाल है कि दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अगर आईपीएल 2025 में ऋषभ पंत नहीं होंगे तो फिर उसके दावेदार कौन हो सकते हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक नए कप्तान के तौर पर अक्षर पटेल का नाम रेस में आगे हैं. इसके अलावा दिल्ली फ्रेंचाइजी को ऑक्शन में भी ऐसे खिलाड़ी की तलाश रहेगी, जिसमें कप्तान बनने की क्वालिटी हो.

खबर ये भी है कि सौरव गांगुली भी दिल्ली कैपिटल्स में अपने पद से हटाए जा सकते हैं. गांगुली अब तक डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट की भूमिका में फ्रेंचाइजी के साथ जुडे. थे. रिपोर्ट्स की मानें तो वेणुगोपाल राव को गांगुली की जगह मिल सकती है. रिपोर्ट्स में ये भी कहा गया कि सौरव गांगुली IPL में बेशक साथ नहीं होंगे पर वो डब्ल्यूपीएल टी20 और एसए20 में जुड़े रहकर वहां फ्रेंचाइजी के लिए अपनी भूमिका को निभाते दिखेंगे.

ऋषभ पंत को कप्तानी से हटाने और सौरव गांगुली को बाहर करने के फैसले के पीछे की वजह दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी के दो ग्रुप में बंटे होने को माना जा रहा है. दरअसल, दिल्ली कैपिटल्स को दो ग्रुप- जेएसडब्ल्यू और जीएमआर- मिलकर चलाती है. ये दोनों ग्रुप 2-2 साल दिल्ली कैपिटल्स का काम देखते हैं. दिल्ली कैपिटल्स का काम अब तक जेएसडब्ल्यू ग्रुप देख रही थी. लेकिन, आईपीएल 2025 से अगले 2 सीजन के लिए फ्रेंचाइजी का काम अब जीएमआर ग्रुप देखेगी. और, रिपोर्ट्स के मुताबिक ये उसी का फैसला है कि आईपीएल 2025 में ऋषभ पंत कप्तान नहीं होंगे और ना ही सौरव गांगुली डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट होंगे.

हैदराबाद को दुनिया से मुकाबला करने वाला शहर बनाएंगे : रेवंत रेड्डी

> मूसी के किनारे रहने वाले गरीबों को आजीविका प्रदान करने की योजना > विपक्षी नेताओं का दिमाग मूसी नदी की गंदगी से भी ज्यादा खतरनाक

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आज यहां कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना के भविष्य के लिए एक कार्य योजना की परिकल्पना की और राज्य और देश की अर्थव्यवस्था को दिशा दी। गुरुवार सचिवालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि 33 समूहों ने मूसी नदी के जलग्रहण क्षेत्र के किनारे बस्तियों का दौरा किया और उनकी समस्याओं का अध्ययन किया।

हमें पता चला कि बदबू में दयनीय स्थिति में रहने वाले गरीबों को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हैदराबाद को दुनिया से मुकाबला करने वाला शहर बनाएंगे। सरकार ने मूसी के किनारे रहने वाले गरीबों को आजीविका प्रदान करने और उनका समर्थन करने की योजना तैयार की। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने शिक्षा और सिंचाई में क्रांतिकारी सुधार पेश किए। कांग्रेस पार्टी के विजन ने देश को दुनिया से मुकाबला करने की ताकत दी। देश में तकनीकी क्रांति लाने के पीछे राजीव गांधी का दिमाग है। पीवी नरसिम्हा राव आर्थिक उदारीकरण की नीति लेकर आए। नेहरू, राजीव और पीवी द्वारा शुरू की गई नीतियों का कुछ लोगों ने विरोध किया। लेकिन उन नीतियों ने देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ने में मदद की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ नेता सत्ता खोने के बाद हताशा में कुछ भी बोल रहे हैं। पिछली सरकार के शासकों ने दस साल तक तेलंगाना को डाकुओं की तरह लूटा और अब प्रतिष्ठित मूसी पुनरुद्धार परियोजना को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष मूसी पुनरुद्धार परियोजना को कायाकल्प परियोजना बताकर गलत धारणा बना रहा है। विपक्षी नेताओं के दिमाग में जहर भरा हुआ है जो मूसी नदी की गंदगी से भी ज्यादा खतरनाक है। यह कोई सौंदर्यीकरण परियोजना नहीं है, यह केवल मूसी पुनरुद्धार परियोजना है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य मूसी की गंदगी से लोगों को बचाना है। सरकार का विचार लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है।

उन्होंने कहा कि मल्लन्ना सागर, रंगनायक सागर और कोंडापोचम्मा जलाशयों को बिना सुरक्षा के देखने के लिए तैयार हैं। आइए वहां राचाबंडा का आयोजन करें। केसीआर के विधानसभा क्षेत्र का भी दौरा करने के लिए तैयार हैं। आइए बैठकर बहस करें। मूसी पुनरुद्धार परियोजना सुंदर दिखने के लिए हेयर ट्रांसप्लांट के लिए दुबई जाने जैसा नहीं है। देश में कोई भी ऐसा शहर नहीं है, जिसके बीच में नदी बहती हो। हमारा विचार मूसी जलग्रहण क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को हल करना और उन्हें स्थानांतरित करना है। मूसी नदी के किनारे 1600 से अधिक घर बसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि दशहरा उत्सव पर, सरकार ने घरों को मंजूरी दी और मूसी बस्ती से विस्थापितों को स्थानांतरित करने के लिए पैसे भी दिए। पिछली सरकार ने पीड़ितों को मल्लन्ना सागर और कोंडापोचम्मा जलाशयों से जबरन निकाला था। क्या पिछली सरकार ने कोंडा पोचम्मा परियोजना में डूबे 14 गांवों के किसी भी पीड़ित को घर आवंटित किया था? पिछली सरकार ने भी मिड मनेयर बाढ़ पीड़ितों को घर न देकर धोखा दिया था। मेरी सरकार न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। बफर जोन में 10,000 परिवारों का भी पुनर्वास किया जाएगा। क्या विपक्ष इस शहर का विकास नहीं करना चाहता और मूसी को इतिहास में दफनाना नहीं चाहता? जनता तय करेगी कि हम 5 साल राज्य में राज करेंगे या 10 साल। अगर अनदेखी की गई तो शहर बाढ़ के कहर में बह जाएगा। क्या यह गजवेल फार्म हाउस है या धरनी? मेरा किसी को धोखा देने का कोई इरादा नहीं है। सरकार का विचार अधिक आय उत्पन्न करना और उसे गरीबों में बांटना है। मूसी से निकलने वाला जहर पड़ोसी नलगोंडा जिले को भी नुकसान पहुंचा रहा है।

नलगोंडा का पुनरुद्धार भी एक बड़ी चुनौती है। विपक्ष कह रहा है कि मूसी परियोजना की लागत 1.50 लाख करोड़ रुपये है। यह पैसे ठगने के लिए कालेश्वरम परियोजना नहीं है। मूसी पुनरुद्धार परियोजना के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए पांच कंपनियों का चयन किया गया है। ये कंपनियां मूसी के पुनरुद्धार, परियोजना लागत अनुमान और विभिन्न एजेंसियों से धन जुटाने की योजना तैयार करेंगी। कंपनियां 18 महीने में डीपीआर जमा करेंगी।

एससीआर ने ट्विन-सिटी के यात्री संघों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक भारतेश कुमार जैन और हैदराबाद डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक लोकेश विश्नोई ने गुरुवार को अपने-अपने मंडल मुख्यालयों पर एमएमटीएस (मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम) और उपनगरीय ट्रेन सेवाओं में सुधार के संबंध में ट्विन सिटी के विभिन्न यात्री संघों के सदस्यों के साथ बैठक की। संचालन भवन और हैदराबाद भवन में हुई बैठकों में डीआरयूसीसी, ट्विन-सिटी उपनगरीय यात्री संघ, सीनियर सिटीजन एसोसिएशन, अम्मुगुड़ा, श्री राघवेंद्र नगर कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन, विवेकानंदपुरम वेलफेयर एसोसिएशन और एससीआर रेल फैन्स एसोसिएशन जैसे संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मंडलों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। मंडल रेल प्रबंधकों ने परिचालन एमएमटीएस सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए किए जाने वाले उपायों के संबंध में यात्री संघों के साथ विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधियों ने समय की पाबंदी बढ़ाने, एमएमटीएस ट्रेनों का उपयोग बढ़ाने, हाइलाइट्स ऐप को नया रूप देने, सेवाओं के विस्तार आदि के संबंध में सुझाव दिए। सदस्यों ने अतिरिक्त ठहराव के प्रावधान और विभिन्न मार्गों में एमएमटीएस ट्रेनों की बहाली का भी प्रतिनिधित्व किया। सदस्यों द्वारा दी गई सभी सिफारिशों को सकारात्मक रूप से लिया गया और डीआरएम ने आश्वासन दिया कि उनके सुझावों की जांच की जाएगी और जुड़वां शहरों के क्षेत्र में लोगों को सर्वोत्तम ट्रेन सेवाएं प्रदान करने के लिए सभी कदम उठाए जाएंगे। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन व्यक्तिगत रूप से एमएमटीएस सेवाओं की समय की पाबंदी की निगरानी कर रहे हैं। महाप्रबंधक ने मंडलों को सलाह दी कि एमएमटीएस ट्रेनों में देरी से बचा जाना चाहिए और समय की पाबंदी बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने मंडल अधिकारियों को सलाह दी कि जनता की आवश्यकताओं के आधार पर तथा यात्री संघों के साथ हुई चर्चाओं पर विचार करते हुए एमएमटीएस सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए यथाशीघ्र उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सभी का अंतिम उद्देश्य रेल उपयोगकर्ताओं के लिए यात्री सेवा की बेहतरी है।

एक करोड़ की इनामी महिला नक्सली सुजाता तेलगांना से गिरफ्तार

बस्तर में कई बड़ी वारदातों को दे चुकी है अंजाम

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस ने हैदराबाद के महबूब नगर से एक करोड़ की इनामी महिला नक्सली कल्पना उर्फ सुजाता को गिरफ्तार किया है। 60 वर्षीय सुजाता बस्तर डिवीजनल कमेटी की प्रभारी रही है और सुकमा जिले में कई बड़ी नक्सली घटनाओं में उसकी संलिप्तता रही है।

पुलिस के अनुसार, सुजाता इलाज के लिए तेलंगाना पहुंची थी जब उसे गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में कुल मिलाकर एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित किया गया था। बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से बीमार थी, जिसके कारण उसे इलाज की आवश्यकता पड़ी। गिरफ्तारी के बाद, पुलिस ने आशा जताई है कि सुजाता से पूछताछ में नक्सलियों के नेटवर्क और उनकी गतिविधियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। सुजाता नक्सली संगठन के बड़े लीडर कोटेश्वर राव उर्फ किशनजी की पत्नी है, जो एक समय पर नक्सली गतिविधियों का प्रमुख चेहरा था। किशनजी की हत्या के बाद, सुजाता ने बस्तर क्षेत्र का रुख किया और वहां के कुख्यात नक्सल कमांडर माडवी हिड़मा के साथ कई ऑपरेशनों में भाग लिया। इस गिरफ्तारी से नक्सली संगठन को एक बड़ा झटका लगा है, क्योंकि सुजाता जैसे उच्च स्तर के नेताओं की गिरफ्तारी से न केवल नक्सल संगठन कमजोर होगा, बल्कि उनके द्वारा किए गए अपराधों और उनके नेटवर्क के बारे में भी कई राज खुल सकते हैं।

पुलिस का मानना है कि सुजाता की गिरफ्तारी से नक्सली गतिविधियों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी और क्षेत्र में सुरक्षा को मजबूत किया जा सकेगा। इस मामले में बस्तर पुलिस ने नक्सलियों के खिलाफ चल रहे अभियान को और तेज करने का निर्णय लिया है। पुलिस प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें ताकि क्षेत्र में नक्सली प्रभाव को कम किया जा सके। पुलिस अब सुजाता से पूछताछ कर रही है और उसके जरिए नक्सलियों के अन्य नेटवर्क और योजनाओं के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है।

केसीआर हमेशा यादाद्री के इतिहास में रहेंगे : सुमन

यादाद्री भुवनगिरी, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टॉलीवुड हीरो सुमन ने आज कहा कि पूर्व सीएम और बीआरएस पार्टी प्रमुख केसीआर हमेशा यादाद्री मंदिर के इतिहास में रहेंगे। उन्होंने गुरुवार को यादाद्री पर विशेष पूजा की। इस अवसर पर बोलते हुए सुमन ने कहा कि केसीआर के शासन के दौरान, जब मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा था, तब उन्होंने यादाद्री मंदिर का दौरा किया था। सुमन ने कहा कि मंदिर निर्माण पूरा होने के बाद भगवान के दर्शन का यह पहला मौका है। उन्होंने कहा कि अगर कोई मंदिर की स्थापत्य शैली को देखता है, तो वह एक अद्भुत दृश्य होगा। सुमन ने मंदिर की सफाई की स्थिति की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने भक्तों को मंदिर कर्मचारियों के साथ सफाई में सहयोग करने की भी सलाह दी।

अल्पसंख्यकों की उपेक्षा को दूर करने का काम कर रही कांग्रेस : शब्बीर

अल्पसंख्यकों की चिंताओं को दूर करने में विफल थी बीआरएस

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने तेलंगाना में अल्पसंख्यकों और हाशिए पर पड़े समुदायों के कल्याण के लिए कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के नकारात्मक प्रभावों को दूर करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है, जिस पर उन्होंने एक दशक लंबे शासन के दौरान अल्पसंख्यकों की जरूरतों की उपेक्षा करने और अपनी नीतियों के बारे में गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया।

गांधी भवन में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान शब्बीर अली ने अल्पसंख्यकों की चिंताओं को दूर करने में विफल रहने के लिए बीआरएस की आलोचना की और कांग्रेस सरकार द्वारा हाल ही में की गई पहलों पर प्रकाश डाला, जैसे कि ग्राम पंचायत और नगरपालिका वार्ड दोनों स्तरों पर इंदिराम्मा समितियों की स्थापना। उन्होंने इन दावों को खारिज कर दिया कि अल्पसंख्यकों को इन कार्यक्रमों से बाहर रखा गया है तथा इस बात पर जोर दिया कि अल्पसंख्यक, विशेषकर बीसी-ई के अंतर्गत वर्गीकृत मुसलमान, इनके कार्यान्वयन के लिए आवश्यक हैं। शब्बीर अली ने सरकारी आदेश संख्या 18 के तहत शुरू किए गए घरेलू सर्वेक्षण की ओर इशारा किया, जिसमें कथित तौर पर बीसी-ई श्रेणी में 85 प्रतिशत मुस्लिम शामिल हैं।

सीतक्का ने बतुकम्मा साड़ियों पर हरीश की टिप्पणी की निंदा की

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत मंत्री सीताक्का ने पूर्व मंत्री हरीश राव की टिप्पणी की निंदा की है, जिन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस सरकार ने बतुकम्मा त्योहार के अवसर पर महिलाओं को साड़ियों का वितरण बंद कर दिया है। बुधवार को यहां एक विज्ञप्ति में मंत्री सीतक्का ने कहा कि कांग्रेस सरकार बतुकम्मा साड़ियों के वितरण से परे महिलाओं को और अधिक वित्तीय लाभ प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा, पिछली सरकार का बतुकम्मा साड़ियों पर सालाना खर्च केवल 300 करोड़ रुपये था। लेकिन कांग्रेस सरकार महिलाओं को एक पैसा खर्च किए बिना मुफ्त यात्रा की सुविधा दे रही है।

मंदिर में घुसकर चोरी का प्रयास

हैदराबाद, चोरों ने गुरुवार तड़के उप्पल में एक मंदिर में घुसने की नाकाम कोशिश की। मंदिर में रखे दानपात्र को जबरन खोलने की नाकाम कोशिश के बाद वे मौके से फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार अज्ञात व्यक्ति मुख्य सड़क पर स्थित मंदिर में घुसे और उन्होंने दान पेटी को नुकसान पहुंचाने तथा पैसे चुराने की कोशिश की लेकिन बार-बार प्रयास विफल होने पर वे खाली हाथ लौट गए। पुलिस ने बताया कि सुबह मंदिर के पुजारी ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी। उप्पल पुलिस बदमाशों की पहचान के लिए आसपास के निगरानी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है।

केटीआर ने सीएम के लगातार दिल्ली दौरे की आलोचना की

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने आज सीएम रेवंत रेड्डी पर जमकर निशाना साधा, जो दिल्ली के दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के पास कल्याणकारी कार्यक्रमों को लागू करने के लिए कोई पैसा नहीं है, उन्होंने आलोचना की कि सीएम अपने दस महीने के शासन में 25वीं बार दिल्ली गए हैं।

केटीआर ने ये टिप्पणियां अपने ट्विटर हैंडल पर कीं। उन्होंने उपहास करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने दिल्ली में पार्टी नेताओं के चक्कर लगाकर रजत जयंती हासिल की है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में मुख्यमंत्री के लिए हासिल करने के लिए कुछ भी नया नहीं है। वह बिना किसी उद्देश्य के दिल्ली का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री राज्य के किसानों और आवासीय विद्यालय के छात्रों की समस्याओं को भूलकर दिल्ली का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मूसी नदी सौंदर्यीकरण परियोजना और हाइड्रा के नाम पर राज्य सरकार ने गरीब लोगों के पेट पर वार किया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार द्वारा वादा किए गए वृद्ध लोगों के लिए कोई पेंशन और नवविवाहितों के लिए एक तोला सोना नहीं है। राज्य में रेत माफिया पर प्रतिक्रिया देते हुए केटीआर ने शिकायत की कि इंदिराम्मा के राज्य में रेत तस्कर मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस के शासन में रेत माफिया एक दुर्जेय हाथ बन गया है। राज्य के किसी भी कोने में रेत खनन चल रहा है। राज्य के मंत्रियों से लेकर मंडल स्तर के नेताओं तक रेत निचोड़ कर पैसे की हेराफेरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि रेत माफिया अपने अवैध रेत कारोबार को जारी रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को रिश्वत दे रहे हैं।

महर्षि वाल्मिकी की रचनाएं सभी के लिए महान आध्यात्मिक प्रेरणा : इलाम्बर्ती

> जीएचएमसी कार्यालय में मनाई गई महर्षि वाल्मिकी जयंती

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी कमिश्नर इलाम्बर्ती ने कहा कि महर्षि वाल्मिकी की रचनाएं सभी भारतीयों के लिए एक महान आध्यात्मिक प्रेरणा हैं। रामायण महाकाव्य के रचयिता महर्षि वाल्मिकी की जयंती गुरुवार को जीएचएमसी मुख्यालय में मनाई गई। महर्षि वाल्मिकी की जयंती मनाते हुए जीएचएमसी कमिश्नर इलाम्बर्ती वाल्मिकी ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आयुक्त ने कहा कि महर्षि वाल्मिकी ने रामायण लिखकर भारतीय साहित्य को अद्भुत संपदा दी है। उन्होंने कहा कि वाल्मिकी की रचनाओं में व्यक्त धर्म, अध्यात्म, न्याय और नैतिक मूल्यों की शिक्षाएं सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। वाल्मिकी ने सभी को आकांक्षाओं का सम्मान करते हुए धर्म, सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की सलाह दी। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त सीएन रघु प्रसाद, नलिनी पद्मावती, सीपीआरओ मुर्तुजा अली, एएमसी रमना, शारदा, जीएचएमसी, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और अन्य लोगों ने भाग लिया।

जीएचएमसी के नए आयुक्त इलाम्बर्ती ने कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त के रूप में इलाम्बर्ती ने कार्यभार संभाला लिया।

इस अवसर पर जीएचएमसी के जोनल आयुक्त हेमंत केशव पाटिल, अनुराग जयंती, अपूर्व चौहान, अतिरिक्त आयुक्त नलिनी पद्मावती, यादगिरी राव, वेणुगोपाल रेड्डी, सत्यनारायण, पंकजा, सीसीसी श्रीनिवास, सीसीपीआरओ मोहम्मद मुर्तुजा अली, मुख्य कीटविज्ञानी डॉ. रामबाबू, रविकिरण, वेंकन्ना, ओ. एसडी वेणुगोपाल और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने आयुक्त का स्वागत किया।

तम्मिनेनी ने मुख्यमंत्री से गुरुकुल भवनों को फिर से खोलने का आग्रह किया

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। माकपा के राज्य सचिव तम्मिनेनी वीरभद्रम ने आज कहा कि राज्य सरकार ने गुरुकुलों के किराए के भवनों का किराया नहीं दिया, इसलिए मालिकों ने छात्रावासों पर ताला लगा दिया और उन्हें बंद कर दिया। उन्होंने इसे छात्रों के भविष्य के लिए गंभीर नुकसान बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को तुरंत भवनों को खोलने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और छात्रों की पढ़ाई बिना किसी बाधा के सुनिश्चित करनी चाहिए।

पिछली बीआरएस सरकार के साथ-साथ वर्तमान कांग्रेस सरकार ने भी गुरुकुलों के अपने भवनों का निर्माण नहीं किया। किराए के भवनों का किराया भी नहीं दिया गया है। हजारों छात्रों की शिक्षा की अनदेखी करते हुए मालिकों ने छात्रावास भवनों पर ताला लगा दिया। दूसरी ओर, सरकार द्वारा दिए जाने वाले मेस शुल्क भी छात्रों के न्यूनतम भोजन के लिए पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि छह साल पुराना मेन्यू जारी है, इसलिए सरकार का मेन्यू वस्तुओं के दामों से मेल नहीं खाता। इसके कारण छात्रावासों में सड़ी-गली सब्जियां और घटिया सामान के कारण फूड पॉइजनिंग हो रही है। इतना कुछ होने के बाद भी यह अफसोस की बात है कि राज्य सरकार मेस शुल्क बढ़ाने का विचार नहीं ला पाई है। उन्होंने कहा कि चूंकि अधिकांश गुरुकुलों में गरीब एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक छात्र रहते हैं, इसलिए इन छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार को तुरंत किराया देना चाहिए और भवनों से ताले हटाने चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को मेस शुल्क की परवाह किए बिना सामान उपलब्ध कराना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि छात्रों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी ली जानी चाहिए। भविष्य में पढ़ाई में इस तरह की बाधा न आए, इसके लिए तत्काल अपने भवन बनाने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

इथेनॉल फैक्ट्री के खिलाफ प्रदर्शन को अनुमति

पुलिस ने कर दिया था अनुमति देने से इनकार

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने निर्मल जिले के दिलावरपुर गांव में पोचम्मा मंदिर में प्रजागलम बहिरंगा सभा नामक सार्वजनिक बैठक आयोजित करने की अनुमति दे दी है। यह निर्णय कटिकम राजा रेड्डी द्वारा दायर एक रिट याचिका के बाद लिया गया है, जो स्थानीय किसानों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जो क्षेत्र में प्रस्तावित इथेनॉल कारखाने के पर्यावरणीय परिणामों के बारे में चिंतित हैं।

याचिका में उप-विभागीय पुलिस अधिकारी द्वारा अनुमति देने से पहले किए गए इनकार को चुनौती दी गई थी, जिसमें पुलिस अधिनियम की धारा 30 का हवाला दिया गया था, जो शांति और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक समारोहों को नियंत्रित करती है। अदालती कार्रवाई के दौरान, किसानों का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील वी. रघुनाथ ने फैक्ट्री से उत्पन्न संभावित खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के समिति के लक्ष्य पर जोर दिया।

उन्होंने तर्क दिया कि इससे कृषि भूमि काफी हद तक प्रदूषित हो सकती है और पर्यावरण को नुकसान पहुंच सकता है। रघुनाथ ने कहा कि यह स्थिति न केवल वर्तमान किसानों बल्कि भावी पीढ़ियों को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकती है, क्योंकि इससे स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण तक उनकी पहुंच से समझौता हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि किसान 80 दिनों से क्रमिक भूख हड़ताल पर हैं और कहा कि उन्हें अनुमति नहीं देना उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। पीएमके डिस्टिलेशन्स प्राइवेट लिमिटेड का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील पी श्री रघुराम ने पूर्व में हुई विरोध घटनाओं का हवाला देते हुए तर्क दिया कि यह सभा कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा कर सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि कई स्थानीय निवासी इस फैक्ट्री में मिलने वाले रोजगार के अवसरों के कारण इसका समर्थन करते हैं। सरकारी वकील ने पुलिस के शुरूआती फैसले का समर्थन करते हुए चेतावनी दी कि बैठक की अनुमति देने से सार्वजनिक अशांति भड़क सकती है। दोनों दलीलों पर विचार करने के बाद न्यायमूर्ति बी विजयसेन रेड्डी ने फैसला सुनाया कि सार्वजनिक बैठक कुछ शर्तों के अधीन आयोजित की जा सकती है।

याचिकाकर्ताओं को वक्ताओं की सूची और प्रतिभागियों का अनुमान उपलब्ध कराना होगा, साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि इसमें कोई आपराधिक रिकॉर्ड वाला व्यक्ति शामिल न हो। यह बैठक 18 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे के बीच निर्धारित है। इसके अतिरिक्त, अदालत ने पुलिस को निर्देश दिया कि वह कार्यक्रम के दौरान व्यवस्था बनाए रखे तथा सार्वजनिक सुरक्षा को खतरा पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करे।

मुख्यमंत्री रेवंत ने कोमरम भीम को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आदिवासी नेता कोमरम भीम को उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को अपने आवास पर आदिवासी अधिकारों के लिए लड़ने वाले और आदिवासियों की आकांक्षाओं को साकार करने वाले कोमरम भीम के चित्र पर माल्यार्पण किया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना में आदिवासियों के कल्याण और विकास के लिए कई योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू करने के लिए कदम उठा रही है। इसी तरह, महर्षि वाल्मीकि की जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कवि को भी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि वाल्मीकि जयंती को तेलंगाना में एक आधिकारिक सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जा रहा है। पूर्व सांसद अंजन कुमार यादव, सांसद अनिल कुमार यादव और अन्य नेता उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने कोमरम भीम और वाल्मीकि को श्रद्धांजलि दी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.